डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति [illegible] को प्रकाशित, भोपाल [illegible] वर्ष [illegible] मूल्य ₹ 00

समाधान ऑनलाइन

जनता के कार्यों को तत्परता और प्राथमिकता से पूरा करें - मुख्यमंत्री

भोपाल, समाधान ऑनलाइन और सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से जनता के कल्याण से जुड़े कार्यों को तत्परता और प्राथमिकता से पूरा किया जाए। लंबित आवेदनों के निराकरण के लिए जिला स्तर पर सतत् समीक्षा भी की जाए। जनता को आवश्यक सेवाएं देने में विलंब के दोषी लोगों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में समाधान ऑनलाइन में जनसमस्याओं का समाधान करते हुये कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी करने और हितग्राहियों को देर से राशि दिलवाने के दोषी शासकीय सेवकों के विरुद्ध कार्यवाही जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में समाधान ऑनलाइन में जनसमस्याओं का समाधान करते हुये।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने समाधान ऑनलाइन के अंतर्गत प्रकरणों का निराकरण करवाने के पश्चात् निर्देश देते हुये कहा कि आगामी 10 जनवरी को समस्त कलेक्टर्स राजस्व शुद्धिकरण अभियान की प्रगति का विवरण प्रस्तुत करें। आमजन से जुड़े लंबित प्रकरणों का निराकरण अभियान के रूप में करें।

प्रस्तुत हुये प्रकरण

मुख्यमंत्री के समक्ष विभिन्न जिलों में आम जनता के आवेदनों के निराकरण में हुए विलंब के जो मामले रखे गए, उनमें समाधान की कार्यवाही के साथ ही दोषियों के विरुद्ध एक्शन भी लिया गया। धार जिले के श्री राजाराम के वर्ष 2018 में खरीदी गई चने की फसल का भुगतान दिलवाने के आवेदन पर आवेदक को 48 हजार 400 रुपये का भुगतान तत्काल कर दिया गया।

किसानों को राशि मिलने में न हो देरी

खण्डवा जिले की श्रीमती गुलाब बाई ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ न मिल पाने का आवेदन दिया था, जिस पर कार्यवाही कर राशि का भुगतान करवाया गया। मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में पटवारी को सारा एप की आईडी पर किसान का भौतिक सत्यापन करने की सूचना मिली और राशि के भुगतान की कार्यवाही पूर्ण की गई। श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के माध्यम से प्रदेश में करीब 78 लाख किसान लाभांवित हो रहे हैं।

मनरेगा मजदूरों को समय पर मिले मजदूरी

खरगोन जिले के श्री रमेश लक्ष्मण को कपिलधारा कूप निर्माण का कार्य पूर्ण होने के बाद भी योजना में प्राप्त होने वाली राशि का भुगतान न होने के प्रकरण में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मनरेगा की मजदूरी के भुगतान में विलंब नहीं होना चाहिए। श्री चौहान ने कहा कि मजदूरों को समय पर मजदूरी न देना पाप है। तकनीकी त्रुटियों के कारण नागरिकों को मिलने वाले हितलाभ प्रभावित नहीं होने चाहिए। प्रस्तुत प्रकरण के साथ ही इसी तरह भुगतान से वंचित रहे हितग्राहियों को कुल 2 लाख 6 हजार 245 रुपये का भुगतान अब कर दिया गया है।

प्रकरण में तीन दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है। मुख्यमंत्री ने अन्य किसानों को भी बेची गई फसल का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवंटन उपलब्ध होने के बाद भी राशि के भुगतान में देरी को आपराधिक कृत्य बताते हुए किसानों को देर से राशि देने के दोषी लोगों के विरुद्ध जांच के निर्देश भी दिए।

जबलपुर जिले के विद्यार्थी श्री आर्यांश मिश्रा द्वारा राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंतर्गत ज्ञान गंगा इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड सांइस, जबलपुर में बी.टेक. कोर्स के शैक्षणिक सत्र 2019-20 में चयन के बाद प्रथम सेमेस्टर का परिणाम घोषित नहीं करने के कारण 5वें सेमेस्टर के परीक्षा प्रपत्र न भर पाने की समस्या का उल्लेख किया गया। समाधान ऑनलाइन में प्रकरण आने के बाद विद्यार्थी का प्रपत्र जमा करने की कार्यवाही पूरी हो गई।

बालाघाट जिले की सुश्री ममता बिसेन को मध्यप्रदेश भवन संनिर्माण एवं कर्मकार मण्डल से विवाह प्रोत्साहन की राशि का भुगतान मिल गया है। इस प्रकरण में विलंब के दोषी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बारासिवनी का इन्क्रीमेंट रोक दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक सेवा केंद्र में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही की जाए। सरकार की मंशा यही है कि नागरिकों को समय-सीमा में सेवाएं मिलें।

मध्यप्रदेश के लिए बड़ी सौगात

वायरस की पहचान के लिये मिली पांच जीनोम सीक्वेंसिंग मशीन

भोपाल, मध्यप्रदेश को केंद्र सरकार की ओर से बड़ी सौगात मिली है। मध्यप्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से मुलाकात की। इस मुलाकात में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने मध्यप्रदेश को कोरोना के हर वेरिएंट से लड़ने के लिए 5 जीनोम सीक्वेंसिंग मशीन दी हैं।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री सारंग ने बताया कि मध्यप्रदेश की जनता के स्वास्थ्य का बेहतर ख्याल रखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने राज्य को 5 जीनोम सीक्वेंसिंग मशीन दी हैं। यह मशीन भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा और ग्वालियर में लगाई जायेंगी। उन्होंने कहा कि अब तक राज्य के नमूने को दिल्ली भेजा जाता था, जिसकी रिपोर्ट 10 से 12 दिन बाद आती थी, लेकिन जैसे ही ये 5 जीनोम सीक्वेंसिंग मशीन राज्य में लग जायेंगी, रिपोर्ट जल्दी मिल जायेगी। इन मशीनों के रूप में कोरोना के खिलाफ जंग में राज्य सरकार को एक बड़ी उपलब्धि मिली है। इसका लाभ राज्य की जनता को मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि मध्यप्रदेश में फिलहाल कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन का कोई मामला नहीं है।

श्री सारंग ने कहा कि हमारी मांग थी कि राज्य के छह मेडिकल कॉलेज के लिए विशेष बजट दिया जाये। यहां के सरकारी नर्सिंग कॉलेज को बेहतर बनाया जाये। इसके लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने विशेष बजट देने पर सहमति जताई है। साथ ही राजधानी भोपाल में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल बनाया जायेगा। श्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए यह एक बड़ा दिन है, जब राज्य सरकार की मांग को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपनी सहमति प्रदान की है।

खास खबर

उद्यमिता विकास कार्यक्रमों में आवेदन की तिथि बढ़ी

भोपाल, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल के निर्देश पर केंद्र प्रवर्तित योजना- राष्ट्रीय पशुधन मिशन के उद्यमिता विकास कार्यक्रमों में आवेदन आमंत्रित करने की तिथि को बढ़ाया गया है। पहले योजना में आवेदन की तिथि 30 नवंबर 2021 निर्धारित थी। हितग्राहियों के आग्रह पर मंत्री श्री पटेल के निर्देश पर अब राष्ट्रीय पशुधन मिशन के उद्यमिता विकास कार्यक्रमों में आवेदन की तिथि 30 नवंबर, 2021 से बढ़ाकर 15 दिसंबर, 2021 तक की गयी है। इच्छुक पात्र उद्यमियों और हितग्राहियों को आवेदन ऑनलाइन करना होगा।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

मेट्रोपोलिटियन क्षेत्र घोषित

भोपाल और इंदौर में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू - गृह मंत्री

भोपाल, राज्य सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए प्रदेश के महानगर भोपाल और इंदौर में पुलिस आयुक्त प्रणाली को लागू कर दिया है। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बताया है कि कानून-व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन और दोनों शहरों की जनसंख्या 10 लाख से अधिक होने पर राज्य सरकार ने संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक नगरीय क्षेत्रों एवं सीमाओं को मेट्रो पोलिटियन क्षेत्र घोषित किया है। डॉ. मिश्रा ने सरकार द्वारा लिये गये बहु-प्रतीक्षित ऐतिहासिक निर्णय के लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का आभार माना। राज्य शासन द्वारा पुलिस आयुक्त प्रणाली के तहत पुलिस अधिकारियों के पद स्थापना के आदेश जारी कर दिये गये हैं। पुलिस आयुक्त प्रणाली के अंतर्गत भोपाल में श्री मकरंद देउस्कर और इंदौर में श्री हरिनारायण चारी मिश्रा को पुलिस आयुक्त पदस्थ किया गया है।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि पुलिस आयुक्त प्रणाली में इंदौर नगरीय पुलिस जिले में 36 थानों और भोपाल नगरीय पुलिस जिले में 38 थानों की सीमाओं को समाविष्ट किया गया है। दोनों शहरों में पुलिस महानिरीक्षक स्तर के अधिकारी पुलिस आयुक्त पदस्थ किये गये हैं। उन्होंने बताया कि दोनों महानगरों में पुलिस आयुक्त प्रणाली के लिये अधिकारियों के पद और जोन का भी निर्धारण किया गया है।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि पुलिस आयुक्त प्रणाली के लागू हो जाने से इंदौर और भोपाल के पुलिस आयुक्त की शक्तियों एवं प्राधिकारों को मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक तथा महानिरीक्षक के सामान्य नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण के अधीन निहित किया गया है। पुलिस आयुक्त को कार्यपालक मजिस्ट्रेट की शक्तियां होंगी। डॉ. मिश्रा ने बताया है कि भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता-1973 (1974 का 2) की धारा-21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों में इंदौर और भोपाल नगरीय पुलिस जिले में पदस्थ पुलिस उपायुक्तों एवं पुलिस सहायक आयुक्तों को अपने-अपने अधिकारिता क्षेत्र में विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त कर शक्तियां प्रदान की गई हैं। गृह मंत्री ने बताया कि पुलिस एक्ट-1861 के अनुसार मेट्रोपोलिटिन क्षेत्र में पुलिस आयुक्त के अधीन पुलिस का प्रशासन रहेगा। पुलिस आयुक्त पुलिस महानिदेशक के सामान्य नियंत्रण एवं परिवेक्षण में रहेंगे।

योग को खेल के रूप में शालेय शिक्षा में किया जाएगा सम्मिलित

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लिये गठित टास्क फोर्स की बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, योग को खेल के रूप में विकसित कर शालेय शिक्षा के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाएगा। प्रदेश में जन-जन तक योग के विस्तार के लिए योग आयोग का गठन किया जाएगा। योग की शिक्षा को शालेय स्तर पर जोड़ने से शिक्षा को रुचिकर बनाने और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य संवर्धन में सहायता मिलेगी। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार किया जा रहा है। विद्यार्थियों को विभिन्न सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिक्षा को रुचिकर बनाने की दिशा में जारी इन प्रयासों से निजी स्कूलों की ओर जन-सामान्य का आकर्षण कम होगा। इस दिशा में जारी गतिविधियों के परिणाम शीघ्र ही प्रदेशवासियों को देखने को मिलेंगे। शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान, कौशल और नागरिकता के संस्कार देना है। प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति में व्यावसायिक शिक्षा के साथ नैतिक शिक्षा देने की प्रभावी पद्धति का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लिए गठित टास्क फोर्स की बैठक को संबोधित करते हुये कहीं।

श्री चौहान ने कहा कि केवल शालाओं में प्रवेश के लिए ही नहीं अपितु कक्षा 5वीं से 6वीं और कक्षा 8वीं से 9वीं में प्रवेश के लिए भी स्कूल चलें अभियान चलाया जाए।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

प्रयास KSG
An institute for MPPSC Examination
Build Your Own Success Story
UPSC में 2000 से अधिक सलेक्शन देने के बाद
MPPSC को समर्पित KSG का प्रतिबद्ध संस्थान
Our Classroom Students

RACHNA SHARMA
RANK - 2
(MPPSC TOPPER 2018)

GAGAN BISEN
RANK - 7
(MPPSC TOPPER 2017)

TANMAY
RANK - 15
(MPPSC TOPPER 2018)

A Team of 18 Specialised and Academically Competent Teachers
तैयारी जीत की
MPPSC
PRE + MAINS
With Study Material
Admission Open | Free Demo Classes
Separate Batch for English and Hindi Medium
NEW BATCH STARTING IN INDORE FROM 15th DEC. 21
दिल्ली एवं म.प्र. के अनुभवी शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन
Now in Indore
111-117, 1st Floor, Veda Building, Bhawar Kuan Square, Indore
Mobile: 9893739446, 7725837474
R-46320/2021

FREE COACHING/निःशुल्क कोचिंग- F.Y.2021-22
Rs.10,000/- (Rs. 2500x4) by DBT (PFMS)
Scholarship per student
Sponsered By: GOVT. OF INDIA MINISTRY OF MINIORITY AFFAIRS, NEW DELHI
For Bank P.O./SSC-CGL/Officer's Grade - Group-B-Exams
For minority students Muslim, Jain, Christian, Sikh, Buddhist, Parsi (age limit 29 yrs.)

DURATION OF COURSE	FAMILY INCOME	Education Qualification
04 Months	Not more than Rs. 6.00 Lakh per annum	Graduate in any stream No. of Seats 100

Apply online/offline | Last Date: 15.12.21
Eligible candidates may apply with documents like: Income-certificate, Bank passbook, 10th, 12th Graduation Marksheet, Aadhar Card
PERFECT BANK COACHING (Run by Perfect Samajik Avam Shiksha Samiti)
BHOPAL Dist.: Plot 1, K.K. Plaza Top Floor, "A" Wing, Zone-II, M.P. Nagar, (M.P.), Group-B (Seat-100) 462011, M. 9425373001, 0755-2554800
INDORE Dist.: 210, 211 Agollo Trade Center, Geeta Bhawan Chuaraha, (M.P.) 452001, Group-B (Seat-100), M. 98937 59250, 94253 73001
MANDIDEEP (Raisen): Near Bank of India/Mandi, Above Asha Hospital, (RAISEN), Group-C (Seat-50) (M.P.)- 462046, M. 9406955030, 9425373001
For online application Contact: 9893759250, 9425373001
E-mal Id: perfectbankcoaching23@gmail.com
R-46321/2021

PEOPLE'S UNIVERSITY
(Established by M.P. Act No. 18 of 2011 & approved u/s 2 (f) of UGC act 1956)
ADMISSION OPEN 2021-22
PEOPLE'S COLLEGE OF PARAMEDICAL SCIENCES & RC

MPT	Masters of Physiotherapy - (Ortho'/ Neuro'/ Cardio' & Sports) 2 yrs PG Degree Program, Eligibility : BPT	
BPT	Bachelor of Physiotherapy	4½ yrs Degree Course
BMLT	Bachelor of Medical Lab Technology	3 yrs Degree Course
DMLT	Diploma in Medical Lab Technology	2 yrs Diploma Course
DDT	Diploma in Dialysis Technology	2 yrs Diploma Course

Eligibility : 12th with Physics, Chemistry & Biology
People's Institute of Hotel Management
BBA Bachelor of Business Administration In Hospitality & Hotel Administration — 3 years Degree Course
International Placement Assistance
Industrial Training in Star Category Hotels of India /Abroad
Eligibility : 12th with Any Stream(Science/Arts/Commerce/Vocational)
Ph. - 0755-400 5203, 9538500200
People's Campus, Bhanpur, Bhopal (M.P.)-462037
R-46319/2021

मुख्यमंत्री ने 'हिन्द दी चादर' श्री गुरु तेग बहादुर राष्ट्रीय स्मारिका का विमोचन किया

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से राष्ट्रीय सिख संगत के पदाधिकारियों ने उनके निवास कार्यालय में भेंट की। मुख्यमंत्री को सरोपा भेंट कर सम्मान किया गया। श्री चौहान को सिख गुरुओं का चित्र भी भेंट किया गया। श्री चौहान ने राष्ट्रीय सिख संगत द्वारा प्रकाशित 'हिंद दी चादर' श्री गुरु तेग बहादुर राष्ट्रीय स्मारिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री से राष्ट्रीय सिख संगत ने एक अप्रैल को गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश पर्व के आयोजन के संबंध में चर्चा की। संगत के प्रतिनिधियों ने गुरु तेग बहादुर के योगदान पर साहित्य प्रकाशित करवाकर, उनके बारे में जानकारी घर-घर पहुंचाने तथा गुरु गोविंद सिंह के पुत्र बाबा फतेह सिंह और जोरावर सिंह के बलिदान दिवस 27 दिसंबर को बाल दिवस के रूप में मनाने का निवेदन भी किया।

बी.एड./डी.एल.एड. (मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा)
प्रवेश सूचना
द्विवर्षीय कार्यक्रम सत्र 2021-23 (NCTE से मान्यता प्राप्त)
अंतिम तिथि : 31.12.2021

विवरण	बी.एड. (B.Ed)	डी.एल.एड. (D.El.Ed)
अर्हता	1. स्नातक/स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। (इन्जीनियरिंग या समतुल्य अर्हता वाले पाठ्यक्रम के लिए 55% अंकों की अनिवार्यता: है।) 2. NCTE से मान्यता प्राप्त शिक्षा विषय का कोई कार्यक्रम नियमित रीति से पूर्ण किया हो।	1. हायर सेकेण्डरी+2 परीक्षा 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण करने के पश्चात् किसी सरकारी अथवा सरकारी मान्यता प्राप्त प्राथमिक/प्रारंभिक विद्यालय में दो वर्ष का अध्ययन अनुभव तथा वर्तमान में नियमित शिक्षक के रूप में कार्यरत होना अनिवार्य है।
कार्यक्रम शुल्क	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क ₹ 30000 पंजीयन शुल्क ₹ 800, पोर्टल फीस ₹ 50	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क ₹ 19200 पंजीयन शुल्क ₹ 800, पोर्टल फीस ₹ 50

प्रवेश परीक्षा: भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर एवं सतना जिले के ऑनलाइन केन्द्रों पर दिनांक 16/01/2022 को प्रातः 9.00 से 11.00 बजे तक आयोजित होगी।

सभी कार्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन
प्रवेश परीक्षा कम्प्युटर बेस्ड टेस्ट विथ SD100 में सम्मिलित होने के लिए आवेदन mponline portal के माध्यम से अंतिम तिथि 31/12/2021 तक एवं विलम्ब शुल्क ₹ 300 के साथ 05/01/2022 तक स्वीकार किये जायेंगे।

नोटः- (1) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्गो के लिए स्थान आरक्षण सक्षम अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर म.प्र. शासन के नियमानुसार होगा। ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा हेतु प्रवेश पूर्व कियोस्क से डाउनलोड किये जा सकेंगे। प्रवेश संबंधी विस्तृत विज्ञापन एवं जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट http://mpbou.edu.in/ पर उपलब्ध है। (2) यूजीसी मान्यता प्रावधिक है। (3) किसी शहर में अभ्यार्थियों की संख्या 50 से कम होने पर वहाँ के अभ्यार्थियों को निकटतम शहर में स्थित परीक्षा केन्द्र पर स्थानांतरित किया जायेगा।
कुलसचिव

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय
कोलार रोड, भोपाल-462016 (म.प्र.) फोन : 0755-2494094, 2492105, 2490072
R-46315/2021

नये बैच में प्रवेश प्रारंभ
पटवारी एवं PEB भर्ती परीक्षा 2022
पत्राचार पाठ्यक्रम उपलब्ध
कौटिल्य एकेडमी
भैंवरकुंआ चौराहा, इन्दौर
9111019119
0731-4226615
R-46317/2021

JOIN WINTER COURSE
NEET/नर्सिंग (PNST)
CMAT/CET
संविदा वर्ग-3 (TET)
बालाजी ट्यूटोरियल्स
221, वेदा बिल्डिंग, भँवरकुआ, इन्दौर
98930-53653
R-46318/2021

SHRI VAISHNAV INSTITUTE OF LAW, INDORE
(Affiliated to D.A.V.V., Approved by Bar Council of India & Recognized by the UGC Under Section 2(f) of the UGC Act, 1956)
First Private Law Institute in Madhya Pradesh offering B.A.LL.B (Hons.) 5 Year Degree Program
Invites Applications for the following positions:
- Principal
- Assistant Professors: Law, Management & Political Science
- Librarian
- Sports Officer

Eligibility & Salary: As per UGC, BCI & AICTE Norms.
Interested candidates may send the applications alongwith Curriculum Vitae, Photocopies of certificates & two passport size photographs to The Principal, Shri Vaishnav Institute of Law, Scheme 97, Dhanwantri Nagar, Near Rajendra Nagar Overbridge, Indore-452012, and Email scanned copies of all documents to principal@svil.edu.in on or before December 25, 2021.
Contact us: 0731-2322212, 9770907722
R-46322/2021

वर्ष 38, अंक 50 13.12.2021 से 19.12.2021
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार वनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

प्रदेश आत्मनिर्भर हो तभी देश आत्मनिर्भर होगा

देश तभी आत्मनिर्भर बनेगा जब राज्य आत्मनिर्भर हों, आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिये चार बिन्दुओं पर आधारित रोडमैप बनाया गया है। यह चार बिंदु हैं भौतिक अधोसंरचना, सुशासन, स्वास्थ्य और शिक्षा। इसके साथ ही अर्थव्यवस्था एवं रोज़गार भी प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने में कारगर हैं। इसके लिये अधोसंरचना और बेहतर कनेक्टिविटी चाहिये। उपरोक्त बातें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दिशा में राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। साथ ही राज्य में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है। हमारा प्रयास है कि निवेशक प्रदेश में नियमों के मकड़जाल में नहीं उलझें। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार के दो प्रमुख लक्ष्य हैं, पहला मध्यप्रदेश के नौजवानों में उद्यमिता के गुण का विकास करना, जिससे वे रोज़गार मांगने वाले नहीं अपितु रोज़गार देने वाले बनें और दूसरा- मध्यप्रदेश को निवेश के लिये सबसे आकर्षक राज्य बनाना। निवेशकों को प्रदेश में अनुकूल वातावरण मिले, कोई समस्या न आये इस उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार का फर्स्ट हाफ हमने निवेशकों के साथ वन-टू-वन मीट के लिये निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विजनरी नेता हैं इनके नेतृत्व में गौरवशाली, वैभवशाली, संपन्न समृद्ध और सशक्त भारत के निर्माण की प्रक्रिया जारी है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कोरोना से संघर्ष की कठिन परिस्थिति में आपदा में अवसर को बदलने का मार्ग प्रशस्त किया। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का मंत्र दिया है। इस दिशा में चलते हुये आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिये रोडमैप तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेशकों को निवेश के लिये बेहतर वातावरण देने के उद्देश्य से अटल एक्सप्रेस-वे और प्रदेश की पूर्व से पश्चिमी सीमा तक नर्मदा एक्सप्रेस-वे का निर्माण किया जा रहा है। एक्सप्रेस-वे के आसपास औद्योगिक केंद्र तथा औद्योगिक टाउनशिप विकसित किये जायेंगे। शिक्षित और दक्ष मानव संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश में सीएम राईज स्कूल की व्यवस्था की गई है। स्टार्ट योर बिजनेस इन 30 डेज यह अवधारणा लागू की जा रही है। इसमें 30 दिन में उद्योग लगाने की अनुमति प्रदान कर दी जायेगी। निर्धारित की गई समय सीमा को पब्लिक सर्विस डिलेवरी गारंटी से जोड़ा गया है। मध्यप्रदेश सरप्लस बिजली उपलब्ध कराने वाला प्रदेश है। प्रदेश में पानी, स्किल मैन पॉवर और मैन डेज लॉस नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश जल, वन और खनिज संपदा से भरपूर है। साथ ही यहां पर्याप्त जैव-विविधता और भरपूर कृषि उत्पादन भी उपलब्ध है। प्रदेश के युवाओं में उद्यमिता के विकास के लिये मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना शुरू की गई है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के युवा राज्य शासन के सहयोग से अपने उद्यम स्थापित करें और वे रोज़गार करने के बजाय रोज़गार देने वाली क्षमता विकसित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का फार्मा और गारमेंट हब है। अब हम प्रदेश को लॉजिस्टिक हब बनाने की दिशा में तेजी से कार्य करेंगे। भारतमाला परियोजना के पहले चरण में इंदौर और भोपाल में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्क स्थापित करने का फैसला लिया है।

खास चिप से देख सकेंगे दृष्टिहीन

यदि कोई यह कल्पना करे कि बिना देखे जीव-जंतु, वस्तुएं कैसे दिखते होंगे। ऐसी कल्पना करना कठिन है। हम यहां दृष्टिहीन व्यक्तियों के बारे में बात कर रहे हैं। दृष्टिहीन व्यक्ति भी देख सकेगा यह बात किसी भी शख्स को काफी सुकून पहुंचा सकती है। स्पेनिश वैज्ञानिक ने इस दिशा में काम किया है। स्पेनिश वैज्ञानिकों ने दृष्टिहीन लोगों के लिये नई तकनीक खोजी है। इसके जरिये मरीज के मस्तिष्क में खास तरह की चिप लगाई जाती है, जिससे दृष्टिहीन व्यक्ति देखने लगता है। वैज्ञानिक इस तकनीक के जरिये दिमाग के विजुअल कॉन्टेक्स को सक्रिय कर देते हैं, जिससे मस्तिष्क में सामने दिखने वाली चीज की स्पष्ट तौर पर तस्वीर बनने लगती है। इस तस्वीर को देखने के लिये स्पेन के वैज्ञानिकों ने एक चश्मा बनाया है, जिसके बीच में आर्टिफिशियल रेटिना लगा है। यह रेटिना दिमाग में लगी चिप से जुड़ा होता है, जैसे ही रोशनी इस रेटिना पर पड़ती है, वह इलेक्ट्रिकल सिग्नल चिप को भेजती है। यह चिप उस रोशनी का एनालिसिस करके दिमाग के विजुअल कॉन्टेक्स में रेटिना के सामने दिख रही चीजों की तस्वीर बना देती है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि इस तकनीक की मदद से हम दिमाग के उन न्यूरॉन्स को सक्रिय कर देते हैं, जिनमें दिमाग में आर्टिफिशियल रेटिना के सामने दिख रही चीजों की बाहरी आकृति दिखने लगती है।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

नौसेना दिवस | **04 दिसंबर**

बहादुरी के कारनामों से परिपूर्ण है भारतीय नौसेना का इतिहास

देश के स्वतंत्रता संग्राम से लेकर मुम्बई में ऑपरेशन ताज तक भारतीय नौसेना का इतिहास बहादुरी के कारनामों से परिपूर्ण रहा है। बांग्लादेश की मुक्ति के दौरान वर्ष 1971 की लड़ाई में भारत की तीनों सेनाओं ने अद्भुत बहादुरी का प्रदर्शन किया था मगर नौसेना की भूमिका अद्वितीय थी। नौसेना ने समुद्री क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए पाकिस्तान के कराची बंदरगाह को बमबारी से तबाह कर दिया था और इस दौरान पाकिस्तान की पीएनएस गाजी पनडुब्बी जल में दफन हो गई थी। तब विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी इस नौसेना ने वर्ष 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में पाकिस्तान के कराची बंदरगाह को तबाह करने की सफलता 04 दिसम्बर, 1971 को ऑपरेशन ट्राइडेंट नाम से शुरू किए गए सैन्य आक्रमण से मिली थी।

इस अभियान में आईएनएस विक्रांत की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण रही। भारतीय नौसेना की ओर से किए गए इस हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल वोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे। इस युद्ध में पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया गया था। इस हमले में पाकिस्तान के कई जहाज नेस्तनाबूद कर दिए गए थे। इस दौरान पाकिस्तान के ऑयल टैंकर भी तबाह हो गए थे। नौसेना की इस कामयाबी ने मुक्ति संग्राम में भारत की विजय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस वर्ष भारतीय नौसेना दिवस का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि इस दिन भारतीय नौसेना इसे स्वर्णिम विजय वर्ष के रूप में मना रही है। बीस साल पहले ही 04 दिसम्बर, 1971 को पाकिस्तान को नौसेना ने कराची में निर्णायक पराजय दी थी। वर्ष 1971 ही नहीं, बल्कि वर्ष 1965 की लड़ाई में भी नौसेना ने बहादुरी का प्रदर्शन किया था। यह भी गौरतलब है कि भारत में नौसेना दिवस इससे पहले रॉयल नेवी के ट्रॉफैल्गर डे के साथ मनाया जाता था मगर 21 अक्टूबर, 1944 को रॉयल इंडियन नेवी ने पहली बार नौसेना दिवस मनाया था। इसे मनाने का उद्देश्य आम लोगों में नौसेना के बारे में जागरूकता बढ़ना था। वर्ष 1945 से द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नौसेना दिवस 01 दिसम्बर को मनाया जाने लगा था। इसके बाद वर्ष 1972 तक नौसेना दिवस 15 दिसम्बर को मनाया जाता रहा और वर्ष 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ 04 दिसम्बर की जीत के बाद यह 04 दिसम्बर को ही मनाया जा रहा है।

चार सौ साल से भी पहले हुआ था इंडियन मेरीन के रूप में गठन

भारतीय नौसेना, भारतीय सेना का सामुद्रिक अंग है जो कि चार सौ वर्षों के अपने गौरवशाली इतिहास के साथ न केवल भारतीय सामुद्रिक सीमाओं अपितु भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की भी रक्षक है। नौसेना के चार सौ साल से भी अधिक के अतीत में यदि हम झांके तो भारतीय नौसेना लगभग चार सौ साल से भी पहले वर्ष 1612-13 में ईस्ट इंडिया कंपनी की समुद्री सेना के रूप में इंडियन मेरीन के रूप में संगठित की गई थी। वर्ष 1685-86 में इसका नामकरण 'बंबई मेरीन' हुआ, जो वर्ष 1830 तक चला और फिर 1934 में रॉयल इंडियन नेवी का प्रादुर्भाव हुआ। भारत की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से हुआ और इसे भारतीय नौसेना नाम दिया गया। भारत के लिए नौसेना का महत्व आज जितना है उतना शायद पहले कभी नहीं था। इसकी वजह यह है कि भारत पर हमले और खतरे रहे वह जमीन के रास्ते से ज्यादा रहे। भारतीय सामरिक इतिहास उत्तर पश्चिम से हुए हमलों की घटनाओं से भरा

पड़ा है। लेकिन भारत की समुद्री सीमा बहुत विशाल है और अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में इसकी सुरक्षा और भारतीय नौसेना का महत्व दोनों ही बढ़े हैं और समुद्र की राह से होने वाले हमलों की आशंका पहले से काफी बढ़ गई है। वस्तुतः प्रतिवर्ष 04 दिसम्बर को मनाया जाने वाला नौसेना दिवस केवल एक ऐतिहासिक घटना की सालगिरह ही नहीं, बल्कि भारतीय नौसेना को सही परिप्रेक्ष्य में देखने का दिन भी है।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी महत्वपूर्ण थी नौसेना की भूमिका

भारतीय नौसेना ने आजादी की रक्षा ही नहीं की, बल्कि आजादी हासिल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। नेताजी सुभाषचंद्र बोस की आजाद हिन्द फौज द्वारा छेड़े गए सशस्त्र संघर्ष से प्रेरित होकर रॉयल इंडियन नेवी के भारतीय सदस्यों ने 18 फरवरी, 1946 को एचआईएमएस तलवार नाम के जहाज से स्वतंत्रता संग्राम का ऐलान कर दिया था। नौसैनिकों का यह विद्रोह इतना तीव्र था कि जल्द ही यह अठहत्तर जहाजों और बीस तटों तक फैल गया था। इसमें बीस हजार नाविक शामिल हो गए थे, तब भारत के समर्थक नौसैनिकों ने लाउडस्पीकर्स से आजादी के तराने गाए और कई जगह गोरे नौसैनिकों के साथ उनकी हिंसक मुठभेड़ हुई। भारतीय नौसैनिकों के बम्बई विद्रोह की जड़ में था वेतन विसंगति का मामला। भारतीय नाविकों को सोलह रुपये प्रति माह मिलता था, जबकि एंग्लो इंडियन नाविकों की पगार साठ रुपये प्रतिमाह थी। एक दिन बम्बई के 127 नाविकों ने नाश्ते से मना कर दिया। तब उन्हें गिरफ्तार कर यरवादा के जेल में कुछ महीने रखा गया और वहां भी उनके खिलाफ भेदभाव की नीति जारी रखी गई। बाद में उनके वेतन जरूर बढ़ाए गए। लेकिन नाविकों का विद्रोह 1946 में विदेशी सरकार के लिए बहुत गंभीर मुद्दा बन गया। स्वतंत्रता संग्राम के बढ़ते प्रभाव ने नाविकों को अनुशासन में रहने का अपना मूलमंत्र तोड़ने को मजबूर कर दिया।

भारतीय नौसेना ने द्रुतगति से अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाई

भारत जब वर्ष 1947 में औपनिवेशिक सत्ता से आजाद हुआ था उस समय भारत की नौसेना नाममात्र की थी। विभाजन की शर्तों के अनुसार लगभग एक तिहाई नौ सेना पाकिस्तान को चली गई थी। कुछ अतिशय महत्व के नौसैनिक संस्थान भी पाकिस्तान के हिस्से में चले गये थे। इस स्थिति में भारत सरकार ने नौसेना के विस्तार की तत्काल एक व्यापक योजना बनाई और एक वर्ष बीतने के पहले ही ग्रेट ब्रिटेन से 7,030 टन का क्रूजर- 'दिल्ली' खरीदा। इसके बाद विध्वंसक 'राजपूत' 'राणा', 'रणजीत', 'गोदावरी', 'गंगा' और 'गोमती' खरीदे गए, फिर आठ हजार टन का क्रूजर खरीदा गया इसका नामकरण 'मैसूर' हुआ। वर्ष 1964 तक भारतीय बेड़े में वायुयान वाहक, 'विक्रांत' (नौसेना का ध्वजपोत), क्रूजर 'दिल्ली' एवं 'मैसूर' दो ध्वंसक स्क्वॉड्रन तथा अनेक फ्रिगेट स्कवॉड्रन थे, जिनमें कुछ अति आधुनिक पनडुब्बीनाशक तथा वायुयाननाशक फ्रिगेट सम्मिलित किए जा चुके थे। 'ब्रह्मपुत्र', 'व्यास', 'बेतवा', 'खुखरी', 'कृपाण', 'तलवार' तथा 'त्रिशूल' नए फ्रिगेट हैं, जिनका निर्माण विशेष रीति से हुआ है। 'कृष्ण' जैसे कुछ पुराने फ्रिगेट भी हैं जिनका उपयोग प्रशिक्षण देने में होता है। 'कोंकण', 'कारवार', 'काकीनाडा', 'कणानूर', 'कडलूर', 'वसीन' तथा 'बिमलीपट्टम' से सुरंग हटाने वाले तीन स्क्वॉड्रन तैयार किए गए हैं। छोटे नौसैनिक जहाजों के नवनिर्माण का कार्य प्रारंभ हो चुका है और तीन सागरमुख प्रतिरक्षा नौकाएं, 'अजय', 'अक्षय' तथा 'अभय' और एक नौबंध 'ध्रुवक' तैयार हो चुके हैं। आईएनएस अग्रणी, आईएनएस चिलका और आईएनएस द्रोणाचार्य जैसे प्रशिक्षण संस्थान भारतीय नौसेना के हैं। आईएनएस अरिहन्त भारत की नाभिकीय पनडुब्बी है। भारतीय नौसेना की सैन्य-शक्ति की यदि हम चर्चा करें तो जून 2019 में प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय नौसेना के पास 67,252 सक्रिय सैनिक और 75,000 रिज़र्व सैनिक हैं। 150 जहाजों और पनडुब्बियों का बेड़ा है और 300 विमान हैं। भारतीय नौसेना की ताकत के संबंध में न्यूज रिपोर्ट का यह विवरण भी महत्वपूर्ण है कि भारतीय नौसेना के पास इस समय 285 जहाज, एक एयरक्रॉफ्ट कॅरियर, तेरह फ्रिगेट्स, दस विध्वंसक पोत, 23 कोर्वेट्स, 17 सबमरीन्स, एक सौ उन्तालीस निगरानी बेड़े और तीन माइन वार फेयर हैं। इस विवरण की विश्लेषक संस्था के अनुसार आज की स्थिति में विश्व की शीर्ष नौसेना में से एक है।

भारत के समुद्री हितों की रक्षा के लिए भारतीय नौसेना पूरी तरह आश्वस्त है

भारतीय नौसेना देश की समुद्री सीमाओं के हर खतरे से निपटने में सक्षम है। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि नौसेना भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए पूरी तरह आश्वस्त है।

प्रस्तावित संयुक्त कमान को लेकर भी काम जारी है और इसका बुनियादी ढांचा अगले साल तक देश के सामने होगा। भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल का मानना है कि हमारे पास जल्द ही हवा और पानी के अंदर चलने वाली स्वदेशी-मानवरहित प्रणालियां होंगी। इसके लिए दस साल का रोडमैप भी तैयार है। यह सच है कि कोरोना महामारी और उत्तरी सीमा की सामरिक गतिविधियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा की जटिलताएं बढ़ा दी हैं। इसके बावजूद भारतीय नौसेना की जंगी तैयारियों पर कोई असर नहीं पड़ा है और भारतीय नौसेना सुरक्षा की हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार है।

इस साल के नौसेना दिवस की थीम 'भारतीय नौसेना – राष्ट्र निर्माण की दिशा में नवाचार'

नौसेना दिवस 2021 के अवसर पर नौसेना हाउस में स्थापित इनोवेशन मंडप का उद्घाटन रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार की उपस्थिति में किया। पवेलियन में दिखाया गया कि कैसे भारतीय नौसेना ने नवाचार और स्वदेशीकरण के प्रयासों में तालमेल बिठाया है और इस साल के नौसेना दिवस की थीम 'भारतीय नौसेना - राष्ट्र निर्माण की दिशा में नवाचार' के विषय को ध्यान में रख आत्मनिर्भरता पर ध्यान देते हुए शिक्षा और उद्योग के साथ सहयोग किया है। इनोवेशन पवेलियन में प्रस्तुत किए गए इनोवेशन मिशन रक्षा ज्ञान शक्ति के विजन के अनुसार भारतीय नौसेना के अपने प्रयास थे और चार प्रमुख आयामों के विषय पर स्टॉल प्रदर्शित किए गए। स्टॉल इस नाम से थे इनोवेशन फॉर हेल्थ केयर, पार्टनरिंग विद एकेडेमिया ऑन टेक्नोलॉजी एवोल्यूशन, एंगेजिंग विद यंग इंडिया और इनोवेशन फॉर सेल्फ-रिलायंस एंड बियॉन्ड।

राजा दुबे

(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

मध्यप्रदेश शासन, नर्मदा घाटी विकास विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
अपर नर्मदा जोन, बरगी हिल्स, जबलपुर

Telephone - 0761-2673450, Email - ceunz.2010@rediffmail.com, Fax : 0761-2672373

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्रमांक 282/सा/मु.अ./2021-22 **जबलपुर, दिनांक : 29.11.2021**

निम्न कार्यों की ऑनलाइन निविदा ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम पोर्टल से वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर जारी की जा रही है। निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है :-

निविदा आई.डी. क्र.	: .....
कार्य का विवरण	: बरगी व्यपवर्तन परियोजना की विजयराघवगढ़ शाखा नहर कि.मी. 0.00 से 57.17 कि.मी. एवं पिलौंजी वितरक नहर कि.मी. 0.00 से 7.93 कि.मी. तक इसकी समस्त वितरण प्रणाली का निर्माण कार्य, 40 हेक्टे. चक तक, टर्न-की आधार पर सर्वेक्षण, प्लानिंग, भू-तकनीकी अन्वेषण, रूपांकन, रेखांकन, प्राक्कलन, स्थाई भू-अर्जन प्रकरण तैयार करना एवं उनकी स्वीकृति, नहर का निर्माण कार्य इसकी वितरण प्रणाली सहित जिसमें मिट्टी कार्य, सीमेंट कांक्रीट लाइनिंग, समस्त पक्के कार्यो का निर्माण, विजयराघवगढ़ शाखा नहर में दायें पार्श्व पर एसफाल्ट सड़क का कार्य एवं वितरण नहर में डब्लू.बी.एम. सड़क का निर्माण कार्य, पूर्व निर्मित कार्य का आवश्यकता अनुसार सुधार कार्य, लगभग 21715 हैक्टेयर के कमांड एरिया के लिये जल उपभोक्ता संस्थाओं का गठन का कार्य, नहर प्रणाली की कमीशनिंग एवं कमांड एरिया में संपूर्ण नहर प्रणाली का परीक्षण कार्य। नहर कार्य पूर्ण होने के बाद 12 माह की दोष दायित्व अवधि रहेगी जिसमें नहर संचालन एवं आवश्यक मरम्मत कार्य साथ-साथ होंगे।
अनुबंध की अनुमानित राशि (रु. करोड़ में)	: रु. 229.18 करोड़ (जी.एस.टी. सहित)
धरोहर राशि (रु. लाख में)	: रु. 50.00 लाख
निविदा प्रपत्र का मूल्य	: रु. 50000/- (नान रिफन्डेबल)
निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनांक	: 29.11.2021 समय 17.31 से 29.12.2021 समय 17.30 बजे तक
धरोहर राशि प्रपत्र खोलने का दिनांक	: 31.12.2021 प्रातः 11.00 बजे से
कार्य पूर्णता अवधि	: 36 माह (वर्षाकाल सहित)

- निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाइट पर केवल ऑनलाइन क्रय किया जा सकता है। ऑनलाइन भुगतान क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट एकाउण्ट के माध्यम से किया जा सकता है।
- निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

मुख्य अभियंता
अपर नर्मदा जोन, बरगी हिल्स, जबलपुर

जी-20003/46299/2021

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.) संभाग क्र. 02
13-ए शेड बारह दफ्तर जवाहर चौक, भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

सूचना प्रकाश क्रमांक 13/व.ले.लि./2021-22 **भोपाल, दिनांक : 26.11.2021**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम - 1. वार्षिक पोल शिफ्टिंग कार्य अन्तर्गत सब डिविजन होशंगाबाद, बैतूल एवं हरदा संभागीय कार्यालय अन्तर्गत।

पोर्टल टेंडर क्र.	एन.आई.टी. क्र.	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	धरोहर राशि	निविदा राशि
2021_PWDRB_ 170135_1	20/SAC/ 2021-22	द्वितीय आमंत्रण	20.00	40000/-	2000/-
2. सप्लाय इंस्टालेशन टेस्टिंग कमीशिनिंग 04 नंबर स्प्लिट टाइप एसी (02 टन) रूम नंबर 4, 5, 6, 7 राजभवन पचमढ़ी जिला होशंगाबाद।					
2021_PWDRB_ 170136_1	21/SAC/ 2021-22	द्वितीय आमंत्रण	4.11	8220/-	2000/-
3. सप्लाय इन्स्टालेशन टेस्टिंग कमीशिनिंग डीजी सेट 30 के.व्ही.ए. 415 वोल्ट 03 फेस वाटर कूल्ड ए.एम.एफ. कन्ट्रोल पेनल राजभवन पचमढ़ी जिला होशंगाबाद।					
2021_PWDRB_ 170137_1	22/SAC/ 2021-22	द्वितीय आमंत्रण	4.38	8760/-	2000/-
4. सप्लाय इंस्टालेशन टेस्टिंग कमीशिनिंग 05 नंबर स्प्लिट टाईप एसी (02 टन) रूम नंबर 1, 2, 3, 4, 5 रविशंकर भवन पचमढ़ी जिला होशंगाबाद।					
2021_PWDRB_ 170138_1	23/SAC/ 2021-22	द्वितीय आमंत्रण	4.87	9740/-	2000/-
5. शिफ्टिंग ऑफ 33/11 केव्ही एवं डीटीआर ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग ग्राम साईखेड़ा जिला बैतूल।					
2021_PWDRB_ 170139_1	07/SAC/ 2021-22	पंचम आमंत्रण	10.86	21720/-	2000/-
6. वार्षिक विद्युत मरम्मत कार्य शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवन हरदा जिला हरदा।					
2021_PWDRB_ 170140_1	15/SAC/ 2021-22	चतुर्थ आमंत्रण	20.30	40600/-	5000/-
7. वार्षिक विद्युत मरम्मत कार्य शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवन ब्लॉक बैतूल जिला बैतूल।					
2021_PWDRB_ 170141_1	14/SAC/ 2021-22	चतुर्थ आमंत्रण	22.60	45200/-	5000/-
8. शिफ्टिंग डिसमेंटलिंग एल/टी 11 के.व्ही. लाइन पोल पाटन कुमलिया से महामाई एप्रोच रोड 4, 6 कि.मी. अन्तर्गत जिला विदिशा।					
2021_PWDRB_ 170142_1	28/SAC/ 2021-22	प्रथम आमंत्रण	4.30	8600/-	2000/-
9. शिफ्टिंग डिसमेंटलिंग पोल एवं 11 केव्ही हाईट बढ़ाना परसारी नाला ब्रिज गंजबासौदा जिला विदिशा।					
2021_PWDRB_ 170143_1	29/SAC/ 2021-22	प्रथम आमंत्रण	2.87	5740/-	2000/-
10. विद्युतीकरण कार्य मेन पेनल प्रोवाईडिंग एवं फिक्सिंग केवल वर्क मेन लाइन, पंप हाउस वेरिक्स मेंटेनेस आंतरिक विद्युतीकरण कार्य लाईटिंग कन्डक्टर कार्य प्रोवाईडिंग स्ट्रीट लाईटिंग कार्य सब जेल लटेरी जिला विदिशा (म.प्र.)।					
2021_PWDRB_ 170144_1	30/SAC/ 2021-22	प्रथम आमंत्रण	2.50	5000/-	2000/-
11. सप्लाय इन्स्टालेशन टेस्टिंग कमीशनिंग 03 नंबर स्प्लिट टाईप ए.सी. 02 टन सी-1 बंगलों एडिशनल बंगलों रेसीडेन्सी होशंगाबाद एवं सप्लाय इन्स्टालेशन टेस्टिंग कमीशनिंग 03 नंबर स्प्लिट टाईप ए.सी. 02 टन रूम-02/03/04 रेस्ट हाउस पिपरिया जिला होशंगाबाद।					
2021_PWDRB_ 170145_1	31/SAC/ 2021-22	प्रथम आमंत्रण	4.62	9240/-	2000/-
12. विद्युतीकरण कार्य, 3 नंबर वाटर हीटर गीजर 25 ली. एवं 01 नंबर आर.ओ. वाटर फ्यूरीफायर एवं सप्लाय इन्स्टालेशन टेस्टिंग एवं कमीशनिंग 01 नंबर डी.जी. सेट 25 के.व्ही.ए. 415 वोल्ट 03 फेस वाटर कूल्ड ए.एम.एफ. कन्ट्रोल पेनल पचमढ़ी क्लब पचमढ़ी जिला होशंगाबाद।					
2021_PWDRB_ 170146_1	32/SAC/ 2021-22	प्रथम आमंत्रण	13.58	27160/-	2000/-
13. सप्लाय फिक्सिंग स्ट्रीट लाईट गजनपुर गांव डेवलपमेंट ब्लॉक बावई जिला होशंगाबाद।					
2021_PWDRB_ 170147_1	33/SAC/ 2021-22	प्रथम आमंत्रण	3.58	7160/-	2000/-
14. विद्युतीकरण कार्य तहसील बिल्डिंग सिवनी मालवा जिला होशंगाबाद।					
2021_PWDRB_ 170148_1	34/SAC/ 2021-22	प्रथम आमंत्रण	7.51	15020/-	2000/-
		योग	**126.08**		

नोट :- निविदा विक्रय दिनांक 30.11.2021 प्रातः 10.30 बजे से निविदा विक्रय **अंतिम दिनांक 15.12.2021 सायं 5.30 बजे तक** एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करना है। निविदा की निर्धारित तिथियों में या अन्य किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर उसे उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती हैं।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. (वि/यां.) संभाग क्र. 02, भोपाल
फोन नं. 0755-2770397

जी-20069/46304/2021

कार्यालय आयुक्त तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश
चतुर्थ तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004

Ph. No. : 0755-2576751, Fax : 0755-2552219, Website : www.mptechedu.org
Email : dtemp.bpl@mp.gov.in, dte2.rajpatrit@mp.gov.in

प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड भोपाल में नियंत्रक के पद पर प्रतिनियुक्ति हेतु संशोधित विज्ञापन

प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड भोपाल में नियंत्रक के पद पर प्रतिनियुक्ति हेतु योग्य उम्मीदवारों से दिनांक 11.10.2021 सायं 05.00 बजे तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र प्राप्त किये गये थे, जिसकी आवेदन करने की अवधि दिनांक 29.10.2021 सायं 5.00 बजे तक बढ़ाई गई थी। उक्त पद हेतु योग्य उम्मीदवारों से पूर्व निर्धारित आवेदन पत्र में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि को संशोधित किया जाकर दिनांक 20.12.2021 को सायं 05.00 बजे तक की जाती है। इस पद हेतु 10000 एजीपी के साथ-साथ 9000 एजीपी के उम्मीदवार भी आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। पूर्व में आवेदित अभ्यार्थियों को पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। उपरोक्त पद हेतु निर्धारित आवेदन पत्र एवं योग्यताओं की जानकारी एवं शासकीय परिपत्र तकनीकी शिक्षा संचालनालय की वेबसाइट **www.mptechedu.org** पर उपलब्ध है।

अतिरिक्त संचालक
तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

जी-20105/46306/2021

PANDIT S.N. SHUKLA UNIVERSITY, SHAHDOL (M.P.)
पंडित एस.एन. शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल (म.प्र.)

Email : ptsnsuniversity@gmail.com, Website : ptsnsuniversity.ac.in
Phone : 07652-240917

No. 1575/2021 **Shahdol, Dated : 07.12.2021**

सीधी भर्ती से भरे जाने वाले गैर-शैक्षणिक तृतीय श्रेणी पदों हेतु विज्ञापन

पंडित एस.एन. शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल (म.प्र.) द्वारा निम्नलिखित गैर-शैक्षणिक तृतीय श्रेणी के पदों हेतु अर्ह अभ्यर्थियों से आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं -

क्र.	पदनाम	कुल पद	अना-रक्षित	अनु. जनजाति	अनु. जाति	अ.पि.वर्ग	ई.डब्ल्यू.एस.
1.	सहायक ग्रेड 03	06	02	01	01	01	01
2.	ग्रंथालय सहायक	04	02	01	--	01	--
3.	प्रयोगशाला तकनीशियन	09	03	02	01	02	01

टीप : महिलाओं एवं दिव्यांगजन हेतु आरक्षण म.प्र. शासन के नियमानुसार मान्य होंगे। नियुक्तियां माननीय उच्च न्यायालय के आरक्षण संबंधी नियमानुसार होंगी।

उपरोक्त गैर-शैक्षणिक तृतीय श्रेणी पदों हेतु उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन के नियमानुसार शैक्षणिक अर्हता एवं अन्य सेवा शर्तों के अधीन नियुक्तियां की जाएंगी। इन पदों में नियुक्ति हेतु लिखित परीक्षा 200 अंकों की होगी, जिसमें सामान्य ज्ञान, गणित, विज्ञान एवं कम्प्यूटर दक्षता से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे। तत्पश्चात् लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की प्रावीण्य सूची के आधार पर चयन समिति की अनुशंसानुसार नियुक्ति की जावेगी। विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.ptsnsuniversity.ac.in** पर उपलब्ध है। तृतीय श्रेणी के पदों हेतु आवेदन पत्र निर्धारित प्रपत्र में स्वहस्ताक्षरित दस्तावेजों सहित डिमांड ड्राफ्ट अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु रु. 1000/- तथा अ.ज.जा./अ.जा. अभ्यार्थियों के लिए रु. 500/- जो पंडित एस.एन. शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल के पक्ष में देय होगा, **कुलसचिव, पंडित एस.एन. शुक्ला विश्वविद्यालय शहडोल, नवलपुर परिसर, शहडोल (म.प्र.) 484001** के पते पर भेजें, ताकि आवेदन पत्र **अंतिम तिथि 10 जनवरी, 2022 तक** आवश्यक रूप से प्राप्त हो जाए।

दो या दो से अधिक पदों एवं विषयों पर आवेदन के इच्छुक आवेदकों को प्रत्येक पद हेतु पृथक-पृथक आवेदन करना होगा।

लिफाफे के ऊपर विज्ञापन क्र.....दिनांक.....आवेदित पद .....का उल्लेख करना आवश्यक है।

अद्यतन सूचना/ जानकारी हेतु आवेदक विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.ptsnsuniversity.ac.in** का अवलोकन करते रहें।

आर-46307/2021

कुलसचिव

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
निर्माण भवन, प्लाट नं. - 27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं.-30/2021/निविदा/सा/एपीडी/ **भोपाल, दिनांक : 30.11.2021**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र. व कार्य का नाम- 1. बैतुल जिले के अंतर्गत छोटे-छोटे स्वीकृत कार्य, शेष कार्य एवं पी.जी. अंतर्गत कार्य की निविदा।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2021_PWPIU_171031_1	बैतूल	114.55	114549/-	12500/-	12 माह वर्षाकाल सहित
2. लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. भोपाल में वर्ष 2021-22 हेतु निर्माणाधीन/नवीन स्वीकृत कार्यों हेतु डिजाइन इंजीनियरिंग एवं डीपीआर कंसल्टेन्सी हेतु निविदा।					
2021_PWPIU_171014_1	भोपाल	5000/-	100000/-	12500/-	12 माह वर्षाकाल सहित
3. कंस्ट्रक्शन ऑफ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय भवन सिवनी मालवा जिला होशंगाबाद।					
2021_PWPIU_170766_1	होशंगाबाद	84.44	84440/-	10000/-	08 माह वर्षाकाल सहित
4. कंस्ट्रक्शन ऑफ माईनर ओरिजिनल वर्क/लेफ्ट ओव्हर वर्क वाय दि कान्ट्रेक्टर एंड वर्क अंडर परफारमेंस गारंटी ऑफ बिल्डिंग्स फ्राम दि डिपाजिट्स ऑफ ओरिजिनल कान्ट्रेक्टर अंडर पी.आई.यू. होशंगाबाद डिविजन (जोनल कांट्रेक्ट)।					
2021_PWPIU_170960_1	होशंगाबाद	114.55	114550/-	12500/-	12 माह वर्षाकाल सहित
5. लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. रायसेन में वर्ष 2021-22 हेतु निर्माणाधीन/नवीन स्वीकृत कार्यों हेतु डिजाइन इंजीनियरिंग एवं डीपीआर कंसल्टेन्सी हेतु निविदा।					
2021_PWPIU_166700_2	रायसेन	5000/-	100000/-	12500/-	12 माह वर्षाकाल सहित
6. लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. रायसेन के अन्तर्गत विभिन्न विभागों के स्वीकृत/प्रगतिरत कार्यों के सुपरविजन एवं क्वालिटी कंट्रोल हेतु निविदा।					
2021_PWPIU_166719_2	रायसेन	7483/-	150000/-	12500/-	24 माह वर्षाकाल सहित
7. लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. रायसेन में छोटे निर्माण कार्य, ठेकेदार द्वारा छोड़े गये कार्य, परफार्मेंस गारंटी के अन्तर्गत मरम्मत कार्य हेतु निविदा।					
2021_PWPIU_166722_2	रायसेन	50.00	50000/-	10000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
8. लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. शाजापुर एवं आगर मालवा के विभिन्न विभागों के भवन निर्माण कार्य हेतु सुपरविजन एवं क्वालिटी कंट्रोल सर्विसेस। द्वितीय आमंत्रण					
2021_PWPIU_163764_2	शाजापुर	10000/-	200000/-	15000/-	24 माह वर्षाकाल सहित
9. विदिशा जिले अंतर्गत तहसील सिरोंज, लटेरी, शमशाबाद, कुरवाई एवं पठारी में शेष कार्य पी.जी. अंतर्गत सुधार कार्य एवं अन्य कार्य हेतु जोनल निविदा। द्वितीय आमंत्रण।					
2021_PWPIU_167500_2	विदिशा	99.98	99980/-	10000/-	12 माह वर्षाकाल सहित
10. विदिशा जिले अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों के आर्किटेक्चर, डिजाइन एवं डी.पी.आर. सेवाओं हेतु कंसल्टेंसी की निविदा।					
2021_PWPIU_170957_1	विदिशा	100.00	100000/-	12500/-	12 माह वर्षाकाल सहित
11. नसरुल्लागंज जिला सीहोर में शासकीय पालिटेक्निक कॉलेज बिल्डिंग में बर्कशॉप निर्माण कार्य।					
2021_PWPIU_171124_1	सीहोर	128.43	128430/-	12500/-	12 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित विड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 30.11.2021 समय 10.30 से **दिनांक 15.12.2021 समय 05.30 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

अतिरिक्त परियोजना संचालक (मुख्य अभियंता)
जी-20080/46305/2021 **लो.नि.वि. पी.आई.यू. भोपाल**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संभाग (भ/प) उज्जैन संभाग, उज्जैन

Website : www.mp.gov.in/pwdmp, Email : eepwdujn@mp.nic.in, Phone : 0734-2557725
निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 14/ब.ले.लि./2021-22 **उज्जैन, दिनांक : 02.12.2021**

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम - 1. अनुविभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, (भ/प) उपसंभाग खाचरौद एवं बड़नगर के शासकीय कार्य हेतु बोलेरो एवं उनके समकक्ष (मॉडल 2020 या उसके पश्चात्) का लगने बावत्।

टेण्डर आई.डी. क्रमांक	जिला	आमंत्रण क्रमांक	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. की राशि (राशि रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि
2021_PWDRB_170852_1	उज्जैन	प्रथम आमंत्रण	2.32	5880.00	12 माह वर्षाकाल सहित
2. अनुविभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, (भ/प) उपसंभाग तराना एवं महिदपुर के शासकीय कार्य हेतु बोलेरो एवं उसके समकक्ष (मॉडल 2020 या उसके पश्चात्) का लगाने बावत्।					
2021_PWDRB_170855_1	उज्जैन	प्रथम आमंत्रण	2.32	5880.00	12 माह वर्षाकाल सहित
3. उपसंभाग उज्जैन, अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर पेच रिपेयर का कार्य।					
2021_PWDRB_170857_1	उज्जैन	प्रथम आमंत्रण	20.00	40000.00	01 माह वर्षाकाल सहित
4. सिंहस्थ उपसंभाग उज्जैन अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर पेच रिपेयर का कार्य।					
2021_PWDRB_170862_1	उज्जैन	प्रथम आमंत्रण	20.00	40000.00	01 माह वर्षाकाल सहित

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण शाला तिघरा, ग्वालियर (म.प्र.)

क्रमांक/पु.अ./पुप्रशा/रनि/B-2302/2021 **दिनांक : 08.12.2021**

योग प्रशिक्षकों हेतु विज्ञापन

- पुलिस प्रशिक्षण शाला तिघरा, ग्वालियर में 01 पूर्णकालिक अथवा अंशकालिक योग प्रशिक्षण पारिश्रमिक/मानदेय क्रमशः 27,000/- रुपये एवं अंशकालिक का मानदेय 13,500/- रुपये प्रतिमाह पर दिनांक 01.01.2022 से दिनांक 31.03.2022 तक अथवा बजट की उपलब्धता के आधार पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया जाना है।
- यूजीसी अधिनियम के अंतर्गत अनिवार्य योग्यता मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ योग में स्नातक अथवा स्नातक के पश्चात् 50 प्रतिशत अंकों के साथ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से योग शिक्षा/योग अध्ययन/योग विज्ञान में कम से कम एक वर्ष की अवधि के डिप्लोमा के साथ यूजीसी अधिनियम के अंतर्गत मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कुल 55 प्रतिशत प्राप्तांक के साथ किसी भी विषय में स्नातक।
- स्नातक के पश्चात् किसी प्रतिष्ठित योग संस्थान से व्यवहारिक शिक्षण का कम से कम 02 वर्ष का अनुभव अनिवार्य है।
- यौगिक अभ्यास करने की व्यवहारिक क्षमता जिसके लिये कौशल परीक्षण किया जायेगा।
- यौगिक अभ्यास-1 हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में निपुणता, 2. कम्प्यूटर अनुप्रयोग प्रचालन का ज्ञान।

अतः उपरोक्त कार्य हेतु इच्छुक योग उम्मीदवार **दिनांक 15.12.2021** को रक्षित निरीक्षक कार्यालय पुलिस प्रशिक्षण शाला तिघरा, ग्वालियर में प्रातः 11.00 बजे साक्षात्कार हेतु शैक्षणिक योग्यता आवश्यक योग संबंधी दस्तावेज प्रमाण-पत्र एवं पत्र सहित उपस्थित होवें।

शर्तें निम्नानुसार हैं -

- मानदेय/पारिश्रमिक की नियुक्ति सशर्त की जाती है यदि तस्दीक करने पर उसके चरित्र सत्यापन/मेडिकल परीक्षण एवं अन्य प्रमाण पत्र फर्जी/अन्य कोई कारण, जो सेवा के लिये बाधक हो, सेवा से मुक्त कर दिया जायेगा। इस संबंध में किसी प्रकार का दावा स्वीकार नहीं होगा।
- मानदेय/पारिश्रमिक पर नियुक्त समस्त प्रकार के दावा आपत्ति का अंतिम निर्णय पुलिस अधीक्षक पुलिस प्रशिक्षण शाला तिघरा का होगा।
- मानदेय/पारिश्रमिक पर नियुक्त योग प्रशिक्षकों को किसी भी प्रकार का कोई भत्ता देय नहीं होगा।
- मानदेय/पारिश्रमिक पर नियुक्त योग प्रशिक्षकों की कार्य करने की अवधि प्राप्त बजट समाप्त होने पर उपरान्त भर्ती स्वतः निरस्त समझी जावेगी।
- मानदेय/पारिश्रमिक पर नियुक्त योग प्रशिक्षक की नियुक्ति नितान्त अस्थाई प्रकृति की होगी तथा किसी भी समय बिना किसी पूर्ण सूचना के समाप्त की जा सकेगी।
- मानदेय/पारिश्रमिक पर नियुक्त योग प्रशिक्षकों को अपना स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र, आवेदन के साथ संलग्न करना होगा एवं किसी भी प्रकार के दुर्घटना/शारीरिक क्षतिपूर्ति दावा स्वीकार नहीं होगा।
- मानदेय/पारिश्रमिक पर नियुक्त योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी होगी तथा भविष्य में संविलियन की मांग नहीं की जावेगी।
- ग्वालियर से तिघरा की दूरी लगभग 20 कि.मी. होने के कारण मानदेय/पारिश्रमिक पर नियुक्त योग प्रशिक्षक को संस्था द्वारा पृथक से परिवहन व्यय देय नहीं किया जावेगा।

पुलिस अधीक्षक
जी-20115/46308/2021 **पुलिस प्रशिक्षण शाला, तिघरा, ग्वालियर**

लोक चिंतन जिला झाबुआ द्वारा संचालित

पद्म कॉलेज ऑफ एजुकेशन
झाबुआ जिला झाबुआ (म.प्र.)-457661

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद नई दिल्ली, मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त, देवी अहिल्या वि.वि. इन्दौर से सम्बद्धता प्राप्त

आवश्यकता

परिनियम 28 कॉलेज कोड के अन्तर्गत नियुक्ति

क्र.	पद	पदों की संख्या
1.	प्राचार्य	01
2.	सहायक प्राध्यापक (संकाय पद) शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में	04
3.	सहायक प्राध्यापक संकाय पद (विज्ञान, गणित, भौतिक रसायन, सामा. विज्ञान, भाषा)	08
4.	सहायक प्राध्यापक शारीरिक शिक्षा	01
5.	सहायक प्राध्यापक ललित कला	01
6.	सहायक प्राध्यापक निष्पादन कलाएं (संगीत, नृत्य, रंगमंच)	01

नोट :- समस्त पदों हेतु योग्यता एन.सी.टी.ई. के मापदण्डों के अनुसार होना चाहिए, साथ ही वेतनमान यू.जी.सी. एवं एन.सी.टी.ई. के नियमानुसार होगा। आवेदन पत्र विज्ञापन प्रकाशित होने के 08 दिनों के भीतर समस्त आवश्यक दस्तावेजों सहित उपरोक्त पते अथवा मेल पर भेजें।

E-mail : kvpjba@gmail.com, Mobile No. 9425102004, 9425192468

आर-46303/2021

5. उपसंभाग खाचरौद अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर पेच रिपेयर का कार्य।					
2021_PWDRB_170910_1	उज्जैन	प्रथम आमंत्रण	20.00	40000.00	01 माह वर्षाकाल सहित
6. उपसंभाग तराना अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर पेच रिपेयर का कार्य।					
2021_PWDRB_170928_1	उज्जैन	प्रथम आमंत्रण	20.00	40000.00	01 माह वर्षाकाल सहित
7. उपसंभाग महिदपुर अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर पेच रिपेयर का कार्य।					
2021_PWDRB_170936_1	उज्जैन	प्रथम आमंत्रण	20.00	40000.00	01 माह वर्षाकाल सहित
8. उपसंभाग बड़नगर अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर मटेरियल कलेक्शन का कार्य।					
2021_PWDRB_170943_1	उज्जैन	प्रथम आमंत्रण	20.00	40000.00	01 माह वर्षाकाल सहित
		योग	**124.64**		

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं प्रस्तुत करने की **अंतिम दिनांक 15.12.2021 सायं 18.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही किया जायेगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। अर्नेस्ट मनी एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही प्राप्त किए जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री
जी-20008/46300/2021 **लोक निर्माण विभाग (भ/प) संभाग उज्जैन**

MPPSC साक्षात्कार INTERVIEW BATCH

सफलता का पड़ाव जहाँ आपका अंतिम निर्णय आपके चयन में सहायक होगा.

नई बैच 15 दिसम्बर से प्रारंभ

JOIN THE TOPPERS TRADITION

DEPUTY COLLECTOR 2018 HARSHAL CHOUDHARY
DEPUTY COLLECTOR 2017 TOPPER RAJNANDINI SHARMA
DEPUTY COLLECTOR 2016 (FEMALE) ANKITA JAIN
DEPUTY COLLECTOR 2015 ANKITA TRIPATHI
DEPUTY COLLECTOR 2012 & 14 SATEESH RAI
DEPUTY COLLECTOR 2013 ASHISH PANDEY

साक्षात्कार (INTERVIEW) बैच की विशेषताएँ

- नियमित सघन कक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम
- मॉक इंटरव्यू एवं वीडियो रिकॉर्डिंग द्वारा समीक्षा
- सायकोलॉजिस्ट द्वारा मनोवैज्ञानिक विश्लेषण
- विषय विशेषज्ञों, विभिन्न मार्गदर्शकों, आयोगों, समितियों एवं उच्च शिक्षण संस्थाओं के प्रबुद्ध अधिकारियों, समाजसेवियों एवं पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा मार्गदर्शन.

IAS • IPS • MPPSC • CJ-II • ADPO • CDS • NDA • MPSI • SSC • BANK PO • RAILWAY

कौटिल्य एकेडमी

मुख्यालय : भंवरकुआं चौराहा, इंदौर

0731-4266821, 4226615, Call: 94250 68121, 98939 29541

PANKAJ

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ग्वालियर संभाग क्र. 02, मकान नं. सी-31, कुलपति निवास के सामने, गोविन्दपुरी चौराहा, सचिन तेन्दुलकर रोड, सिटी सेंटर, ग्वालियर पिन-474011

निविदा आमंत्रण सूचना-17, 18/2021-22

कार्यालय मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग, ग्वालियर क्र.-2 द्वारा निर्माण/एस.टी.पी. निर्माण कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 17, 18/2021-22 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा की कार्यवाही की गई है। जिसके ऑनलाइन निविदा क्र. **MPPHC_171249_1, MPPHC_171250_1, MPPHC_171251_1, MPPHC_ 171252_1, MPPHC_171253_1** एवं **MPPHC_171254_1**, है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 20.12.2021 तक** खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

म.प्र. माध्यम/102871/46311/2021 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-02, डी-16, कचनार सिटी, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) 482002
ई-मेल : mpphcjabalpur2@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.- 02 के अंतर्गत निविदा क्रमांक 22/2021-22 शासकीय हायर सेकेण्डरी एक्सीलेन्स स्कूल में 06 नग क्लास रूम एवं सायकल स्टैण्ड का कार्य, जिला-उमरिया (ऑनलाइन निविदा क्र. 2021_MPPHC_172251) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 17.12.2021 तक** खरीद कर सायं 18:00 बजे तक सबमिट किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/102913/46313/2021 **परियोजना यंत्री**

NATIONAL LAW INSTITUTE UNIVERSITY

Kerwa Dam Road, Bhopal-462044

The National Law Institute University invites applications for one post of Assistant Engineer (Civil) on contractual basis on a consolidated salary of Rs. 51,000/- per month. For more detail visit NLIU Website **www.nliu.ac.in.**

The application forms may be downloaded from the university website and last date of submission of application form is **20.12.2021 till 03:00 pm.**

M.P. Madhyam/102919/46314/2021 **REGISTRAR**

R-46316/2021

कार्यालय अधीक्षक केन्द्रीय जेल, उज्जैन (म.प्र.)

क्रमांक/86/आई.टी.आई./2021 **उज्जैन, दिनांक : 04.12.2021**

विज्ञप्ति

म.प्र. शासन जेल विभाग के अधीन केन्द्रीय जेल उज्जैन पर बंदियों हेतु स्थापित आई.टी.आई. में प्रशिक्षण कार्य हेतु अतिथि व्याख्याता को अधिकतम 11 माह हेतु रुपये 110/- प्रतिघंटा (अधिकतम 05 घंटे प्रतिदिन) या 10,000/- मासिक (अधिकतम) मानदेय पर इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा अधिकतम आयु सीमा का कोई बंधन नहीं है। संस्था/पदों/आरक्षण अर्हता का विवरण निम्नानुसार है :-

आई.टी.आई. का नाम	व्यवसाय (ट्रेड)/पद का नाम/पद संख्या	आरक्षण			
		UR	SC	ST	OBC
केन्द्रीय जेल उज्जैन (म.प्र.)	ट्रेड इंस्ट्रक्टर इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक	01	-	-	-

व्यवसाय (ट्रेड)/पद का नाम	शैक्षणिक एवं तकनीकी अर्हता
ट्रेड इंस्ट्रक्टर इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक	हाईस्कूल अथवा समतुल्य अथवा पुरानी पद्धति से 11वीं उत्तीर्ण के साथ समस्त पदों के लिये संबंधित ट्रेड में NCVT/SCVT से AITT (ITI) NAC (शिक्षुता) परीक्षा उत्तीर्ण **अथवा** हाईस्कूल अथवा समतुल्य अथवा पुरानी पद्धति से 11वीं उत्तीर्ण के साथ इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर से सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस योजना के अंतर्गत NCVT/SCVT से दो वर्षीय मल्टी स्किलिंग पाठ्यक्रम उत्तीर्ण। **अथवा** AICTE/UGC मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय/बोर्ड संस्थान से इलेक्ट्रॉनिक्स/ इलेक्ट्रॉनिक्स तथा टेली कम्यूनिकेशन/इलेक्ट्रॉनिक्स तथा कंट्रोल सिस्टम/इलेक्ट्रॉनिक्स साइंस तथा इंजीनियरिंग/इलेक्ट्रॉनिक्स तथा कम्यूनिकेशन/इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रुमेंशन तथा कंट्रोल/इलेक्ट्रॉनिक्स तथा इंस्ट्रुमेंटेशन/इलेक्ट्रॉनिक्स तथा टेलीमेटिक्स से इंजीनियरिंग/ टेक्नोलॉजी में स्नातक उपाधि अथवा पॉलीटेक्निक डिप्लोमा।

नोटः- 01. इच्छुक उम्मीदवार भर्ती फार्म एवं भर्ती संबंधी अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय जेल अधीक्षक, केन्द्रीय जेल उज्जैन से प्राप्त कर सकते हैं। 02. पात्र इच्छुक उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र, शैक्षणिक एवं तकनीकी अर्हता, अन्य प्रमाण-पत्रों की छायाप्रति सहित सीधे कार्यालय जेल अधीक्षक, केन्द्रीय जेल उज्जैन को **30.12.2021 तक** कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करें।

जेल अधीक्षक
जी-20141/46310/2021 **केन्द्रीय जेल, उज्जैन (म.प्र.)**

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री, लोक निर्माण विभाग परियोजना क्रियान्वयन इकाई, सिविल लाईन नरसिंहपुर (म.प्र.)

एनआईटी नं.-31/2021/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/एपीडी/ **जबलपुर, दिनांक : 30.11.2021**
कार्य का नामः- जिला नरसिंहपुर में शासकीय पी.जी. महाविद्यालय का निर्माण कार्य।

स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्रमांक	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड भौतिक रूप से प्राप्त की जावेगी।
1.	2021_PWPIU_71170_1	नरसिंहपुर	600.67	600670/-	20000/-	18 (अठारह) माह वर्षाऋतु सहित	कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक लो.नि.वि. पी.आई.यू. साउथ सिविल लाइन, जी.सी.एफ. बैरियर के पास जबलपुर (म.प्र.)

1. निविदा से संबंधित विड डॉक्यूमेंट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/केशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 03.12.2021 समय 9:00 से **दिनांक 18.12.2021 समय 18:00 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किए जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग
जी-20124/46309/2021 **पी.आई.यू. नरसिंहपुर (म.प्र.)**

म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण

कार्यालय महाप्रबंधक, परियोजना क्रियान्वयन इकाई, झाबुआ
साधना इंजीनियरिंग के पास, 8-बसंत कॉलोनी, झाबुआ (म.प्र.) 457661
फोन नं. 07392-244345, ई-मेल : rrdajha@rediffmail.com

पत्र. क्र. 1766/स्था./विज्ञप्ति/2021-22 **झाबुआ, दिनांक 03.12.2021**

संविदा पर नियुक्ति हेतु विज्ञप्ति

महाप्रबंधक, म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, परियोजना क्रियान्वयन इकाई, झाबुआ के कार्यालय में डाटा एन्ट्री ऑपरेटर के 01 रिक्त पद के विरुद्ध संविदा नियुक्ति हेतु इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन **दिनांक 20-12-2021 सायंकाल 5:00 बजे तक** आमंत्रित किये जाते हैं।

क्र.	पदनाम	पद संख्या	पद का प्रकार	मासिक मानदेय	अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता
1	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	01	संविदा आधार पर	20019/- प्रतिमाह	1. अभ्यर्थी को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री तथा केन्द्र/ राज्य शासन से मान्यता प्राप्त संस्थान से डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) अथवा बी.एस.सी./बी.कॉम. इन कम्प्यूटर साइंस होना चाहिये। 2. अभ्यर्थी को **Microsoft Office, Foxpro** का ज्ञान एवं 8000 टंकण प्रति घंटे की डॉटा एन्ट्री क्षमता होनी चाहिये। 3. कम्प्यूटर पर हिन्दी में टायपिंग की गति 50 शब्द प्रति मिनट की होनी चाहिये। 4. अभ्यर्थी को कम्प्यूटर कार्य का अनुभव/शार्टहैण्ड का ज्ञान होने पर वरीयता दी जावेगी।

सम्पूर्ण विवरण (बायोडाटा) ए-4 साइज में टाइप किया हुआ जिसमें (1) आवेदित पद का नाम (2) आवेदक का नाम (3) आवेदक के पिता/पति का नाम (4) जन्म तिथि (5) जाति/वर्ग एवं मूल निवासी (सक्षम अधिकारी से प्रमाणित) (6) स्थाई/वर्तमान पत्र-व्यवहार का पता (7) रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक (8) शैक्षणिक योग्यता जिसमें निर्धारित योग्यता का संपूर्ण विवरण एवं आवेदन पत्र पर फोटो चस्पा कर इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र, **महाप्रबंधक, म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, परियोजना क्रियान्वयन इकाई, झाबुआ,** साधना इंजीनियरिंग के पास, 8-बसंत कॉलोनी, झाबुआ (म.प्र.) 457661 के पते पर **दिनांक 20.12.2021 सायंकाल 5:00 बजे तक** डाक द्वारा या व्यक्तिगत रूप से अनिवार्यतः पहुंचाया जाना सुनिश्चित करें। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा। प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर योग्य उम्मीदवारों को चयन परीक्षा हेतु पृथक से सूचना भेजी जावेगी।

संविदा की शर्तें :- कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर देखी जा सकती हैं।

म.प्र. माध्यम/102872/46312/2021 **महाप्रबंधक**

मध्यप्रदेश में तीन चरणों में होंगे पंचायत चुनाव - राज्य निर्वाचन आयुक्त

छह जनवरी, 28 जनवरी और 16 फरवरी को होगा मतदान

भोपाल, राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री बंसत प्रताप सिंह ने त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन वर्ष 2021-22 के लिये निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा की है। श्री सिंह ने बताया कि निर्वाचन की घोषणा होते ही ग्रामीण क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है, जो कि परिणाम घोषित होने तक प्रभावशील रहेगी। आदर्श आचरण संहिता के प्रावधान राजनैतिक दलों, अभ्यर्थियों, शासकीय विभागों एवं कर्मियों तथा त्रि-स्तरीय पंचायतों के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों पर लागू होगी। यद्यपि पंचायत निर्वाचन गैर-दलीय आधार पर हो रहे है, परंतु आचार संहिता के प्रावधान राजनैतिक दलों पर सामान्य रूप से लागू होंगे। मतदान तीन चरणों में 6 जनवरी, 28 जनवरी और 16 फरवरी 2022 में होंगे।

निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन तथा नाम निर्देशन-पत्र प्राप्त करने का कार्य प्रथम और द्वितीय चरण के लिये 13 दिसम्बर और तृतीय चरण के लिये 30 दिसम्बर को शुरू होगा। नाम निर्देशन-पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख प्रथम और द्वितीय चरण के लिये 20 दिसम्बर और तृतीय चरण के लिये 6 जनवरी है। नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा प्रथम और द्वितीय चरण के लिये 21 दिसम्बर और तृतीय चरण के लिये 7 जनवरी को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख और निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन प्रथम और द्वितीय चरण के लिये 23 दिसम्बर और तृतीय चरण के लिये 10 जनवरी को अपरान्ह 3 बजे तक है। मतदान (यदि आवश्यक हो) प्रथम चरण के लिये 6 जनवरी, द्वितीय चरण के लिये 28 जनवरी और तृतीय चरण के लिये 16 फरवरी 2022 को सुबह 7 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक होगा।

मतगणना तथा निर्वाचन परिणाम की घोषणा

मतदान केंद्र पर पंच और सरपंच पद के लिये मतगणना मतदान समाप्ति के तुरंत बाद की जाएगी। जनपद पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य की विकासखण्ड मुख्यालय पर ईवीएम से मतगणना प्रथम चरण के लिये 10 जनवरी, द्वितीय चरण के लिये 1 फरवरी और तृतीय चरण के लिये 20 फरवरी 2022 को सुबह 8 बजे से की जाएगी। पंच और सरपंच पद के निर्वाचन परिणाम की घोषणा प्रथम चरण के लिये 11 जनवरी, द्वितीय चरण के लिये 2 फरवरी और तृतीय चरण के लिये 21 फरवरी 2022 को सुबह 10:30 बजे से की जाएगी। जनपद पंचायत सदस्य के लिये निर्वाचन परिणाम की घोषणा प्रथम, द्वितीय और तृतीय चरण के लिये 22 फरवरी को और जिला पंचायत सदस्यों के लिये 23 फरवरी 2022 को सुबह 10:30 बजे से की जाएगी।

बीओटी शर्तों का उल्लंघन करने वालों के ठेके होंगे निरस्त - लोक निर्माण मंत्री

भोपाल, लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा बीओटी पर संचालित सड़कों का संधारण ठेकेदारों से समय-सीमा में कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जो ठेकेदार नियमानुसार सड़कों का संधारण कार्य नहीं करेंगे, उनके ठेके निरस्त किए जाएंगे।

श्री भार्गव ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग के अंतर्गत बनाई जा रही सड़कों के कार्य समय-सीमा में पूर्ण हों, इसके लिए विभागीय अधिकारी नियमित मॉनीटरिंग करें। उन्होंने सड़क निर्माण के लिए प्राप्त होने वाली ग्रांट से कराए जाने वाले कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि भू-अर्जन की कार्रवाई तेजी से कराई जाए और उसकी रिपोर्ट भारत सरकार को प्रेषित की जाए। श्री भार्गव ने बड़े निर्माण कार्यों के टेंडर और जो निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुके हैं, उनकी भी विस्तृत समीक्षा की।

स्मार्ट सिटी निर्माण में जनता की सुविधा को बनाया जायेगा प्राथमिकता

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में स्मार्ट सिटी मिशन की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, स्मार्ट सिटी मिशन में जनता की आवश्यकता और शहर की प्राथमिकता के अनुसार जन-प्रतिनिधियों और नगरवासियों की सलाह से कार्यों की प्राथमिकता तय होगी तथा उसके अनुरूप ही निर्माण कार्य संचालित किए जाएंगे। स्मार्ट सिटी निर्माण में सौन्दर्यीकरण के स्थान पर उपयोगिता और जनता की सुविधा को प्राथमिकता बनाया जाएगा। कोई भी नया टेंडर नहीं होगा और जो कार्य आरंभ नहीं हुए हैं उनकी समीक्षा की जाएगी। राशि का मितव्ययी और सही उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में स्मार्ट सिटी मिशन की समीक्षा करते हुए कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं सातों स्मार्ट सिटी भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन, ग्वालियर, सागर और सतना के जन-प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2019 में स्मार्ट सिटी मिशन में हुए कार्यों, उनके औचित्य, टेंडर प्रक्रिया, व्यय राशि तथा अनियमितताओं की जांच की जाएगी। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में 6 हजार 600 करोड़ रुपये राशि से 587 योजनाएं संचालित हैं। श्री चौहान ने कहा कि सभी सात शहरों में संचालित योजनाओं की वे स्वयं बिन्दुवार समीक्षा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य नगरीय विकास को नई दृष्टि देना है। बड़े शहरों के साथ मझौले और छोटे शहरों का नियोजन भी भविष्य की व्यवहारिक आवश्यकताओं के अनुसार किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्ट सिटी मिशन के वित्तीय संसाधनों का उपयोग केवल स्मार्ट सिटी तक ही सीमित नहीं रहे। इसके वित्तीय संसाधनों का उपयोग संपूर्ण शहर के विकास में सुनिश्चित किया जाए। मूलभूत कार्यों के लिए स्मार्ट सिटी से नगर निगम या अन्य एजेंसियों को राशि हस्तांतरित करने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। स्मार्ट सिटी मिशन को शहरों के विकास का इंजन बनाना है। मिशन में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग संपूर्ण शहर के अधोसंरचना विकास में किया जाए, यह केवल सौन्दर्यीकरण तक सीमित न रहे।

श्री चौहान ने भोपाल में बंद पड़े कैमरों और सागर के निर्माणाधीन लाखा बंजारा तालाब की धीमी प्रगति पर अप्रसन्नता व्यक्त की। श्री चौहान ने कहा कि स्मार्ट सिटी मिशन, नगर निगम एवं पुलिस सहित नगरीय प्रबंधन से संबंधित विभिन्न एजेंसियों से बेहतर समन्वय सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप्स इंक्यूबेशन सेंटरों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए। स्टार्टअप्स की अवधारणा को युवाओं में उद्यमिता को विकसित करने के लिए औद्योगिक और तकनीकी संस्थाओं से आवश्यक सहयोग लिया जाए।

जानकारी दी गई कि स्मार्ट सिटी मिशन योजना के प्रथम चरण में जनवरी 2016 में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, द्वितीय चरण में सितम्बर 2016 से उज्जैन, ग्वालियर और तृतीय चरण में जून 2017 से सागर और सतना को लिया गया है। इन सात स्मार्ट शहरों में प्रदेश की नगरीय आबादी की 34.8 प्रतिशत आबादी निवासरत है। मिशन में क्षेत्र आधारित विकास में मुख्य अधोसंरचना कार्य जैसे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और ट्रांसफर स्टेशन्स, जलप्रदाय, फ्लाई ओवर तथा ब्रिज, पार्क, उद्यान, खेल परिसर, ऊर्जा दक्ष लाइटिंग, पुरातत्व धरोहर संरक्षण में रिस्टोरेशन, लेक डेवलपमेंट, बायो मैथेनाइजेशन प्लांट, मल्टीलेवल पार्किंग तथा नॉन मोटराईज ट्रांसपोर्ट संबंधी कार्य किए जा रहे हैं। पैन सिटी के अंतर्गत संपूर्ण शहर के लिए एकीकृत कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर, इंटेलीजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट, स्टार्टअप इंक्युबेशन सेंटर और स्मार्ट पोल जैसी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

होमगार्ड के जवानों का तीन वर्ष में एक बार कॉल ऑफ होगा - गृह मंत्री

भोपाल, होमगार्ड के जवानों ने आपदा के समय अद्भुत साहस और शौर्य का प्रदर्शन किया है। अब से होमगार्ड के जवानों का 3 वर्ष में एक बार कॉल ऑफ किया जाएगा। यह बात गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने होमगार्ड्स नागरिक सुरक्षा एवं आपदा और आपातकालीन मोचन बल के 75वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि जबलपुर में 135 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आपदा प्रबंधन दल को आधुनिक उपकरणों से लैस करने के लिये 45 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत कर दी गई है। समारोह में डॉ. मिश्रा ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों के साथ होमगार्ड जवानों के होनहार विद्यार्थियों को भी सम्मानित और पुरस्कृत किया।

डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि होमगार्ड के जवानों ने बेहतरीन कार्य किया है। होमगार्ड के जवान आपदा में देश की सीमाओं पर कार्य करने वाले सेना के जवानों की तरह ही कार्य करते हैं। उनका साहस और शौर्य अतुलनीय और अभिनंदनीय है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि होमगार्ड के जवानों ने इस वर्ष में 550 रेस्क्यू ऑपरेशन करते हुए 9 हजार 827 लोगों की जिन्दगियां बचाई हैं। आपदा में स्वयं के प्राणों को संकट में डालकर काल-कवलित हुए 452 व्यक्तियों के शवों को निकालकर परिजनों को सुपुर्द किया है।

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा भोपाल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और होमगार्ड जवानों को सम्मानित करते हुये।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान वर्ष 2020-21 में होमगार्ड द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिये 12 हजार 591 सैनिकों और अधिकारियों को कर्मवीर योद्धा पदक से सम्मानित किया गया।

डॉ. मिश्रा ने होमगार्ड के जवानों को आश्वस्त किया कि उन्हें किसी प्रकार से परेशानी नहीं आने दी जाएगी। सरकार ने निर्णय लिया है कि जवानों को 3 साल में एक बार कॉल ऑफ किया जाएगा, अब प्रति वर्ष कॉल ऑफ नहीं किया जाएगा।

गृह मंत्री ने कहा कि होमगार्ड के अधिकारियों के कैडर संबंधी विसंगति को शीघ्र ही दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि होमगार्ड के 400 जवान आबाकारी और 248 जवान खनिज विभाग में कार्य कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त 2 हजार 425 जवानों को राज्य आपदा आपातकालीन प्रबंधन बल में (SDERF) में पदस्थ करने की कार्यवाही भी प्रचलन में है।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि होमगार्ड प्रशिक्षण संस्थान (CTI) की उपलब्ध भूमि पर राष्ट्रीय स्तर का आपदा प्रबंधन संस्थान बनाने संबंधी प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। जबलपुर के मुंगेली में 165 एकड़ के परिसर में 135 करोड़ रुपये की लागत से संस्थान के निर्माण पर विचार किया जा रहा है।

स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग समन्वय से करें काम - चिकित्सा शिक्षा मंत्री

भोपाल, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कोरोना की संभावित तीसरी लहर के मद्देनजर मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से प्रदेश के सभी चिकित्सा महाविद्यालयों के डीन और अधीक्षक से चर्चा की। श्री सारंग ने ऑक्सीजन, बिस्तर, उपकरण और दवाइयों की उपलब्धता बनाये रखने के निर्देश दिए।

लगभग 335 करोड़ रुपये की स्वीकृति

श्री सारंग ने बताया कि कोविड प्रबंधन एवं उपचार के लिये प्रदेश के 13 मेडिकल कॉलेज में उपकरण, पीडियाट्रिक, आईसीयू, दवाइयां, कंज्यूमेबल्स, टेस्टिंग, ऑक्सीजन की उपलब्धता और मेडिकल गैस पाइप लाइन सिस्टम आदि कार्यों के लिये स्वीकृति दी गई है। कोविड की संभावित तीसरी लहर से बचाव के लिये लगभग 335 करोड़ रुपये उपलब्ध कराये जा रहे हैं। इमरजेंसी कोविड रिस्पॉन्स पैकेज में 215 करोड़ 65 लाख रुपये, डिजास्टर रिलीफ फंड में 63 करोड़ 35 लाख रुपये, दवाइयों के लिये 36 करोड़ रुपये और कंज्यूमेबल्स में 20 करोड़ रुपये उपलब्ध करवाये जा रहे हैं।

8300 बिस्तरों की व्यवस्था

श्री सारंग ने बताया कि प्रदेश के 13 मेडिकल कॉलेज में कोविड उपचार के लिये पहले से चिन्हित 6765 बिस्तरों के अतिरिक्त 1535 नये बिस्तर का विस्तार किया गया है। इस तरह कोविड के लिये कुल 8300 बिस्तर उपलब्ध होंगे।

मेडिकल गैस पाइप लाइन और ऑक्सीजन

चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने बताया कि कोविड प्रबंधन के लिये सभी कोविड बेड पर मेडिकल गैस पाइप लाइन सिस्टम स्थापित किया जा चुका है। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज में निरंतर ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये एलएमओ की 271 किलोलीटर क्षमता को बढ़ा कर 395 किलोलीटर करते हुये 124 किलोलीटर की वृद्धि की गई है। मेडिकल कॉलेजों में ऑक्सीजन जनरेशन के 27 प्लांट की स्थापना की जा चुकी है।

विकेंद्रीकृत क्रय का निर्णय

श्री सारंग ने बताया कि कोविड की संभावित तीसरी लहर के पहले तैयारी के लिये उपकरण, दवाई, कंज्यूमेबल्स की उपलब्धता की सुगमता के लिये विकेंद्रीकृत क्रय का निर्णय लिया गया है। इससे डीन और अधीक्षक को स्थानीय स्तर पर आवश्यकतानुसार क्रय का अधिकार पुनः बहाल होगा।

दवाइयों और कंज्यूमेबल्स की उपलब्धता

चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने कोविड के उपचार के लिये सभी आवश्यक दवाइयों और कंज्यूमेबल्स की व्यवस्था के निर्देश दिए। सभी डीन और अधीक्षक को सभी दवाइयों और कंज्यूमेबल्स के लिये वर्चुअल लिमिट के माध्यम से बजट उपलब्ध कराया गया है। पीपीई किट, एन 95 मास्क, ग्लव्स, थ्री लेयर मास्क, आरटी पीसीआर किट आदि आवश्यक सामग्री की भी उपलब्धता के लिये आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाने का कार्य प्राथमिकता से करें

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाने की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में शिशु एवं मातृ मृत्यु दर को कम करने का कार्य हमारी प्राथमिकता है। इस एजेंडा की प्राथमिकता को ध्यान में रखकर परिवार कल्याण अभियान के माध्यम से लोगों में जागरूकता बढ़ाई जाना जरूरी है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में शिशु एवं मातृ मृत्यु दर को कम करने की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए कहीं।

कलेक्टर हर माह करें मॉनीटरिंग

मुख्यमंत्री ने कहा कि कलेक्टर शिशु एवं मातृ मृत्यु दर के एजेंडा की जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में प्रतिमाह मॉनीटरिंग करें। जिले के प्रभारी मंत्री भी इस एजेंडा की सतत् रूप से समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि जिला स्वास्थ्य समिति सहित अन्य सभी समितियों की बैठकें प्रभावी हों, जिससे सकारात्मक परिणाम सामने आएं।

जिले की ग्रेडिंग निर्धारित करें

श्री चौहान ने कहा कि शिशु एवं मातृ मृत्यु दर को कम करने के संबंध में पैरामीटर बनाएं। आकांक्षी जिले की तर्ज पर जिले की ग्रेडिंग निर्धारित करें। उन्होंने कहा कि उपलब्धि के आधार पर ही कलेक्टर की सी.आर. निर्धारित की जायेगी। अच्छा कार्य करने वालों की सराहना एवं खराब उपलब्धि पाए जाने पर कार्यवाही होगी।

नवजात शिशु और माता की मृत्यु की ऑडिट हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नवजात शिशु और माता की मृत्यु के ऑडिट की कार्ययोजना बनाई जाये। इससे मृत्यु का कारण तो पता चलेगा ही साथ ही उसके निवारण की दिशा में प्रयास भी तेज होंगे।

शिशुओं और माताओं की जिंदगी बचाना पवित्र कार्य

श्री चौहान ने कहा कि नवजात शिशुओं और माताओं की जिंदगी बचाना सबसे बड़ा पवित्र कार्य है। परिवार कल्याण की गतिविधियों में आशा और एएनएम गृह भेंट कर माताओं को विभिन्न प्रकार की सावधानी रखने की समझाइश दें। स्टाफ नर्स और सीएचओ को भी प्रेरित करें। प्रसव पूर्व और बाद की गतिविधियों की भी नियमित रूप से मॉनीटरिंग सुनिश्चित हो।

पोर्टल का प्रभावी उपयोग हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिशु एवं मातृ मृत्यु दर कम करने के प्रयासों में आरसीएच पोर्टल का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विकसित इस पोर्टल में समस्त गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, प्रसव पूर्व जांच, प्रसव परिणाम एवं नवजात के जन्म के समय की स्थिति संबंधी समस्त जानकारी संधारित किए जाने का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री के निर्देश

- स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिशु स्वास्थ्य की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण सूचकांकों को चिन्हित कर जिलों की मासिक ग्रेडिंग की जाए और जिला स्वास्थ्य समितियों का उन्मुखीकरण किया जाए।
- प्रत्येक नवजात की मृत्यु का समुदाय आधारित ऑडिट, संस्था आधारित ऑडिट तथा जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा ऑडिट किया जाए।
- समस्त प्रसव केंद्रों पर उपकरणों, दवाइयों तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सजीव ट्रैकिंग व्यवस्था बनाई जाए। प्रसव केंद्रों पर पदस्थ स्टाफ नर्सों को नवजात शिशु प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाए।
- आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा की जाने वाली गृह भेंटों का पर्यवेक्षण किया जाए।
- हाई रिस्क नवजातों के चिन्हांकन तथा समयबद्ध एवं रेफरल हेतु सीएचओ का दायित्व निर्धारण किया जाए। विभाग इन सभी सूचकांकों पर सीएचओ की ग्रेडिंग करते हुए उनके कार्य आधारित मूल्यांकन की व्यवस्था करें।
- जिला स्तर पर शिशु और मातृ स्वास्थ्य के संबंध में पर्याप्त उन्मुखीकरण एवं नियमित समीक्षा की जाना सुनिश्चित की जाए।

कोरोना नियंत्रण के मॉडल का जरूरत पड़ने पर फिर होगा उपयोग

भोपाल, कोविड से बचाव के अभियान में अन्य स्वैच्छिक संगठनों के साथ ही अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन (एआईएफ) का महत्वपूर्ण सहयोग रहा है। फाउंडेशन ने सेवा धर्म का निर्वाह करते हुए अद्भुत कार्य किया है। भारत और अमेरिका दो महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक राष्ट्र हैं। अनेक क्षेत्र में दोनों देश मिलकर कार्य करते हैं, जो इतिहास रचने जैसा कार्य हो जाता है। मध्यप्रदेश में जन-सहयोग से कोरोना नियंत्रण का कार्य हुआ। यह मॉडल जरूरत पड़ने पर फिर उपयोग में लाया जाएगा। हम कोरोना के नए वेरिएंट को पराजित करेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन के सहयोग में निर्मित ऑक्सीजन संयंत्र और मॉड्यूलर इकाई का शुभारंभ करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एआईएफ के माध्यम से लगभग 20 वर्ष पूर्व गुजरात में आए भूकम्प के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल विहारी वाजपेयी ने प्रभावितों की सहायता में अमेरिका का सहयोग लिया था। आपदा की उस घड़ी में अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन ने सहयोग का हाथ बढ़ाया था। इन सेवा कार्यों को भुलाया नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री फाउंडेशन के सहयोग से कैलाशनाथ काटजू सिविल अस्पताल भोपाल में 500 एल.पी.एम. क्षमता के ऑक्सीजन संयंत्र (लागत 80 लाख) और बैढ़न जिला सिंगरौली में 250 एल.पी.एम. क्षमता के ऑक्सीजन संयंत्र (लागत 55 लाख) का वर्चुअल शुभारंभ किया। इस अवसर पर सीहोर और बैतूल के जिला चिकित्सालयों में 50 बेड की नवीन मॉड्यूलर इकाई का भी शुभारंभ किया गया। प्रत्येक इकाई की लागत एक करोड़ 60 लाख रुपये है।

नए वेरिएंट का मुकाबला करने के लिए हम तैयार हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब नए वेरिएंट का मुकाबला करने में भी हम फाउंडेशन और अन्य संस्थाओं के सहयोग से विजयी होंगे, कोरोना वायरस पराजित होगा। हाल ही में मॉकड्रिल द्वारा प्रदेश के ऑक्सीजन संयंत्र चलाकर देखे भी गए हैं। जन-सहयोग से सावधानियां रखते हुए हम प्रदेश में कोरोना वायरस पर नियंत्रण की स्थिति बनाए रखेंगे।

श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में राज्य सरकार द्वारा कोरोना की तीसरी लहर से निपटने की पूरी तैयारी की गई है। जहां परस्पर दूरी और मास्क के उपयोग की सावधानियों को सुनिश्चित किया जा रहा है, वहीं वैक्सीनेशन के माध्यम से संपूर्ण आबादी को सुरक्षा चक्र देने का कार्य तत्परता और प्राथमिकता से किया जा रहा है। प्रदेश में पात्र आबादी में से 93 प्रतिशत को पहला डोज और 70 प्रतिशत को दूसरा डोज लग गया है।

महाअभियान के माध्यम से वैक्सीनेशन कार्य निरंतर चल रहा है। अठारह वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र व्यक्तियों को दिसंबर माह में वैक्सीन लगवाने का लक्ष्य है। हर हाल में लहर को रोकना है। यदि लहर आ भी जाए तो इससे मुकाबले के लिए हम पूरी तरह तैयार हैं।

पीड़ित मानवता के लिए फाउंडेशन के कार्य प्रशंसनीय

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड नियंत्रण के कार्य में रोगियों के उपचार और प्रबंधन, सिंगल यूजर वेंटीलेटर, पल्स ऑक्सीमीटर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, ऑक्सीजन प्लांट, कोल्ड स्टोरेज और मॉड्यूलर अस्पताल जैसी सुविधाएं फाउंडेशन उपलब्ध करवाई हैं। इस पर करीब 15 करोड़ रुपये की राशि व्यय हुई। इसके साथ ही वैक्सीनेशन अभियान में भी फाउंडेशन का सहयोग मिल रहा है। पीड़ित मानवता की सेवा के लिए कार्य कर रही फाउंडेशन की टीम प्रशंसा की पात्र है। मध्यप्रदेश में जन-सहयोग से कोरोना नियंत्रण के मॉडल को सराहा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजन, स्ट्रीट वेण्डर्स, हमारी बहनों और जनजातीय समुदाय को भी सहायता प्रदान करने में फाउंडेशन का सहयोग रहा है। इसके साथ ही विदिशा, गुना धार, डिण्डौरी, मण्डला और छिंदवाड़ा में टीकाकरण में भी एआईएफ का सहयोग मिल रहा है।

फाउंडेशन के कंट्री डायरेक्टर श्री मैथ्यू जोसेफ ने कहा कि फाउंडेशन यूएस और इंडिया के बीच सेतु का कार्य कर रहा है। मध्यप्रदेश में कोविड के प्रथम चरण में फाउंडेशन ने फ्रंट लाइन वर्कर्स को संक्रमित होने से बचाने, प्रवासी श्रमिकों और उनके परिवारों के लिए राशन की आपूर्ति के कार्य में सहयोग किया। प्लाई सर्जिकल मास्क, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण, एन-95 मास्क, दस्ताने और थर्मल स्कैनर उपलब्ध करवाए गए।

मध्यप्रदेश में नई शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा

भोपाल, स्कूल शिक्षा और सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशा के अनुरूप प्रदेश में नई शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा। श्री परमार ने बताया कि मुख्यमंत्री ने राज्य शासन द्वारा गठित टास्क फोर्स की बैठक में प्रदेश में स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता, विकास और नई शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न पहलुओं को प्रभावी तौर पर लागू करने के निर्देश दिए हैं। इसी तारतम्य में मंत्रालय में टास्क फोर्स के सदस्यों को चार समूह में बांटकर नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। टास्क फोर्स सदस्यों के मंथन से उपजे सुझावों और मार्गदर्शन संबंधी पहलुओं पर आधारित प्रजेंटेशन दिया गया।

श्री परमार ने बताया कि टास्क फोर्स की बैठक में नई शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षकों में फंक्शनल लिट्रेसी और न्यूमरेसी के प्रशिक्षण ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन संचालित करने, राष्ट्रीय शिक्षा नीति की समझ विकसित करने के लिए मॉड्यूल द्वारा प्रशिक्षण, प्रदेश में क्षेत्र के हिसाब से क्लस्टर आधारित शिक्षा व्यवस्था बनाने, कक्षा आठवीं में गणित और अंग्रेजी विषय पर कैप्सूल रिच कोर्स, स्थानीय कॉलेज के युवा छात्रों की मैपिंग कर वॉलेंटियर बनाने, राज्य ओपन स्कूल में सेंटर बढ़ाने, मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा, शिक्षा कैलेंडर में सह शैक्षणिक गतिविधियों को शामिल करने, प्रारंभिक-बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण, अनुभव और परिणाम आधारित शिक्षकों का चयन और पदस्थापना सहित भारत सरकार द्वारा प्रौढ़ शिक्षा के लिये चलाए जा रहे 'पढ़ना लिखना अभियान' और 'नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' के प्रभावी क्रियान्वयन आदि विभिन्न विषयों पर मंथन किया गया। इसमें सदस्यों से सुझाव भी लिए गए। श्री परमार ने कहा कि सदस्यों द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण सुझावों पर राज्य शासन द्वारा गंभीरतापूर्वक विचार कर निर्णय लिया जाएगा।

श्री परमार की अध्यक्षता में टास्क फोर्स में सदस्य सचिव प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरुण शमी, संचालक सदस्य आयुक्त लोक शिक्षण श्री अभय वर्मा, आयुक्त राज्य शिक्षा केंद्र श्री धनराजू एस, पदेन सदस्य सचिव मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल श्री उमेश सिंह, संचालक राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड और निदेशक महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान श्री प्रभात राज तिवारी शामिल है। इसके साथ टास्क फोर्स में शासकीय और अशासकीय क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल किये गये हैं।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

संरक्षित वन क्षेत्रों से ग्रामों के पुनर्वास के लिए मुआवजा बढ़कर हुआ 15 लाख

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भोपाल में सम्पन्न हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में राष्ट्रीय उद्यानों/अभ्यारण्यों (संरक्षित क्षेत्रों) एवं टाइगर रिजर्व के कॉरिडोर से ग्रामों के पुनर्वास के लिये राज्य योजना में मुआवजा की प्रति परिवार पैकेज राशि 10 लाख से बढ़ाकर 15 लाख रुपये अंगीकार करने की मंजूरी दी गयी। वन विभाग की ग्रामों के पुनर्वास के लिये 'मुआवजा' योजना को आगामी पांच वर्षों अर्थात 2021-22 से 2025-26 के लिये राशि 75 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गयी। कैम्पा मद से वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक कुल 4 वर्षों के लिये 285 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी की जाने का अनुमोदन भी किया गया। मंत्रिपरिषद द्वारा लिये गये अन्य निर्णय इस प्रकार हैं-

- मंत्रिपरिषद ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, ग्वालियर को एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के लिये ग्राम लोहारपुर तहसील मुरार, जिला ग्वालियर में स्थित कुल रकबा 57.952 हेक्टेयर शासकीय भूमि, शून्य प्रव्याजि एवं एक रुपया वार्षिक भू-भाटक पर आवंटन करने का निर्णय लिया।
- मंत्रिपरिषद ने लोक सेवा प्रबंधन विभाग के अंतर्गत अटल विहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान की सांगठनिक संरचना में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी की नियुक्ति की सेवा शर्तों के संबंध में संशोधित आदेश को मंजूरी दी।
- संस्थान में राज्य शासन द्वारा अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अपर सचिव से अनिम्न स्तर के प्रशासनिक अनुभव रखने वाले अधिकारी अथवा राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोक नीति, लोक प्रशासन एवं सुशासन के क्षेत्र में कार्यानुभव रखने वाले अशासकीय व्यक्ति की पद-स्थापना की जा सकेगी।
- अशासकीय व्यक्ति की नियुक्ति की स्थिति में नियुक्त अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी को राज्य शासन के सचिव स्तर के अधिकारी को प्राप्त होने वाली सुविधाओं के समतुल्य सुविधाएं प्राप्त होंगी।
- मंत्रिपरिषद द्वारा 'छिंदवाड़ा विश्व-विद्यालय, छिंदवाड़ा' का नाम 'राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा' किया जाने के प्रस्तावित संशोधन विधेयक के प्रस्तुत प्रस्ताव को मान्य किया गया।
- मंत्रिपरिषद ने ग्वालियर व्यापार मेला, ग्वालियर का आयोजन सुचारू संचालित करने के दृष्टिगत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा प्रशासित अधिनियम 'ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण अधिनियम' में शब्द 'वाणिज्य एवं उद्योग विभाग' के स्थान पर शब्द 'सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग' प्रतिस्थापित करने के लिये ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक 2021 का अनुमोदन किया।
- इस विधेयक को विधानसभा में प्रस्तुत कर पारित कराने की सभी कार्यवाही करने के लिये सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग को अधिकृत किया गया है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

अनाथ बालिकाओं को लाड़ली लक्ष्मी योजना से जोड़ा जाए - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय में महिला एवं बाल विकास विभाग की लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 की समीक्षा करते हुये कहा है कि अनाथ बालिकाओं को लाड़ली लक्ष्मी योजना में जोड़ा जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य, जिला, ब्लॉक, ग्राम पंचायत स्तर पर लाड़ली लक्ष्मी दिवस का आयोजन किया जाये।

श्री चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों एवं ग्रामों को लाड़ली लक्ष्मी फ्रेंडली घोषित करने के मापदंड तय कर लिये जायें। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष के ऊपर की लाड़ली लक्ष्मी को ड्राइविंग लाइसेंस जारी किये जायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली बालिकाओं के शासकीय-अशासकीय मेडिकल, इंजीनियरिंग, आईआईटी, आईआईएम में प्रवेश पर पढ़ाई का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। उन्होंने कहा कि लाड़ली बालिका कॉलेज में प्रवेश लेगी तो उसे 25 हजार रुपये दिये जायेंगे।

सामुदायिक वन प्रबंधन

जनजातीय लोगों के सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री

भोपाल, वन क्षेत्रों में रह रहे जनजातीय भाई-बहन ऐतिहासिक रूप से पिछड़े हैं। वे विकास की दौड़ में पीछे रह गए हैं, साथ ही उन पर कानूनी बंधन भी बहुत अधिक हैं। वन क्षेत्रों में निवासरत जनजातीय भाई-बहनों के जीवन स्तर में सुधार और उन्हें आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में सामुदायिक वन प्रबंधन पर बैठक को संबोधित करते हुए कहीं। बैठक में सामुदायिक वन प्रबंधन समिति के गठन, उनके सशक्तिकरण, सामुदायिक वन प्रबंधन समिति को सौंपे जाने वाले अधिकारों आदि पर विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में वन प्रबंधन में जनजातीय भाई-बहनों की भूमिका, वनोपज से आर्थिक सशक्तिकरण, जैव विविधता को संधारित करने में जनजातीय समुदाय के ज्ञान और परम्पराओं के उपयोग, वन आश्रित समुदाय को दैनिक जरूरत की जलाऊ बांस एवं बल्ली वैधानिक रूप से उपलब्ध कराने, सामुदायिक वन प्रबंधन समिति के गठन और उसमें अनुसूचित जनजाति तथा महिलाओं के प्रतिनिधित्व पर भी चर्चा हुई।

वन समितियों को विकास कार्य संपादित करने के अधिकार, वन क्षेत्रों के सूक्ष्म प्रबंधन योजना के क्रियान्वयन, राष्ट्रीय उद्यानों और अभ्यारण्यों में पर्यटन से प्राप्त होने वाली राशि में वन समितियों की भागीदारी, विलुप्त हो रही प्रजातियों के संरक्षण के संबंध में वन समितियों की अनुशंसा, सीएसआर के अंतर्गत गतिविधियां संचालित करने और क्षमता विकास के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं अथवा विशेषज्ञों की सेवाएं लेने के संबंध में समितियों के अधिकार आदि पर भी बैठक में विचार-विमर्श हुआ।

नर्मदा घाटी परियोजनाओं का थर्ड पार्टी मूल्यांकन किया जाए सुनिश्चित

ड्रिप इरिगेशन और स्प्रिंकलर से सिंचाई को प्रोत्साहित करने विशेष दल गठित किया जायेगा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत संचालित सभी परियोजनाओं का थर्ड पार्टी मूल्यांकन आवश्यक रूप से कराया जाए। वर्ष 2023 तक पूर्ण होने वाली सभी परियोजनाओं की डेट लाइन निर्धारित कर कार्य संचालन हो। साथ ही 2023 में जिन 17 परियोजनाओं को आरंभ किया जाना है उस संबंध में भी अभी से कार्य आरंभ करना सुनिश्चित करें। किसानों को स्प्रिंकलर और ड्रिप इरिगेशन से सिंचाई के लिए शिक्षित और जागरूक करना आवश्यक है। इससे नर्मदा घाटी से प्रदेश को प्राप्त जल से अधिक क्षेत्र में सिंचाई संभव हो सकेगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बरगी व्यपवर्तन परियोजना की स्लीमनाबाद चैनल के कार्य के दौरान सुरक्षा के व्यापक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। कार्य के समय अस्थाई विस्थापन जनता को विश्वास में लेकर और निश्चित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर ही किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजनाएं पूर्ण होने के साथ किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो रही है। उन्होंने निर्देश दिया कि किसानों से सिंचाई शुल्क लेने के लिए उनमें जागरूकता लाने और कर्तव्य बोध विकसित करने के उद्देश्य से किसान सम्मेलनों का आयोजन किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को आवंटित जल से अधिक से अधिक क्षेत्र को सिंचित करने के उद्देश्य से स्प्रिंकलर और ड्रिप इरिगेशन को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष ग्रुप गठित किया जाए। उन्होंने मालवा और निमाड़ क्षेत्र में ड्रिप इरिगेशन और स्प्रिंकलर अपनाने के लिए किसानों को विशेष रूप से प्रेरित करने को कहा। बैठक में जानकारी दी गई कि इस वित्त वर्ष में पूर्ण होने वाली परियोजनाओं में से खंडवा जिले की भुरलाय, कोदवार और पुनासा विस्तार परियोजनाएं पूर्ण कर ली गई हैं। खंडवा की छैगांवमाखन, अलीराजपुर जिले की अलीराजपुर और खरगोन की विस्टान परियोजना दिसंवर अंत तक पूर्ण हो जाएगी। कुल 1835 करोड़ रुपये की लागत से बनी इन 6 परियोजनाओं से 98 हजार 115 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2022-23 तक 11 परियोजनाएं पूर्ण कर ली जाएंगी। इनमें खंडवा की किल्लौद और पामाखेड़ी इंदौर की सिमरोज अंबाचंदन, खरगोन की अंबा रोडिया, धौड़ी जमानिया तथा बलकवाड़ा, कटनी की ढीमरखेड़ा, सीहोर की छीपानेर, खंडवा की जावर, बड़वानी और खरगोन की नागलवाड़ी और जबलपुर की दुर्गावती परियोजना सम्मिलित हैं। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से 1 लाख 62 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केन-बेतवा लिंक परियोजना को दी मंजूरी

परियोजना बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए वरदान और एक नया सवेरा - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नदियों को जोड़ने की केन-बेतवा परियोजना को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी और केंद्रीय कैबिनेट का आभार प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए वरदान है और एक नया सवेरा भी है। श्री चौहान ने कहा कि 44 हजार 605 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के पूरा होने पर मध्यप्रदेश के छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, सागर, दतिया, शिवपुरी, विदिशा और रायसेन जिले लाभान्वित होंगे। साथ ही 103 मेगावॉट जल विद्युत और 27 मेगावॉट सौर ऊर्जा उत्पन्न होगी। परियोजना से बुंदेलखंड में भी खुशहाली और सम्पन्नता आएगी।

परियोजना के लाभ

- परियोजना के मूर्तरूप लेने पर प्रदेश के सूखाग्रस्त बुंदेलखंड क्षेत्र की तस्वीर बदलेगी।
- मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे कृषि उत्पादन बढ़ेगा तथा खुशहाली आएगी।
- जल संकट से प्रभावित प्रदेश की 41 लाख आवादी को पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी।
- परियोजना से भू-जल स्तर की स्थिति सुधरेगी।
- परियोजना से प्रदेश के पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, सागर, दतिया, शिवपुरी, विदिशा, रायसेन जिले लाभांवित होंगे।
- परियोजना से 103 मेगावॉट बिजली का उत्पादन होगा, जिसका उपयोग पूर्णरूप से मध्यप्रदेश करेगा।
- जल आपूर्ति होने पर बुंदेलखंड क्षेत्र में औद्योगीकरण एवं निवेश को बढ़ावा मिलेगा।
- बुंदेलखंड क्षेत्र में रोज़गार के अवसर उपलब्ध होंगे।
- स्थानीय स्तर पर आमजन में आत्म-निर्भरता आएगी तथा क्षेत्र से लोगों का पलायन रुकेगा।
- बुंदेलखंड क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

भारत में नदियों को जोड़ने का मार्ग प्रशस्त

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केन-बेतवा नदी को आपस में जोड़ने की परियोजना के लिये वित्त पोषण तथा क्रियान्वयन को मंजूरी दे दी है। परियोजना के लिये केंद्रीय समर्थन के रूप में 39 हजार 317 करोड़ रुपये, सहायक अनुदान के रूप में 36 हजार 290 करोड़ रुपये और ऋण के रूप में 3,027 करोड़ रुपये की धनराशि को मंजूर किया गया है। यह परियोजना भारत में नदियों को आपस में जोड़ने की अन्य परियोजनाओं का भी मार्ग प्रशस्त करेगी।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का स्वप्न साकार

श्री चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत मूर्त रूप लेने वाली केन-बेतवा लिंक देश की पहली राष्ट्रीय परियोजना है, जो भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी के स्वप्न के रूप में एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है।

परियोजना की विस्तृत डी.पी.आर. तैयार करने के लिये मध्यप्रदेश शासन, उत्तरप्रदेश शासन और प्रधानमंत्री जी की उपस्थिति में त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया है।

मध्यप्रदेश के कई जिलों को मिलेगी सिंचाई सुविधा

केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना से पन्ना जिले में 70 हजार हेक्टेयर, छतरपुर में 3 लाख 11 हजार 151 हेक्टेयर, दमोह में 20 हजार 101 हेक्टेयर, टीकमगढ़ एवं निवाड़ी में 50 हजार 112 हेक्टेयर, सागर में 90 हजार हेक्टेयर, रायसेन में 6 हजार हेक्टेयर, विदिशा में 20 हजार हेक्टेयर, शिवपुरी में 76 हजार हेक्टेयर एवं दतिया जिले में 14 हजार हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित हो सकेगा। साथ ही पर्याप्त पेयजल भी उपलब्ध होगा।

आत्मनिर्भरता और समृद्धि के नये आयाम विकसित करेगी परियोजना

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि निःसंदेह केन-बेतवा लिंक परियोजना सूखाग्रस्त बुंदेलखंड क्षेत्र के लिये आत्म-निर्भरता और समृद्धि के नये आयाम विकसित करेगी। इससे कृषि उत्पादन बढ़ेगा, लोगों की आय में वृद्धि होगी तथा जीवन-स्तर सुधरेगा। समावेशी विकास की परिकल्पना साकार होगी तथा आमजन में खुशहाली आयेगी। कुल मिलाकर कहा जा सकता है, कि केन-बेतवा लिंक परियोजना के मूर्त रूप लेने पर बुंदेलखंड क्षेत्र में विकास और प्रगति का एक नया सूर्योदय होगा।

मछुआ कल्याण और मछली पालन के लिए लाई जाएगी संशोधित मछुआ नीति

भोपाल, जल संसाधन, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य-विकास मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में मछुआरों की आर्थिक उन्नति, जनजातीय भाइयों को विशेष अधिकार और मछली उत्पादन बढ़ाने के लिए संशोधित मछुआ नीति बनाने का ड्राफ्ट तैयार किया जाए। श्री सिलावट ने कहा कि पड़ोसी राज्यों की मछुआ नीति का अध्ययन भी करें और उनके हितकारी बिंदुओं को ड्राफ्ट में शामिल किया जाए। साथ ही विशेषज्ञों की सलाह भी ली जाए।

श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भी चाहते हैं कि प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा मछली उत्पादन हो। इसके लिए जरूरी नीति और योजना बनाकर उनसे मछुआ समुदाय के युवाओं को जोड़ना होगा।

मछली उत्पादन बढ़ाने के लिए नई संशोधित नीति की जरूरत

मछुआ कल्याण मंत्री ने कहा कि नई नीति बनाकर मध्यप्रदेश को देश में मछली उत्पादन के क्षेत्र में नंबर वन बनाना है। इसके लिए मछली उत्पादन के लिए जरूरी व्यवस्थाएं और जरूरी संसाधनों को सुलभ करवाना होगा। देश में अच्छा काम कर रही मछुआ पालन समितियों, मत्स्य पालकों, मत्स्य विभाग के पूर्व अधिकारियों की राय लेकर नई संशोधित नीति की ड्राफ्टिंग करनी होगी।

अन्य राज्यों से भी सीखने की जरूरत

श्री सिलावट ने अधिकारियों से कहा कि गुजरात, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में मछली पालन के क्षेत्र में अच्छा कर रहे समितियों को देखकर उनसे भी सीखने की जरूरत है। प्रदेश में बालाघाट ने देश में मछली उत्पादन में विशेष कार्य किया है। बालाघाट की समितियों को अगले सप्ताह भोपाल बुलाया जाए मैं स्वयं उनसे चर्चा करूंगा। उन्होंने कहा कि मत्स्य-पालकों को जल्द से जल्द मछुआ क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराया जाए। श्री सिलावट ने मछुआ समाज के मेधावी छात्रों को भी सम्मानित करने के लिए जल्द से जल्द उनकी सूची तैयार करने को कहा।

नर्मदा घाटी में मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा दिया जाए

श्री सिलावट ने कहा कि मत्स्य-उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के जलाशयों में मत्स्य-पालन भी रूपरेखा तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित सक्रिय समितियों को प्रोत्साहित किया जाए और निष्क्रिय समितियों को खत्म कर नई समिति का गठन किया जाए।

जनजातीय ब्लाक के लिए अलग से नीति बनायें

मछुआ कल्याण मंत्री ने प्रदेश के 89 आदिवासी ब्लॉक में रहने वाले जनजातीय समाज को मछली पालन से जोड़ने के लिए अलग से नीति तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज पहले से मछली पालन के क्षेत्र से जुड़ा रहा है अब उनको भी मछली पालन के क्षेत्र में बढ़ावा मिलना चाहिए। उन्होंने मत्स्य पालन के क्षेत्र में नवाचार करने के भी निर्देश दिए।

रॉयल्टी बढ़ाने का लक्ष्य

मत्स्य महासंघ के प्रबंध संचालक श्री पुरुषोत्तम धीमान ने बताया कि विभाग ने इस वर्ष 3.5 करोड़ की रॉयल्टी प्राप्त की है। श्री धीमान और विभाग के संचालक श्री भारत सिंह ने साढ़े तीन करोड़ की राशि का चेक श्री सिलावट को सौंपा। मत्स्य महासंघ ने अगले वर्ष 6.5 करोड़ रुपये की रॉयल्टी का लक्ष्य रखा गया है।

टीकाकरण के लिए की अपील

श्री सिलावट ने सभी कर्मचारियों से शत-प्रतिशत कोविड टीकाकरण कराने की अपील की।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

अहमद नासेर अल - रईसी

इंटरपोल के अध्यक्ष बने

वैश्विक पुलिस एजेंसी इंटरपोल ने निर्वाचित इंस्पेक्टर

जनरल अहमद नासेर अल - रईसी को इस्तांबुल में अध्यक्ष चुन लिया है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के इस अफसर के लिये दक्षिणपंथी संगठनों की ओर से विरोध प्रदर्शित किया गया था, लेकिन विरोध को दरकिनार करते हुये उन्हें चुना गया। गौरतलब है कि नासेर पर बंदियों को प्रताड़ित करने का आरोप है। मेजर जनरल अहमद नासेर अल-रईसी यूएई के गृह मंत्रालय के इंस्पेक्टर जनरल हैं।

जापान में

ड्यूल मोड व्हीकल होंगे शुरू

जापान के दो राज्यों के बीच इस वर्ष क्रिसमस से ड्यूल

मोड व्हीकल चलना शुरू हो जायेंगे। ये रोड के साथ-साथ पटरी पर चलने में सक्षम होंगे। दुनिया में पहली बार ऐसी सुविधा शुरू हो रही है। 18 यात्रियों की क्षमता वाले कोच 10 किलोमीटर रेलवे ट्रैक पर और 6 किलोमीटर सड़क पर चलकर एक जगह से दूसरी जगह पहुंचायेंगे। अभी यह योजना प्रयोग के तौर पर है। सफल होने पर इसे देशभर में लागू किया जायेगा।

प्रवीण सिन्हा

इंटरपोल समिति में चुने गये

सीबीआई के विशेष निदेशक प्रवीण सिन्हा इंटरपोल

कार्यकारी समिति में एशिया के प्रतिनिधि चुने गये हैं। इंटरपोल शीर्ष समिति के दो पदों के लिये इस्तांबुल में 89वीं इंटरपोल महासभा के चुनाव के दौरान चुनाव आयोजित करवाये गये। सिन्हा ने अपने चयन पर सभी का आभार भी व्यक्त किया है। सिन्हा 1988 बैच के गुजरात कैडर के आईपीएस अफसर हैं।

आईएनएस वेला

नौसेना के बेड़े में शामिल

भारतीय नौसेना ने स्टेल्थ फीचर वाली चौथी स्कॉर्पीन श्रेणी

की पनडुब्बी आईएनएस वेला को अपने बेड़े में शामिल कर लिया है। इस मौके पर आईएनएस वेला के कमांडिंग ऑफिसर अनीष मैथ्यू ने वेला की खूबियां आयोजित समारोह में सभी के सामने रखीं। उन्होंने बताया कि पनडुब्बी में बैटरी और आधुनिक संचार व्यवस्था स्वदेशी है।

यरुशलम में

दो हजार साल पुराना सिक्का मिला

इजरायल के यरुशलम शहर में ग्यारह वर्षीय लिल

क्रूटकोप को 2 हजार साल पुराना सिक्का मिला है। इस सिक्के को महान क्रांति में हिस्सा लेने वाले एक यहूदी पुजारी ने बनाया था। यह चांदी से बना 14 ग्राम का सिक्का है। इस पर यहूदी क्रांति के प्राचीन चिन्ह के साथ अभिलेख साल लिखा हुआ है। इसके एक हिस्से पर कप बना है। दूसरे हिस्से पर हिब्रू भाषा में लिखा है। इजरायल के प्राचीन वस्तु प्राधिकरण के सिक्के के विभाग के प्रमुख ने इसे दुर्लभ खोज बताया है।

अंटार्कटिका में

पहली बार उतरी एयर बस

अंटार्कटिका की बर्फ पर पहली बार एयर बस 340

विमान उतारा गया है। पर्यटन के क्षेत्र में काम करने वाले एक कंपनी समूह ने एयर बस ए-340 को अंटार्कटिका में सुरक्षित लैंड कराने का इतिहास रचा है। एचआईएफआई-4 नाम की एक एविएशन कंपनी की एयर बस ने 2 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका के कैपटाउन से उड़ान भरी थी और फिर अंटार्कटिका में लैंड हुई। बर्फ पर ही 3 हजार फीट लंबा रनवे बनाया गया था। इस एयर बस ने 2019 और 2020 के बीच 6 बार लैंडिंग का सफल ट्रायल भी किया था।

रूस में

आर्कटिक सागर जमने के कारण फंसे मालवाहक जहाज

रूस के तट के पास आर्कटिक सागर के अप्रत्याशित

रूप से जम जाने के कारण वहां कम से कम 18 मालवाहक जहाज फंस गये हैं। लाप्टेव सागर और पूर्वी साइबेरियाई सागरों में 30 सेंटीमीटर मोटी बर्फ जम गई है। दुनियाभर का निर्यात समुद्री रास्तों से होने वाले व्यापार पर निर्भर है। रूस ने समस्या से निजात पाने के लिये दो खास आइसब्रेकर भेजे हैं। माना जा रहा है कि जरा सी रुकावट करोड़ों-अरबों के नुकसान का सबब बन गयी है।

नासा ने

एस्टेरॉयड का रास्ता बदलने भेजा पहला मिशन

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने एक एस्टेरॉयड का

रास्ता बदलने की कोशिश के तहत एक स्पेसक्राफ्ट को उससे टकराने के लिये भेजा है। नासा ने ट्वीट कर कहा है कि एस्टेरॉयड डायमोफोस तुम्हारे पास आ रहे हैं। अगर मिशन सफल हुआ तो अंतरिक्ष एजेंसियां भविष्य में पृथ्वी के लिये खतरनाक एस्टेरॉयड का रास्ता मोड़ सकती हैं। डबल एस्टेरॉयड रीडायरेक्शन टेस्ट ऐसा दुनिया का पहला मिशन है।

नजरुल इस्लाम रितु

बांग्लादेश की पहली ट्रांसजेंडर मेयर बनीं

बांग्लादेश के इतिहास में पहली बार ट्रांसजेंडर मेयर को

चुना गया है। मेयर के चुनाव में 45 वर्षीय निर्दलीय उम्मीदवार ट्रांसजेंडर नजरुल इस्लाम रितु ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर भारी जीत हासिल की है। बांग्लादेश में लगभग 15 लाख ट्रांसजेंडर हैं। नजरुल की पहचान मस्जिदों का निर्माण और कई स्थानीय हिंदू मंदिरों को दान देने वाले शख्स के रूप में है।

पराग अग्रवाल

ट्वीटर के सीईओ बने

ट्वीटर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) भारत

के पराग अग्रवाल बन गये हैं। उन्होंने जैक डोर्सी का स्थान लिया है। एटॉमिक एनर्जी सेंट्रल स्कूल और फिर आईआईटी बाम्बे के छात्र रहे पराग 2011 से कंपनी में हैं। वे 2017 से चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर हैं। ज्ञात रहे कि पद त्यागने वाले डोर्सी ने 2006 में बिजस्टोन और इवान विलियम्स के साथ ट्वीटर की शुरुआत की थी।

न्यूजीलैंड में

प्रसव पीड़ा के दौरान महिला सांसद बाइक चलाकर पहुंची अस्पताल

न्यूजीलैंड की सांसद जूली एन जेंटर प्रसव पीड़ा होने पर

एंबुलेंस की प्रतीक्षा करने की बजाय खुद ही साइकिल नुमा बाइक चलाकर अस्पताल पहुंच गईं। अस्पताल पहुंचने के एक घंटे बाद उन्होंने शिशु को जन्म दिया। जेंटर ने बताया कि वे खुद की ही प्रेरणा से प्रेरित होकर इस तरह अस्पताल पहुंचीं। सोशल मीडिया पर उनके इस जज्बे को सराहा जा रहा है।

ए.आर. रहमान

काहिरा फिल्म महोत्सव में हुये सम्मानित

संगीतकार ए.आर. रहमान को संगीत के क्षेत्र में उनके

योगदान के लिये 43वें काहिरा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में विशेष रूप से सम्मानित किया गया। ज्ञात रहे कि रहमान विश्व विख्यात भारतीय कलाकार होने के साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम, हिंदी सिनेमा और हॉलीवुड में संगीत देने के लिये जाने जाते हैं। 2010 में उन्हें भारत सरकार की ओर से पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

साइमा सैयद

देश की पहली वन स्टार राइडर

राजस्थान के नागौर जिले की साइमा सैयद देश की

पहली वन स्टार राइडर बन गई हैं। एक्वेस्ट्रीयन ऑफ इंडिया तथा ऑल इंडिया और राजस्थानी हॉर्स सोसायटी के द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में यह उपलब्धि हासिल की है। साइमा ने 80 किलोमीटर की रेस पूरी कर कांस्य पदक के साथ वन स्टार राइडर का खिताब जीता। उन्होंने मारवाड़ी घोड़ी अरावली के साथ यह खिताब जीता है।

शरबत गुला

इटली ने दिया आश्रय

इटली ने हरी आंखों वाली 'अफगान गर्ल' शरबत

गुला को सुरक्षित आश्रय दिया है। इटली के प्रधानमंत्री ऑफिस ने इस संबंध में जानकारी दी है। तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद गुला ने खुद को निकाले जाने के लिये इटली से मदद मांगी थी। 1985 में नेशनल ज्योग्राफिक के कवर पेज पर छपी गुला की तस्वीर को अफगानिस्तान में छिड़े संघर्ष का प्रतीक माना जाता है। स्टीव मैक्करी ने उनकी तस्वीर खींची थी।

झोंगक्सिंग-1डी

हाई क्वालिटी डेटा के लिये चीन ने लॉन्च किया उपग्रह

चीन ने दक्षिण-पश्चिम सिचुआन प्रांत के सिचांग

उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से एक नये संचार उपग्रह को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। उपग्रह झोंगक्सिंग-1डी को एक लॉन्ग मार्च-3बी वाहक रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया और उपग्रह ने नियोजित कक्षा में प्रवेश किया। चाइना एकेडमी ऑफ स्पेस टेक्नोलॉजी द्वारा विकसित यह उपग्रह उच्च गुणवत्ता वाली आवाज, डेटा, रेडियो और टेलीविजन प्रसारण सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बताया जा रहा है।

स्मृति शेष

फास्ट फूड चेन सबवे के फाउंडर पीटर बक का निधन

दुनिया की सबसे बड़ी फास्ट फूड चेन सबवे

के संस्थापक और न्यूक्लियर साइंटिस्ट डॉक्टर पीटर बक का 90 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने 1965 में एक हजार डॉलर की पूंजी उधार लेकर सैंडविच शॉप खोली थी। 1968 में इसका नाम सबवे रखा गया। वे शॉप खोलने से पहले न्यूक्लियर पॉवर प्लांट का डिजाइन तैयार करते थे।

कोरियोग्राफर शिवा शंकर का निधन

साउथ सिनेमा के दिग्गज कोरियोग्राफर राष्ट्रीय

पुरस्कार प्राप्त शिवा शंकर मास्टर का 72 वर्ष की उम्र में हैदराबाद में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से कोरोना संक्रमित थे। वर्ष 2011 में बहुचर्चित गीत धीरा-धीरा के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया था। 2015 में बहुचर्चित फिल्म बाहुबली, 2009 की मगधीरा के अलावा उन्होंने सैकड़ों नृत्य को कोरियोग्राफी कर प्रसिद्धि पायी थी।

अमेरिकी सिंगर स्टीफन सोंडहेइम का निधन

अमेरिका के प्रसिद्ध गीतकार स्टीफन सोंडहेइम

का 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने जटिल तुकबंदी वाले गीतों, मंत्रमुग्ध करने वाली धुनों और असामान्य विषयों को सहजता से पेश कर लोकप्रियता प्राप्त की थी। कनेक्टिकर के रॉक्सबरी में उनका निधन हुआ।

प्रसिद्ध साहित्यकार कीवोम का निधन

पूर्व भारतीय राजनयिक और प्रसिद्ध

साहित्यकार एल कीवोम का 82 वर्ष की उम्र में दिल्ली में निधन हो गया। वह 1970 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुए। उन्होंने एक भारतीय राजनयिक के रूप में कई देशों का कार्यभार संभाला था। अपने 32 वर्ष के कैरियर में उन्होंने इटली और न्यूजीलैंड सहित कई देशों में अपनी सेवाएं दी थीं। 2002 में वे अपने पद से सेवानिवृत्त हुये थे।

तेलुगु गीतकार सिरिवेनेला एस. शास्त्री का निधन

लोकप्रिय तेलुगू गीतकार सिरिवेनेला सीताराम

शास्त्री का 66 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित शास्त्री लंबे समय से बीमार थे। उन्होंने 800 फिल्मों में 3 हजार से अधिक गीत लिखे हैं। उन्हें राज्य सरकार द्वारा 11 'नंदी' पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। सिरिवेनेला ने स्वर्णकमलम, स्वयंकृषि, श्रुतिलयालु, स्वरकल्पना जैसे लोकप्रिय गीतों को भी तैयार किया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कोरोना को मारने के तीन हथियार, हाथ धुलायी, मास्क और वैक्सीन का वार।

मध्यप्रदेश शासन
नर्मदा घाटी विकास विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता अपर नर्मदा जोन, बरगी हिल्स, जबलपुर

TelePhone - 0761-2673450, Fax - 0761-2672373, E-mail - ceunz.2010@rediffmail.com

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्रमांक 281/सा/मु.अ./2021-22 **जबलपुर, दिनांक : 29.11.2021**

निम्न कार्यों की ऑनलाइन निविदा ई-प्रीक्योरमेंट सिस्टम पोर्टल से वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर जारी की जा रही है। निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है :-

निविदा आई.डी. क्र.	:	.....
कार्य का विवरण	:	बरगी व्यपवर्तन परियोजना की दांयी तट मुख्य नहर कि.मी. 129 से 154 कि.मी. तक शेष निर्माण कार्य टर्न-की आधार पर सर्वेक्षण आवश्यकता अनुसार, प्लानिंग, भू-तकनीकी अन्वेषण, रूपांकन, रेखांकन, प्राक्कलन तैयार करना, नहर का निर्माण कार्य जिसमें मिट्टी कार्य, सीमेंट कांक्रीट लाइनिंग, समस्त पक्के कार्यों का निर्माण, नहर में दांयें पार्श्व पर एसफाल्ट सड़क का कार्य एवं बांयें पार्श्व में मुरूम टोपिंग का कार्य, पूर्व निर्मित कार्य का सुधार कार्य आवश्यकता अनुसार, कि.मी. 144.407 पर पुल निर्माण कार्य, नहर प्रणाली की कमीशनिंग एवं संपूर्ण नहर प्रणाली का परीक्षण कार्य। नहर कार्य पूर्ण होने के बाद 12 माह की दोष दायित्व अवधि रहेगी जिसमें नहर संचालन एवं आवश्यक मरम्मत कार्य साथ-साथ होंगे।
अनुबंध की अनु. राशि (रु. करोड़ में)	:	रु. 38.28 करोड़ (जी.एस.टी. सहित)
धरोहर राशि (रु. लाख में)	:	रु. 20.00 लाख
निविदा प्रपत्र का मूल्य	:	रु. 50000/- (नॉन रिफन्डेबल)
निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनांक	:	29.11.2021 समय 17.31 से **29.12.2021** समय 17.30 बजे तक
धरोहर राशि प्रपत्र खोलने का दिनांक	:	31.12.2021 प्रातः 11.00 बजे से
कार्यपूर्णता अवधि	:	24 माह (वर्षाकाल सहित)

- निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाइट पर केवल ऑनलाइन क्रय किया जा सकता है। ऑनलाइन भुगतान क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट एकाउण्ट के माध्यम से किया जा सकता है।
- निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

मुख्य अभियंता
जी-20001/46298/2021 **अपर नर्मदा जोन, बरगी हिल्स, जबलपुर**

कार्यालय प्रधानाचार्य एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी
पं. खुशीलाल शर्मा, शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान
(साइन्स हिल्स, मैनिट के पीछे, भोपाल)

E-mail : principal@klsgaci.nic.in, Website : www.klsgaci.edu.in, Phone : 0755-2970310

क्रमांक/2021/छात्रकक्ष/1743 **भोपाल, दिनांक : 29.11.2021**

पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में सत्र 2021-22 में प्रवेश
डिप्लोमा इन फार्मेसी (आयुर्वेद) 02 वर्षीय एवं पंचकर्म टेक्नीशियन 01 वर्षीय

पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान भोपाल में निम्नलिखित विषयों में संचालित पैरामेडिकल डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	उपलब्ध सीट	प्रवेश हेतु शैक्षणिक अर्हता
01	डिप्लोमा इन फार्मेसी (आयुर्वेद)	02 वर्ष	50	10+2 (भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान) अथवा समकक्ष
02	पंचकर्म टेक्नीशियन "सर्टिफिकेट कोर्स"	01 वर्ष	50	10+2 बारहवीं किसी भी (संकाय) विषय से उत्तीर्ण अथवा समकक्ष

आवेदन निर्धारित प्रारूप में भरकर पूर्ण विवरण सहित अनारक्षित वर्ग आवेदन के लिये रु. 200/- तथा आरक्षित वर्ग के लिये रु. 100/- का बैंक ड्राफ्ट जो कि "प्रधानाचार्य पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान, भोपाल" के नाम से देय होगा। संलग्न करना अनिवार्य है। साथ ही 10वीं, 12वीं की अंकसूची, निवास, जाति प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र की स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना होगा व स्थानांतरण प्रमाण-पत्र प्रवेश के समय महाविद्यालय में जमा करना होगा। निर्धारित शुल्क डिप्लोमा इन फार्मेसी (आयुर्वेद) पाठ्यक्रम के लिये परिषद् द्वारा निर्धारित शुल्क राशि रु. 54,490/- (रु. 5000/- कॉशनमनी सहित) एवं द्वितीय वर्ष के लिये राशि रु. 49,490/- तथा पंचकर्म टेक्नीशियन पाठ्यक्रम के लिये परिषद् द्वारा निर्धारित शुल्क राशि रु. 38,000/- (रु. 5000/- कॉशनमनी सहित) वार्षिक देय होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रमों में सीटों का आरक्षण शासन के नियमानुसार रहेगा। प्रवेश हेतु आवेदन पत्र की **अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2021** है। इसके पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जायेगा। पाठ्यक्रम मे प्रवेश मैरिट के आधार पर महाविद्यालय द्वारा ऑफलाइन काउंसिलिंग के माध्यम से दिया जायेगा। काउंसिलिंग का विस्तृत शेड्यूल वेबसाइट **www.klsgaci.edu.in** पर उपलब्ध रहेगा। काउंसिलिंग में भाग लेते समय अभ्यर्थियों को उपरोक्त सभी मूल प्रमाण-पत्र लाना अनिवार्य होगा। इस हेतु पृथक से कोई कॉल लेटर संस्थान स्तर से नहीं भेजा जायेगा। काउंसिलिंग में भाग लेने हेतु किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। आवेदन पत्र का प्रारूप संलग्न है।

प्रधानाचार्य एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी

डिप्लोमा इन फार्मेसी (आयुर्वेद)/पंचकर्म टेक्नीशियन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
सत्र 2021-22 में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप

स्वप्रमाणित नवीन फोटो

प्रति,
प्रधानाचार्य पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय (स्वशासी)
आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान भोपाल।

01	आवेदित पाठ्यक्रम का नाम	:	.....
02	आवेदक का पूरा नाम	:	.....
03	पिता/पति का नाम	:	.....
04	जन्मतिथि	:	.....
05	आयु (30 दिसम्बर 2021 को)	:	वर्ष.....माह.....दिन.....
06	आधार कार्ड नं.	:	.....
07	श्रेणी (अनारक्षित, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग)	:	.....
08	पत्र व्यवहार का पता	:	.....
	अस्थाई पता	:	.....
09	अभ्यार्थी का दूरभाष/मोबाइल नम्बर	:	.....
	2. अभिभावक का दूरभाष/मोबाइल नम्बर	:	.....
10	शैक्षणिक अर्हता :-		

क्र.	परीक्षा का नाम	बोर्ड का नाम	उत्तीर्ण वर्ष	परीक्षा विषय	प्राप्तांक/पूर्णांक	प्रतिशत
01	10वीं या समकक्ष					
02	12वीं या समकक्ष					
03	अन्य					

"घोषणा पत्र"

मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूं/करती हूं कि मेरे द्वारा उपरोक्तानुसार दी गयी समस्त जानकारी सत्य है। प्रवेश के समय, प्रवेश पश्चात् अथवा किसी भी समय जानकारी असत्य प्रमाणित होने पर मेरा प्रवेश संस्था द्वारा निरस्त कर दिया जाये, साथ ही इस पाठ्यक्रम के अलावा अन्य किसी पाठ्यक्रमों में मेरे द्वारा किसी भी महाविद्यालय में प्रवेश नहीं लिया गया है। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी।

दिनांक :- ..... **उम्मीदवार के हस्ताक्षर**
स्थान :- .....

आवश्यक संलग्नकों की सूची :-

1. 10वीं अंकसूची (अभिप्रमाणित छायाप्रति)
2. 12वीं अथवा समकक्ष अंकसूची (अभिप्रमाणित छायाप्रति)
3. बोर्ड का माईग्रेशन (अभिप्रमाणित छायाप्रति)
4. म.प्र. मूल निवासी प्रमाण पत्र/अन्य प्रदेश के बाहर मूल निवासी प्रमाण पत्र (अभिप्रमाणित छायाप्रति)
5. जाति प्रमाण पत्र (अभिप्रमाणित छायाप्रति)
6. आय प्रमाण पत्र (अभिप्रमाणित छायाप्रति)
7. स्थानांतरण एवं चरित्र प्रमाण पत्र (अभिप्रमाणित छायाप्रति)
8. गैप शपथ-पत्र (अंतिम अध्ययन के पश्चात् यदि गैप रहा हो तो)
9. शपथ-पत्र (किसी अन्य महाविद्यालय में प्रवेश ना लेने के संबंध में।)
10. आधार कार्ड/समग्र आईडी (अभिप्रमाणित छायाप्रति)
11. यदि महिला अभ्यर्थी शादी-शुदा है, तो मैरिज सर्टीफिकेट।
12. नवीन पासपोर्ट साइज फोटो 03

जी-19979/46297/2021

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
कोठी रोड, सिविल लाईन, सतना

एनआईटी नं. - 35/2021/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/एपीडी/पीआईयू/2232 **रीवा, दिनांक : 26.11.2021**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. बरौंधा जिला सतना में 06 ट्रेड नवीन आई.टी.आई. भवन, 60 सीटर बालक छात्रावास तथा 1 नग एफ टाईप, 2 नग एच टाईप एवं 4 नग आई टाईप आवास भवनों का निर्माण (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
2021_PWPIU_170259_1	सतना	835.71	835710	20000	18 माह	हाँ

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. पीआईयू जिला सतना के विभिन्न निर्माण कार्य के आर्किटेक्चरल डिजाईन एवं डीपीआर कंसलटेंसी सर्विसेज हेतु डीपीआर कंसलटेंट नियुक्त करने हेतु निविदा (प्रथम आमंत्रण)

2021_PWPIU_170450_1	सतना	50.00	50000	5000	12 माह	.....

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. विरसिंहपुर जिला सतना के निर्मित 100 सीटर बालिका छात्रावास भवन के प्रथम तल पर 05 नगर डोरमेट्री सह टॉयलेट का निर्माण कार्य (प्रथम तल पर शेष कार्य) (प्रथम आमंत्रण)

2021_PWPIU_170498_1	सतना	28.03	50000	5000	06 माह	हाँ

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. सिविल अस्पताल मैहर जिला सतना में प्रवेश एवं निर्गम द्वार का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

2021_PWPIU_170523_1	सतना	25.96	50000	5000	06 माह	हाँ

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. उपतहसील (टप्पा) कार्यालय भवन रैगांव जिला सतना का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2021_PWPIU_170624_1	सतना	81.19	81190	10000	12 माह	हाँ

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 6. उपतहसील (टप्पा) कार्यालय भवन सिंहपुर जिला सतना का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2021_PWPIU_170644_1	सतना	81.19	81190	10000	12 माह	हाँ

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 30.11.2021 समय 09.00 से **दिनांक 14.12.2021** समय 18.00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
जी- 20051/46301/2021 **लोक निर्माण विभाग (पी.आई.यू.) इकाई-सतना (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण संभाग भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 10/2021-22/का.यं. **भोपाल, दिनांक : 01.12.2021**

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. भोपाल शहर में भारत टाकीज के पास निर्मित रेलवे ओव्हर ब्रिज के वियरिंग कोट एक्सपेंशन ज्वाईट वियरिंग फुटपाथ व पहुंच मार्ग कार्य हेतु विशेष मरम्मत कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	टीप
2021_PWDRB_170749_1	भोपाल	पुल कार्य	प्रथम	99.92	मूल एफ.डी.आर. का भुगतान ऑनलाइन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाइन जमा होंगे।
				99.92	

उपरोक्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 20.12.2021 (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
मूल एफ.डी.आर. का भुगतान केवल ऑनलाइन होगा एवं अन्य दस्तावेज ऑनलाइन जमा होंगे। भौतिक रूप से किसी भी प्रकार के दस्तावेज कार्यालय में जमा नहीं किये जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री
जी-20059/46302/2021 **लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण संभाग भोपाल (म.प्र.)**

दूरस्थ शिक्षा द्वारा डॉक्टरों के कौशल उन्नयन एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण के अवसर

स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में ऐसे कई मुद्दे हैं, जिन्होंने दूरस्थ माध्यम से चिकित्सा शिक्षा की मांग पैदा की है। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में प्रशिक्षित डॉक्टरों की मांग एक बड़ा मुद्दा है। इस आवश्यकता को ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत डॉक्टरों को बहु-कौशलवान बनाकर पूरा किया जा सकता है। पिछले कुछ दशकों के दौरान चिकित्सा विज्ञान में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पेशेवर चिकित्सक अपने स्नातक कार्यक्रमों के दौरान जो ज्ञान प्राप्त करते हैं, वह समय के साथ अप्रचलित हो जाता है। इसलिए उन्हें अपने पेशे में प्रासंगिक बने रहने के लिए स्वयं को लगातार अपडेट रखने की आवश्यकता है। इस कारण ऐसे प्रशिक्षण की मांग बढ़ी है ।

कार्यरत डॉक्टरों के लिए दूरस्थ शिक्षा क्यों प्रासंगिक है?

कार्यरत डॉक्टर, अपने ज्ञान और कौशल को उन्नत करने के लिए पारंपरिक शैक्षणिक संस्थानों में वापस नहीं आ सकते। शैक्षणिक संस्थानों को इस तरह से कार्यक्रम शुरू करने की तत्काल आवश्यकता है कि डॉक्टरों को उनकी मौजूदा कार्यस्थल की प्रतिबद्धताओं में बिना किसी बाधा के प्रशिक्षित किया जा सके। यही कारण है कि चिकित्सा विज्ञान के ऐसे पेशेवर डॉक्टरों को निरंतर कौशल उन्नयन प्रदान करने के लिए दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम धीरे-धीरे लोकप्रिय हो रहे हैं। उन सभी संस्थानों में, जिन्होंने कार्यरत डॉक्टरों के लिए व्यावसायिक शिक्षा शुरू की है, इग्नू एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है। इग्नू 'महिला और बाल स्वास्थ्य', वृद्धावस्था देखभाल, अस्पताल प्रबंधन, जैव चिकित्सा, अपशिष्ट प्रबंधन, सीबीआरएनई, एचआईवी आदि जैसे क्षेत्रों में कार्यरत डॉक्टरों के कौशल उन्नयन के लिए काम कर रहा है। यहां यह उल्लेखनीय है कि ये शैक्षिक कार्यक्रम डॉक्टरों के लिए कौशल उन्नयन के अवसर मात्र हैं और भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा अतिरिक्त योग्यता के पंजीकरण के लिए नहीं है। इन कार्यक्रमों को संक्षेप में नीचे प्रस्तुत किया गया है। हालांकि इन कार्यक्रमों के विस्तृत उद्देश्यों, पाठ्यक्रम और नियमों और विनियमों को जानने के लिए छात्रों को इन कार्यक्रमों के कार्यक्रम गाइड और इग्नू के प्रॉस्पेक्टस पर विवरण देखना चाहिए, जो वेबसाइट पर निःशुल्क उपलब्ध हैं।

इन कार्यक्रमों के तहत छात्रों को कैसे पढ़ाया जाता है?

इग्नू में छात्रों को विभिन्न तरीकों से पढ़ाया जाता है। शिक्षण के इस तरीके को आम तौर पर मल्टीमीडिया शिक्षण के रूप में जाना जाता है। इसका अर्थ है कि छात्रों के साथ संचार कई तरीकों से किया जाता है। यह कामकाजी पेशेवरों को इस अर्थ में मदद करता है कि उनके कार्यस्थलों के लिए उनकी प्रतिबद्धताओं से समझौता नहीं किया जा रहा है। वे अपनी सुविधानुसार पढ़ाई कर सकते हैं। छात्रों के साथ संचार के कुछ प्रमुख साधन इस प्रकार हैं :-

1. **स्व-शिक्षण सामग्री** : स्व-शिक्षण सामग्री अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा डिजाइन की जाती है, जो छात्रों को उपलब्ध कराई जाती है। ऐसी सामग्री बाजार में उपलब्ध पाठ्य पुस्तकों की तरह सामान्य अध्ययन सामग्री नहीं होती है। यह पाठ्यक्रम लेखकों की एक टीम द्वारा तैयार की जाती हैं, जो अध्ययन के अपने क्षेत्र में प्रतिष्ठित हैं। इन सामग्रियों को विशेषज्ञों के साथ कई दौर के परामर्श के बाद तैयार किया जाता है। इस सामग्री को स्व-शिक्षण सामग्री कहा जाता है क्योंकि ऐसी सामग्री को पढ़ते समय छात्रों को यह महसूस होता है कि उनके शिक्षक सामग्री में अंतर्निहित हैं। इग्नू के पास दूरस्थ शिक्षार्थियों के लिए ऐसी सामग्री विकसित करने में विशेषज्ञता है। वास्तव में ऐसी सामग्री बनाने के लिए इग्नू को 'कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग, कनाडा' द्वारा 'उत्कृष्टता केंद्र' का दर्जा दिया गया था।
2. **परामर्श सत्र** : अध्ययन केंद्रों पर आमने-सामने परामर्श सत्र और अल्पकालिक प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं, जहां अकादमिक परामर्शदाता छात्रों को परामर्श देते हैं। ऐसे सत्रों के दौरान, अकादमिक परामर्शदाता छात्रों की शंकाओं का समाधान करते हैं।
3. **वीडियो टेलीकॉन्फ्रेंसिंग** : इग्नू नियमित रूप से अपने छात्रों के लिए ज्ञान दर्शन टीवी पर वीडियो टेलीकॉन्फ्रेंसिंग आयोजित करता है, जो डायरेक्ट टू होम प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। विशेषज्ञों को ई.एम.पी.सी. नई दिल्ली के इग्नू स्टूडियो में आमंत्रित किया जाता है और उनके व्याख्यानों का सीधा प्रसारण किया जाता है। देश भर में फैले छात्र इस तरह के कार्यक्रम को टीवी, डेस्कटॉप और मोबाइल पर देख सकते हैं और स्टूडियो में एक टोल फ्री टेलीफोन लाइन के माध्यम से विशेषज्ञों के साथ बातचीत कर सकते हैं। ऐसे कार्यक्रमों के रिकॉर्डेड वीडियो ई-ज्ञान कोष पर भी उपलब्ध हैं। ई-ज्ञान कोष, इग्नू की वेबसाइट पर सबसे बड़ा ऑनलाइन 'ज्ञान भंडार' है।
4. **रेडियो परामर्श** : इग्नू नियमित रूप से एफएम रेडियो के माध्यम से अपने छात्रों के लिए रेडियो परामर्श आयोजित करता है जिसे ज्ञानवाणी के नाम से जाना जाता है। कार्यक्रम ज्ञान धारा रेडियो के माध्यम से भी इग्नू की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऐसे रेडियो कार्यक्रमों की अनुसूचियों को इग्नू की वेबसाइट के माध्यम से देखा जा सकता है। छात्र ऐसे कार्यक्रमों को अपने मोबाइल फोन पर भी सुन सकते हैं।
5. **ऑडियो/वीडियो कार्यक्रम** : विश्वविद्यालय ने विशिष्ट विषयों पर ऑडियो/वीडियो कार्यक्रम विकसित किए हैं। कार्यक्रमों के विषय ऐसे होते हैं जिन्हें आमतौर पर समझना मुश्किल होता है। इस तरह के ऑडियो/वीडियो कार्यक्रम ई-ज्ञान कोष पर उपलब्ध हैं और छात्र विषय की बेहतर समझ के लिए ऐसे कार्यक्रमों को देख सकते हैं।

कार्यरत डॉक्टरों के लिए उपयोगी कार्यक्रम

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

कार्यक्रम का उद्देश्य 'मातृ एवं बाल स्वास्थ्य' क्षेत्र में काम कर रहे चिकित्सा कर्मियों और निजी चिकित्सकों के ज्ञान और कौशल को उन्नत करने का अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम उन एमबीबीएस डॉक्टरों के लिए है, जिन्होंने अपने शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से पहले अपनी इंटर्नशिप पूरी कर ली है। कार्यक्रम के लिए लक्षित समूहों में दोनों प्रणालियों, यानी सरकारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली और निजी क्षेत्र में काम करने वाले चिकित्साकर्मी शामिल हैं। डॉक्टरों के इस तरह के निरंतर पेशेवर उन्नयन से निश्चित रूप से उन्हें मातृ एवं बाल स्वास्थ्य की बेहतर गुणवत्ता प्रदान करने में मदद मिल सकती है। यह कार्यक्रम एक साल का पैकेज है, जिसमें प्रजनन स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य के घटक शामिल हैं। इन कार्यक्रमों के छात्र मातृ और बाल कार्यक्रमों की व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वे कई दक्षताओं को हासिल करते हैं, उदाहरण के लिए, विभिन्न संस्थागत स्तरों पर स्वास्थ्य का प्रबंधन, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था का प्रबंधन, सामान्य प्रसव करना, परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान करना, नवजात शिशु की देखभाल प्रदान करना, उच्च जोखिम वाले शिशुओं की पहचान करना आदि। इस कार्यक्रम के लिए पात्रता एमबीबीएस है। इस कार्यक्रम के लिए सीटों की संख्या सीमित है, इसलिए प्रवेश एक मेरिट सूची के माध्यम से दिया जाता है। प्रवेश के लिए योग्यता सूची तैयार करते समय अनुभव को उचित महत्व दिया जाएगा। इस कार्यक्रम के लिए शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। इस कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क 30,000/- रु. है। कार्यक्रम न्यूनतम एक वर्ष की अवधि का है, हालांकि विश्वविद्यालय कार्यक्रम को पूरा करने के लिए अधिकतम 3 वर्ष की अवधि देता है।

जरा-चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

इस कार्यक्रम का उद्देश्य डॉक्टरों को वृद्धावस्था चिकित्सा के क्षेत्र में ज्ञान और कौशल से लैस करना और उन्हें बुजुर्गों की विशेष समस्याओं से निपटने में सक्षम बनाना है। बढ़ती जीवन प्रत्याशा के साथ वृद्ध आबादी का अनुपात तेजी से बढ़ रहा है। बुढ़ापा अपरिहार्य और अपरिवर्तनीय है। इस आयु वर्ग में महामारी विज्ञान और रोगों की नैदानिक विशेषताएं भिन्न होती हैं। हालांकि बुजुर्गों की देखभाल के इन पहलुओं को आमतौर पर स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया जाता है। डॉक्टरों को मल्टी-स्किल्ड होने की आवश्यकता है ताकि वे बुजुर्गों को प्राथमिक स्तर की देखभाल प्रदान कर सकें। यह कार्यक्रम एमबीबीएस डॉक्टरों को जरा-चिकित्सा चिकित्सा के क्षेत्र में अपने ज्ञान और कौशल को अद्यतन करने का अवसर देता है। कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में अन्य बातों के साथ-साथ बुजुर्गों की व्यापक देखभाल, वृद्धावस्था की समस्याओं के निदान और प्रबंधन के लिए अंतःविषय दृष्टिकोण और मेडिकल कॉलेजों में प्रशिक्षण के माध्यम से अपने कौशल में सुधार करना शामिल है। इस कार्यक्रम के लिए पात्रता एमबीबीएस है और शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि 1 वर्ष है, हालांकि विश्वविद्यालय छात्रों को अधिकतम 3 वर्षों की अवधि के भीतर कार्यक्रम पूरा करने की अनुमति देता है। कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क 26,000/- रुपये है।

अस्पताल और स्वास्थ्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

यह कार्यक्रम अस्पताल या स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था में मध्यम स्तर के प्रशासकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। यह एक व्यापक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य प्रशासकों को एक पेशेवर योग्यता और अंतर्दृष्टि प्रदान करना है जो इसे कैरियर के रूप में लेना चाहते हैं। यह कार्यक्रम उनके लिए भी है जो वर्तमान में वरिष्ठ स्तर पर अस्पताल प्रशासन में लगे हुए हैं। इस कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में अन्य बातों के साथ-साथ सामान्य प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन, वित्त, अस्पतालों में रसद और उपकरण और अस्पताल में प्रदान की जाने वाली सभी प्रकार की सेवाओं का प्रबंधन शामिल हैं। इस कार्यक्रम के लिए सीटों की संख्या सीमित है और इसलिए प्रवेश इग्नू द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार एक योग्यता सूची के माध्यम से किया जाता है। चयन के लिए मानदंड अस्पताल के अनुभव और शैक्षिक योग्यता को ध्यान में रखते हैं। आम तौर पर, प्रत्येक कार्यक्रम अध्ययन केंद्र में अधिकतम 40 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। अस्पताल/स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों में कार्यरत और प्रशासनिक पदों पर कार्यरत आवेदकों को प्राथमिकता दी जाती है। कार्यक्रम के लिए पात्रता इस प्रकार है :-

ए) मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) या डेंटल काउंसिल द्वारा मान्यता प्राप्त भारत या अन्य देशों के मेडिकल/डेंटल इंस्टीट्यूट से मेडिकल/डेंटल ग्रेजुएट।

बी) तीन साल के अस्पताल के अनुभव के साथ संबंधित परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त भारतीय चिकित्सा प्रणाली (आईएसएम) और होम्योपैथी, नर्सिंग और फार्मेसी में स्नातक।

सी) पांच साल से अस्पताल के अनुभव के साथ वित्तीय, सामग्री या कार्मिक प्रबंधन में एमबीए डिग्री या पीजी डिप्लोमा रखने वाले उम्मीदवार।

इस कार्यक्रम के लिए शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। इस कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि 1 वर्ष है, हालांकि छात्रों को इसे अधिकतम वर्षों की अवधि के भीतर पूरा करने की अनुमति है। कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क 25,200/- रुपये है।

एचआईवी मेडिसिन में पीजी डिप्लोमा

इग्नू ने नाको के सहयोग से एमबीबीएस डॉक्टरों के लिए एक वर्षीय 'पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एचआईवी मेडिसिन' विकसित किया है। यह कार्यक्रम भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा अतिरिक्त योग्यता के पंजीकरण के लिए नहीं है।

इस कार्यक्रम के लिए योग्यता एम.बी.बी.एस. डिग्री है। इस कार्यक्रम के लिए शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है और कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि 1 वर्ष है। हालांकि छात्रों को अधिकतम 3 साल की अवधि के भीतर कार्यक्रम को पूरा करने की अनुमति है। कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क रु. 60,000/- है । इस कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज में कौशल प्रशिक्षण के लिए 28 दिनों का संपर्क सत्र और एआरटी केंद्रों में 30 दिनों का प्रशिक्षण शामिल है। इस कार्यक्रम के पूरा होने के बाद, छात्र अन्य बातों के साथ-साथ तृतीयक देखभाल व्यवस्था में एचआईवी/एड्स के प्रबंधन और एचआईवी/एड्स से संबंधित आपात स्थितियों के प्रबंधन का व्यापक ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होंगे। इस कार्यक्रम के तहत, NACO के माध्यम से लगभग 40 उम्मीदवारों के प्रायोजन का प्रावधान है, जिनके लिए प्रवेश शुल्क का भुगतान नाको द्वारा किया जाता है, इसके अलावा व्यावहारिक प्रशिक्षण की अवधि के लिए छुट्टी भी दी जाती है। नाको द्वारा पहचाने गए उम्मीदवारों को सामान्य फॉर्म भरना होगा और आवेदन की अंतिम तिथि से पहले आवेदन करना होगा।

सीबीआरएनई आपदाओं के चिकित्सा प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र CBRNE शब्द का अर्थ है 'रासायनिक जैविक, रेडियोलॉजिकल, परमाणु और विस्फोटक'। ऐसी आपदाएं अनायास ही आ सकती हैं। हालांकि, इन चीजों को सामूहिक विनाश के साधन के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसी आपदाओं के प्रबंधन के लिए विशेष कौशल और ज्ञान की आवश्यकता होती है। ये विषय इन दिनों भारत में अधिकांश स्नातक कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम में शामिल नहीं है। सीबीआरएनई आपदाओं का अच्छी तरह से अध्ययन नहीं किया गया है, उनका निदान मुश्किल है और इन आपदाओं के प्रबंधन और उनके चिकित्सा प्रबंधन की बहुत कम विशेषज्ञता मौजूद है। हमारा देश सीबीआरएनई हमलों के प्रति काफी संवेदनशील है। इस प्रकार, ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए विशेषज्ञता विकसित करने की तत्काल आवश्यकता है। उपरोक्त तथ्यों के आलोक में, इग्नू ने इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज (INMAS), रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के सहयोग से और एकीकृत रक्षा कर्मचारियों (IDS) के सक्रिय सहयोग से 6 महीने का PG सर्टिफिकेट प्रोग्राम विकसित किया है। कार्यक्रम को एमबीबीएस डॉक्टरों के लिए सीबीआरएनई आपदाओं के प्रभावी प्रबंधन के लिए उनकी दक्षताओं का निर्माण करने के उद्देश्य से दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से विकसित किया गया है। कार्यक्रम को पूरा करने के बाद, छात्र चिकित्सा दृष्टिकोण से सीबीआरएनई खतरे की जटिलता की समझ विकसित करने और ऐसे खतरों का प्रबंधन करने में सक्षम होंगे। भोपाल में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में इस कार्यक्रम के लिए अध्ययन केंद्र स्थापित किया गया है। इस कार्यक्रम के लिए पात्रता एमबीबीएस (एमसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त) है और प्रवेश के लिए केवल भारतीय नागरिकों पर विचार किया जाता है। शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। यह कार्यक्रम 6 महीने की अवधि का है, हालांकि इसे अधिकतम 2 वर्षों की अवधि के भीतर पूरा किया जा सकता है। इस कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क रु. 5,500/-है।

स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन में प्रमाणपत्र

बायो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट की चिंता पूरी दुनिया में बड़े पैमाने पर महसूस की जाने लगी है। पिछले कुछ दशकों के दौरान यह समस्या मानवता के लिए एक वैश्विक खतरा बन गई है। जैसा कि हमने देखा है कि एड्स, हेपेटाइटिस-बी जैसे घातक संक्रमणों में भी अविश्वसनीय वृद्धि हुई है। इस तरह के विकास ने स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को शिक्षित करने की तत्काल आवश्यकता पैदा कर दी है। इन स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, IGNOU और WHO, SEARO ने दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के देशों में स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन में एक प्रमाणपत्र कार्यक्रम विकसित किया है। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों को स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट और हमारे स्वास्थ्य और पर्यावरण पर इसके प्रभाव के बारे में जागरूक करना है। कार्यक्रम का उद्देश्य उन्हें दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के देशों में स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में मौजूदा कानून, ज्ञान और प्रथाओं से परिचित कराना है और ऐसे स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को ऐसे कचरे को प्रभावी ढंग से और सुरक्षित रूप से प्रबंधित करने के लिए कौशल से लैस करना है। इस कार्यक्रम के लिए पात्रता 10+2 या इसके समकक्ष है।

इस कार्यक्रम के लिए प्रमुख लक्ष्य समूह हैं : डॉक्टर, नर्स, स्वास्थ्य प्रबंधक और स्वास्थ्य में काम करने वाले अन्य पेशेवर कर्मचारी। शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है और कार्यक्रम को न्यूनतम 6 महीने और अधिकतम 2 वर्ष की अवधि में पूरा किया जा सकता है। इस कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क 2,700/ - है।

प्रवेश के लिए निर्णय कैसे लें?

इच्छुक छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे पहले विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.ignou.ac.in** पर कार्यक्रमों का विवरण देखें। संपूर्ण पाठ्यक्रम, अध्ययन सामग्री, पुराने प्रश्न पत्र, शिक्षकों/अधिकारियों के संपर्क विवरण और विश्वविद्यालय द्वारा अपनाई जाने वाली शिक्षण पद्धति वेबसाइट पर उपलब्ध है। इच्छुक छात्र इन सभी विवरणों को देख सकते हैं और विश्वविद्यालय के नियमों, विनियमों को ध्यान से देख सकते हैं, जो वेबसाइट पर निःशुल्क डाउनलोड के लिए उपलब्ध है।

कई अन्य कार्यक्रम हैं जो चिकित्सा डॉक्टरों के लिए उपयोगी हैं और उन्हें सलाह दी जाती है कि वे वेबसाइट पर विस्तृत विवरण देख सकते हैं। इच्छुक छात्र विश्वविद्यालय के किसी भी क्षेत्रीय केंद्र में अधिकारियों या "स्वास्थ्य विज्ञान स्कूल, इग्नू मुख्यालय" के निदेशक से संपर्क कर सकते हैं।

- डॉ उमेश चंद्र पांडेय
(लेखक - इग्नू, भोपाल में क्षेत्रीय निदेशक हैं)

वीरता पुरस्कार

अद्भुत वीरता और अदम्य साहस का प्रदर्शन करने वाले रणबांकुरों को प्रदान किए जाते हैं गैलेंट्री अवॉर्ड्स

हाल ही में भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन अभिनंदन वर्धमान को शौर्य का सम्मान प्रदान किया गया। 27 फरवरी, 2019 को एक पाकिस्तानी F-16 लड़ाकू विमान को हवाई युद्ध में मार गिराने की उनकी शौर्य गाथा की वजह से उन्हें इस अलंकरण से सम्मानित किया गया। ग्रुप कैप्टन अभिनंदन वर्धमान को राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद द्वारा अलंकरण समारोह में वीर चक्र से सम्मानित किया गया। आइए रोज़गार और निर्माण के इस अंक में हम जानते हैं वीरता पुरस्कार से जुड़ी अहम जानकारी और इसमें दिए जाने वाले विभिन्न पदकों के बारे में।

वीरता पुरस्कार का इतिहास

स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार द्वारा 26 जनवरी, 1950 को प्रारंभिक तीन वीरता पुरस्कार- परमवीर चक्र, महावीर चक्र और वीर चक्र स्थापित किये गए थे, जिन्हें 15 अगस्त, 1947 से प्रभावी माना गया था। इसके बाद वर्ष 1952 में 04 जनवरी को अन्य तीन वीरता पुरस्कार 'अशोक चक्र वर्ग-I,' 'अशोक चक्र वर्ग-II' और 'अशोक चक्र वर्ग-III' स्थापित किये गए, जिन्हें 15 अगस्त, 1947 से प्रभावी माना गया। जनवरी 1967 में इन पुरस्कारों का नाम बदलकर क्रमशः अशोक चक्र, कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र कर दिया गया।

पात्रता और चयन प्रक्रिया

थल सेना, नौसेना और वायु सेना या किसी भी आरक्षित बल, प्रादेशिक सेना तथा किसी अन्य कानूनी रूप से गठित सशस्त्र बलों के सभी रैंकों के सभी अधिकारी इन पुरस्कारों के लिये पात्र हैं। इनके अलावा अतिरिक्त मैट्रॉन, नर्स, नर्सिंग सेवाओं के कर्मचारी और अस्पतालों एवं नर्सिंग सेवाओं से संबद्ध कर्मचारी, नियमित या अस्थायी भी इसके लिये पात्र हैं।

रक्षा मंत्रालय सशस्त्र बलों और गृह मंत्रालय से वीरता पुरस्कारों के लिए प्रत्येक वर्ष में दो बार संस्तुतियां आमंत्रित करता है। सामान्यतः गणतंत्र दिवस के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पुरस्कारों के लिए अगस्त माह में तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पुरस्कारों के लिए मार्च माह में संस्तुतियों को आमंत्रित किया जाता है। सशस्त्र बलों एवं गृह मंत्रालय से प्राप्त सिफारिशों पर रक्षा मंत्री, तीनों सेना प्रमुखों तथा रक्षा सचिव की सदस्यता वाली सेंट्रल ऑनर्स एवं अवॉर्ड्स कमेटी (सीएचएंडएसी) द्वारा विचार किया जाता है। गृह मंत्रालय द्वारा सिफारिश किए गए मामलों के लिए गृह सचिव भी सदस्य होता है। इसके बाद सीएचएंडएसी की सिफारिशों को प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति के अनुमोदन के लिए भेजा जाता है। राष्ट्रपति के अनुमोदन के बाद पुरस्कारों को गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर घोषित किया जाता है।

कहां प्रदान किए जाते हैं पुरस्कार

राष्ट्रपति द्वारा कुछ अन्य रक्षा विशिष्ट सेवा पदकों के साथ वीरता पुरस्कारों को प्रत्येक वर्ष राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले रक्षा अलंकरण समारोह में पुरस्कार विजेताओं या उनके निकटतम संबंधियों को प्रदान किए जाते हैं। वहीं परमवीर चक्र तथा अशोक चक्र राष्ट्रपति द्वारा राजपथ पर गणतंत्र दिवस की परेड के अवसर पर पुरस्कार विजेताओं या उनके निकटतम संबंधियों को प्रदान किया जाता है।

वीरता पुरस्कार में मिलने वाले पदकों की पहचान क्या है?

परमवीर चक्र : यह पदक गोलाकार होता है। कांस्य निर्मित इस पदक का व्यास 1 और 3/8 इंच का होता है। इसके केंद्र में उभरे हुए राजकीय प्रतीक के साथ 'इंद्र के वज्र' की अभिमुख चार प्रतिकृतियां उभरी हुई होती हैं। इसके पीछे के भाग में हिंदी और अंग्रेजी अभिलेखों के बीच दो कमल पुष्पों के साथ हिंदी और अंग्रेजी दोनों में परमवीर चक्र उभरा हुआ होता। इसका रिबन सादा बैंगनी रंग का होता है।

अशोक चक्र : यह पदक चक्राकार होता है, इसका व्यास 1 और 3/8 इंच का होता है। इसके दोनों तरफ रिम होते हैं। मेडल पर सोना चढ़ा होता है। मेडल के मुख पर कमल की माला से घिरे हुए मध्य भाग में अशोक चक्र की प्रतिकृति उत्कीर्ण होती है। रिम के किनारे पर अंदर की ओर कमल की पत्तियां, पुष्प और कलियों का पैटर्न होता है। इसके पिछले भाग में दो कमल पुष्पों द्वारा पृथक हो रहे दो रूपांतरों के साथ हिंदी और अंग्रेजी दोनों में अशोक चक्र शब्द उभरा हुआ होता है। पदक के रिबन का रंग हरे रंग का होता जो नारंगी रंग की लम्बवत रेखा द्वारा दो समान भागों में विभाजित होता है।

महावीर चक्र : इसका पदक चक्राकार और मानक चांदी से निर्मित होता है। इसका व्यास 1 और 3/8 इंच का होता है। इसके पीछे रिम को स्टार के बिंदु स्पर्श करने के साथ अभिमुख पांच बिंदु का हेराल्डिक स्टार का उत्कीर्ण होता है। स्टार के मध्य में उत्कीर्ण आकर्षण राजकीय प्रतीक होता है। पिछले भाग में हिंदी और अंग्रेजी अभिलेखों के बीच दो कमल पुष्पों के साथ हिंदी और अंग्रेजी दोनों में महावीर चक्र उत्कीर्ण होता है। इस पदक का रिबन आधा सफेद और आधा नारंगी रंग का होता है।

कीर्ति चक्र : इस पुरस्कार का पदक चक्राकार और मानक रजत निर्मित होता है। इसका व्यास 1 और 3/8 इंच का होता है तथा इसके दोनों तरफ रिम होते हैं। मेडल के मुख पर कमल की माला से घिरे हुए मध्य भाग में अशोक चक्र की प्रतिकृति उत्कीर्ण होती है। रिम के किनारे पर अंदर की ओर कमल की पत्तियां, पुष्प और कलियों का पैटर्न होता है। इसके पिछले भाग में दो कमल पुष्पों द्वारा पृथक हो रहे दो रूपान्तरों के साथ हिंदी और अंग्रेजी दोनों में कीर्ति चक्र शब्द उभरा हुआ होता है। पदक में हरे रंग का रिबन दो नारंगी लम्बवत रेखाओं द्वारा तीन समान भागों में विभाजित होता है।

वीर चक्र : इस पुरस्कार का पदक चक्राकार होता है। 1 और 3/8 इंच के व्यास वाले इस पदक के दोनों तरफ रिम होते हैं। मेडल पर सोना चढ़ा होता है। मेडल के मुख पर कमल की माला से घिरे हुए मध्य भाग में अशोक चक्र की प्रतिकृति उत्कीर्ण होती है। रिम के किनारे पर अंदर की ओर कमल की पत्तियां, पुष्प और कलियों का पैटर्न होता है। इसके पिछले भाग में दो कमल पुष्पों द्वारा पृथक हो रहे दो रूपांतरों के साथ हिंदी और अंग्रेजी दोनों में अशोक चक्र शब्द उभरा हुआ होता है। पदक का रिबन आधा सफेद और आधा नारंगी रंग का होता है।

शौर्य चक्र : इस पुरस्कार का पदक चक्राकार और कांस्य निर्मित होता है। इसका व्यास 1 और 3/8 इंच का होता है, पदक के दोनों तरफ रिम होते हैं। मेडल के मुख पर कमल की माला से घिरे हुए मध्य भाग में अशोक चक्र की प्रतिकृति उत्कीर्ण होती है। रिम के किनारे पर अंदर की ओर कमल की पत्तियां, पुष्प और कलियों का पैटर्न होता है। इसके पिछले भाग में दो कमल पुष्पों द्वारा पृथक हो रहे दो रूपान्तरों के साथ हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में शौर्य चक्र शब्द उभरा हुआ होता है। पदक में हरे रंग का रिबन तीन लम्बवत रेखाओं द्वारा चार समान भागों में विभाजित होता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अब तक 4231 कुल चक्र प्रदान किए गए हैं। इनमें से 21 परमवीर चक्र, 97 अशोक चक्र, 211 महावीर चक्र, 483 कीर्ति चक्र, 1324 वीर चक्र और 2095 शौर्य चक्र प्रदान किए गए हैं।
- कुल पदक प्राप्त करने वालों में श्रेणिवार विजेताओं का वर्गीकरण देखें तो भारतीय सेना को 2976 पदक यानी 70.34 प्रतिशत, भारतीय नौसेना को 134 (3.17 प्रतिशत) पदक, भारतीय वायु सेना को 414 (9.78 प्रतिशत) पदक, अर्द्ध सैनिक को 45 (1.06 प्रतिशत) पदक, सीमा सड़क संगठन को 226 (5.34 प्रतिशत) पदक, राज्य पुलिस को 54 (1.28 प्रतिशत) पदक और असैनिक वर्ग को 382 (9.03 प्रतिशत) पदक प्रदान किए गए हैं।
- परमवीर चक्र, भूमि, जल या हवा में शत्रु का सामना करते हुए अद्वितीय साहस अथवा शौर्य अथवा वीरता के उत्कृष्ट कार्य अथवा आत्म बलिदान के लिए दिया जाता है।
- महावीर चक्र भूमि, समुद्र एवं हवा में शत्रु का सामना करते हुए विशिष्ट वीरता के कार्य के लिए दिया जाता है।
- वीर चक्र भूमि, समुद्र या हवा में शत्रु का सामना करते हुए वीरता के कार्य के लिए दिया जाता है।
- अशोक चक्र शत्रु का मुकाबला करने के अन्यथा अद्वितीय वीरता अथवा साहसिक कार्य अथवा वीरता के उत्कृष्ट कार्य या आत्मबलिदान के लिए दिया जाता है।
- कीर्ति चक्र शत्रु का मुकाबला करने के अन्यथा अद्वितीय साहस के कार्य के लिए दिया जाता है।
- शौर्य चक्र शत्रु का मुकाबला करने के अन्यथा साहस के कार्य के लिए दिया जाता है।
- सभी वीरता पुरस्कारों को मरणोपरांत दिया जा सकता है।

- रश्मि रंजन

(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. **वर्ष 2013 में किस देश ने जूनियर हॉकी वर्ल्डकप का खिताब जीता था?**
   (अ) बेल्जियम (ब) भारत
   (स) जर्मनी (द) ब्रिटेन
2. **एडम पीटी किस देश के दिग्गज तैराक हैं?**
   (अ) अमेरिका (ब) ब्रिटेन
   (स) रूस (द) कनाडा
3. **कैगिसो रबाडा ने इस वर्ष आईसीसी ट्वेंटी-20 वर्ल्डकप में किस देश के खिलाफ हैट्रिक ली है?**
   (अ) इंग्लैंड (ब) न्यूजीलैंड
   (स) पाकिस्तान (द) वेस्टइंडीज
4. **एम सी मैरीकॉम ने किस वर्ष ओलिंपिक में मुक्केबाजी में कांस्य पदक जीता है?**
   (अ) वर्ष 2008
   (ब) वर्ष 2012
   (स) वर्ष 2016
   (द) इनमें से कोई नहीं
5. **एफआईएच ने वर्ष 2020 में किस खिलाड़ी को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार दिया है?**
   (अ) गुरजीत कौर
   (ब) इवा डि गियोड
   (स) ओलिविया मेरी
   (द) वेलेंटिना रापोसो
6. **इनमें से किस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा बार पेरिस मास्टर्स खिताब जीते हैं?**
   (अ) एंडी मरे
   (ब) रोजर फेडरर
   (स) पीट सैम्प्रास
   (द) नोवाक जोकोविच
7. **इस वर्ष किस देश ने आईसीसी टी-20 वर्ल्डकप का खिताब अपने नाम किया है?**
   (अ) इंग्लैंड (ब) ऑस्ट्रेलिया
   (स) न्यूजीलैंड (द) पाकिस्तान
8. **जमैकन एथलीट उसेन बोल्ट ने वर्ल्ड चैम्पियनशिप में कितने स्वर्ण पदक जीते हैं?**
   (अ) 08 (ब) 10
   (स) 11 (द) 13
9. **वर्ष 2023 में रग्बी वर्ल्डकप किस देश में आयोजित किया जायेगा?**
   (अ) ऑस्ट्रेलिया
   (ब) स्कॉटलैंड
   (स) दक्षिण अफ्रीका
   (द) फ्रांस
10. **मिस्र के मोहम्मद सालेह इंग्लिश प्रीमियर लीग में किस क्लब के लिए खेलते हैं?**
    (अ) लिवरपूल
    (ब) मैनचेस्टर यूनाइटेड
    (स) आर्सेनल
    (द) ऑस्टन विला
11. **हालही में इनमें से किस श्रीलंकाई खिलाड़ी को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है?**
    (अ) कुमार संगाकारा
    (ब) माहेला जयवर्धने
    (स) सनथ जयसूर्या
    (द) अरविंद डिसिल्वा
12. **इस वर्ष इंडियन वेल्स ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष वर्ग में विजेता बने हैं?**
    (अ) एंडी रॉडिक
    (ब) डोमिनिक थिएम
    (स) कैमरन नॉरी
    (द) जॉन इस्नर
13. **इस वर्ष इनमें से किस खिलाड़ी को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार नहीं मिला है?**
    (अ) अवनि लखेरा
    (ब) मनीष नरवाल
    (स) मनप्रीत सिंह
    (द) दीपा मलिक
14. **वर्ष 2006 में विंटर ओलिंपिक खेल किस शहर में आयोजित किए गए थे?**
    (अ) प्योंगचांग (ब) मिलान
    (स) तुरिन (द) वेंकुवर
15. **महिला क्रिकेट वर्ल्डकप पहली बार किस वर्ष आयोजित किया गया था?**
    (अ) वर्ष 1973 (ब) वर्ष 1975
    (स) वर्ष 1978 (द) वर्ष 1980
16. **एंजेलिक कर्बर ने किस वर्ष यू एस ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता था?**
    (अ) वर्ष 2012 (ब) वर्ष 2016
    (स) वर्ष 2018 (द) वर्ष 2020
17. **ताई जू यिंग किस देश की दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी हैं?**
    (अ) चीन (ब) थाईलैंड
    (स) चीनी ताइपे (द) हांगकांग
18. **विराट कोहली ने वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कितने शतक बनाए हैं?**
    (अ) 26 (ब) 32
    (स) 38 (द) 43
19. **वर्ष 2017 में किस कार रेसर ने फॉर्मुला-वन चैम्पियनशिप जीती थी?**
    (अ) लुईस हैमिल्टन
    (ब) सवेस्टियन वेटल
    (स) निको रोसबर्ग
    (द) वाल्टेरी बोटास
20. **वर्ष 2021 में किस स्पेनिश क्लब ने ला लिगा खिताब जीता है?**
    (अ) बार्सिलोना
    (ब) एटलेटिको मैड्रिड
    (स) रियाल मैड्रिड
    (द) इनमें से कोई नहीं
21. **पी.वी. सिंधु ने किस वर्ष वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था?**
    (अ) वर्ष 2015 (ब) वर्ष 2017
    (स) वर्ष 2018 (द) वर्ष 2019
22. **इनमें से किस खिलाड़ी के नाम सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने का रिकॉर्ड है?**
    (अ) सचिन तेंदुलकर
    (ब) स्टीव वॉ
    (स) एलिस्टर कुक
    (द) ब्रायन लारा
23. **वर्ष 2020 में किस महिला खिलाड़ी ने इटैलियन ओपन का खिताब जीता है?**
    (अ) कैरोलिना प्लिस्कोवा
    (ब) जोहान कोंटा
    (स) ईगा स्वितेक
    (द) सिमोना हालेप
24. **टोक्यो ओलिंपिक में तीरंदाजी में महिला एकल वर्ग में चैम्पियन बनीं थी?**
    (अ) दीपिका कुमारी
    (ब) अन सान
    (स) इलीना ओसिपोवा
    (द) लुसिला बोआरी
25. **किदांबी श्रीकांत ने किस वर्ष इंडोनेशिया ओपन टूर्नामेंट जीता था?**
    (अ) वर्ष 2012 (ब) वर्ष 2014
    (स) वर्ष 2017 (द) वर्ष 2019

उत्तर

1. (स), 2. (ब), 3. (अ), 4. (ब), 5. (अ), 6. (द), 7. (ब), 8. (स), 9. (द), 10. (अ), 11. (ब), 12. (स), 13. (द), 14. (स), 15. (अ), 16. (ब), 17. (स), 18. (द), 19. (अ), 20. (ब), 21. (द), 22. (अ), 23. (द), 24. (ब), 25. (स)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं)

4 दिसम्बर

भारत ने पहला स्वदेशी सर्वर रुद्र किया लॉन्च

● केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री श्री राजीव चंद्रशेखर ने देश में

निर्मित स्वदेशी सर्वर 'रुद्र' लॉन्च किया। इस सर्वर को नेशनल सुपर कम्प्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कम्प्यूटिंग (सी-डीएसी) द्वारा विकसित किया गया है। इस सर्वर का उपयोग एकल आधार पर क्लासिकल वाणिज्यिक सर्वर के साथ-साथ बड़े सुपरकम्प्यूटिंग सिस्टम बनाने के लिये किया जा सकता है। श्री चंद्रशेखर ने कहा कि यह भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत की राष्ट्रीय पहल का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह सर्वर देश की अलग-अलग आकलन जरूरतों के अनुसार डिजाइन और वितरण करने की भारत की क्षमता को दर्शाने के लिये तैयार है।

● भारत अफगानिस्तान के नागरिकों के लिये 50 हजार मीट्रिक टन गेहूं और जीवन रक्षक दवाएं भेजेगा। ये आपूर्ति वाघा बॉर्डर से सड़क मार्ग से अफगानिस्तान के तोरखम तक पहुंचाई जायेगी। पाकिस्तान ने इस सामग्री को ले जाने के लिये अपनी जमीन के इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। इस सामग्री को ले जाने के लिये अफगान ट्रकों का इस्तेमाल किया जायेगा। इससे पहले पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के वैनर तले भारत द्वारा भेजे जा रहे गेहूं और दवाओं को अपने ट्रकों में भेजने की मांग कर रहा था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि मानवीय सहायता के लिये किसी भी प्रकार की शर्त नहीं होनी चाहिये।

5 दिसम्बर

आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर 3 करोड़ से अधिक रिटर्न दाखिल

● आयकर विभाग के नये ई-फाइलिंग पोर्टल पर तीन करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न

दाखिल किये जा चुके हैं। आयकर विभाग ने कहा है कि यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। विभाग ने सभी करदाताओं से नये ई-फाइलिंग पोर्टल के जरिये अपने फॉर्म-26 एएस और वार्षिक सूचना विवरण देखने की अपील की है, जिससे कि वे टीडीएस और टैक्स पेमेंट को वेरिफाई कर सके। आयकर विभाग ने कहा कि करदाता अपने एआईएस स्टेटमेंट में अपने बैंक, पासबुक, ब्याज प्रमाण-पत्र, फॉर्म-16 और इक्विटी तथा म्युचुअल फंड आदि की खरीद और बिक्री के मामले में ब्रोकरेज से पूंजीगत लाभ विवरण के साथ डाटा को क्रॉस चेक करें। आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा 31 दिसम्बर तक है।

● भारत के बाद अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी फ्रांस से राफेल लड़ाकू विमान खरीद रहा है। फ्रांस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि यूएई 16 अरब यूरो की लागत से 80 राफेल युद्धक विमान खरीदेगा। हालांकि अभी तक यूएई की तरफ से इस डील की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। फ्रांस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह सबसे बड़ा हथियार सौदा है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस सौदे पर लगभग एक दशक से बात चल रही थी। अब जाकर इस डील पर दोनों देश सहमत हुये हैं। इस डील से फ्रांस के रक्षा उद्योग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि राफेल विमान की रेंज 3700 किलोमीटर है। यह विमान कई तरह की मिसाइलों को ले जाने में सक्षम है।

6 दिसम्बर

नौसेना के लिये निर्मित सर्वेक्षण पोत 'संध्यक' किया गया लॉन्च

● भारतीय नौसेना के लिये बनाये जा रहे चार सर्वेक्षण पोत में से पहले पोत 'संध्यक'

का जलावतरण किया गया। इस पोत को रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड ने तैयार किया है। केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री अजय भट्ट की उपस्थिति में कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में हुगली नदी में इस पोत को लॉन्च किया गया। श्री भट्ट ने कहा कि इस सर्वेक्षण पोत के नौसेना में शामिल होने के बाद समुद्री सुरक्षा की निगरानी में काफी मदद मिलेगी, साथ ही नौसेना की ताकत बढ़ाने वाला यह जहाज रक्षा तैयारियों को मजबूती प्रदान करेगा। ये सर्वेक्षण पोत बंदरगाहों और हार्बर के बड़े पैमाने पर तटीय और गहराई वाले इलाके में हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण और नौवहन चैनलों तथा मार्गों के निर्धारण में सक्षम है। जलावतरण के बाद यह अत्याधुनिक सर्वेक्षण जहाज समुद्र में गहन परीक्षण से गुजरेगा।

● केंद्र सरकार देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन की रफ्तार को बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। यह बात केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री श्री महेंद्र नाथ पांडेय ने कही। श्री पांडेय ने कहा कि देश में न सिर्फ कारोबारी सुगमताओं को बढ़ावा दिया जा रहा है, बल्कि आने वाले दिनों में चार्जिंग की मुश्किलों को भी खत्म करने का फैसला लिया गया है। इसके लिये ऑटोमेटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने एक प्रोटोटाइप तैयार किया है। इससे अक्टूबर 2022 से इलेक्ट्रिक वाहनों की फास्ट चार्जिंग की सुविधा शुरू हो जायेगी।

7 दिसम्बर

सेना में 487 महिला अधिकारियों को दिया गया स्थायी कमीशन

● भारतीय सेना में महिला अधिकारियों की भागीदारी में लगातार वृद्धि हो रही है। केंद्र

सरकार और सेना ने सुप्रीम कोर्ट में बताया कि पिछले साल सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सेना में 615 महिला अधिकारियों को शॉर्ट सर्विस कमीशन (डब्ल्यूएसएससी) दिया गया था, इनमें से 487 महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन प्रदान किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ए.एस. बोपन्ना की पीठ ने सेना के इस प्रयास की प्रशंसा की और कहा कि सशस्त्र बलों में एक नये युग की शुरुआत हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिये कि कार्यवाही के लंबित रहने के दौरान सेवा से मुक्त की गई शॉर्ट सर्विस कमीशन की 12 महिला अधिकारियों को सेवा जारी रखने के समतुल्य माना जाये और उन्हें स्थायी सर्विस कमीशन भी प्रदान किया जाये।

● केंद्र सरकार ने पेंशनभोगियों को राहत देते हुये वार्षिक जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। ये प्रमाण-पत्र अब 31 दिसम्बर तक जमा होंगे। हर साल वार्षिक जीवन प्रमाण-पत्र को जमा करने की अंतिम तिथि 30 नवम्बर रहती है। उल्लेखनीय है कि पेंशनभोगियों को पेंशन हासिल करने के लिये हर साल जीवन प्रमाण-पत्र जमा कराना जरूरी होता है।

● इंडोनेशिया की घनी आबादी वाले द्वीप जावा में हुये ज्वालामुखी विस्फोट की घटना के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 10 से ज्यादा हो गई है। आपदा प्रबंधन अधिकारियों के अनुसार कई लोग अभी भी लापता हैं। उन्होंने बताया कि सुलगते लावा के कारण तलाशी अभियान में बाधा आ रही है। सैकड़ों प्रभावित लोगों को सुरक्षित आश्रय स्थलों में पहुंचाया गया है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले जावा प्रांत के लुमाजांग जिले में सेमेरू पर्वत में ज्वालामुखी विस्फोट हुआ था।

8 दिसम्बर

डीआरडीओ ने वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज मिसाइल का किया सफल परीक्षण

● रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने जमीन से हवा में प्रहार

करने वाली वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण ओडिशा के एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर में किया गया। इस मिसाइल की मारक क्षमता 50 किलोमीटर है। इस मिसाइल को भारतीय नौसेना के लिये बनाया गया है। इसे वर्ष 2022 में नौसेना में शामिल किया जायेगा। इस मिसाइल में वेपन कंट्रोल सिस्टम भी है, जो हथियारों को नियंत्रित करता है और एक साथ कई निशाने पर वार करने में सक्षम है। डीआरडीओ ने बताया कि भारतीय नौसेना के युद्धपोतों में लगाई जाने वाली स्वदेशी मिसाइल वर्टिकल लॉन्च सिस्टम में एक साथ आठ मिसाइल तैनात की जा सकती है। यह वेपन कंट्रोल सिस्टम 360 डिग्री पर दुश्मनों के हमलों को ध्वस्त कर सकता है।

● संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कामकाजी दिनों को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। यूएई में अब सप्ताह में साढ़े चार दिन काम करने का फैसला लिया गया है। यह नियम बनाने वाला यूएई विश्व का पहला देश बन गया है। यूएई सरकार ने इस संबंध में आधिकारिक बयान जारी कर दिया है। नया वर्किंग कैलेंडर एक जनवरी, 2022 से लागू होगा। नये वर्किंग प्लान के अनुसार रविवार और शनिवार को पूरी तरह छुट्टी होगी, वहीं शुक्रवार को आधे दिन कामकाज होगा। यूएई की सरकार ने इस संबंध में कहा कि अगर हम अपने कर्मचारियों को काम के बदले उतना ही आराम भी देंगे तो इससे उनकी प्रोडक्टिविटी में इजाफा होगा। अभी कई देशों में सप्ताह में पांच दिन कामकाज करने की व्यवस्था है।

● केंद्र सरकार ने भारत आने वाले अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की सुविधा के लिये एयर सुविधा पोर्टल बनाया है। अब भारत आने वाले सभी अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को इस पोर्टल पर कॉन्टैक्टलेस डिक्लेरेशन करना अनिवार्य कर दिया है। एयर सुविधा पोर्टल पर अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की अन्य जानकारियों के साथ-साथ कोरोना जांच (आरटी-पीसीआर) और कोरोना टीकाकरण की स्थिति के बारे में भी जानकारी मिलती है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि कोरोना वायरस के ओमीक्रॉन वैरिएंट की रोकथाम के लिये एयर सुविधा पोर्टल में छूट फॉर्म को बंद कर दिया गया है। इस पोर्टल का उद्देश्य भारत आने वाले यात्रियों को परेशानी मुक्त, कतार मुक्त और सुविधाजनक हवाई यात्रा उपलब्ध कराना है।

9 दिसम्बर

आरबीआई फीचर फोन यूजर्स के लिये लॉन्च करेगा यूपीआई पेमेंट प्रोडक्ट

● भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने फीचर फोन यूजर्स के लिये यूपीआई पेमेंट प्रोडक्ट

लॉन्च करने का फैसला लिया है। आरबीआई ने कहा कि अब बिना इंटरनेट के भी यूपीआई के जरिये लेन-देन किये जा सकते हैं। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि देश में अभी भी बड़ी संख्या में लोग फीचर फोन इस्तेमाल करते हैं। आरबीआई के इस निर्णय से ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग अब यूपीआई का इस्तेमाल कर सकेंगे। इसके अलावा आरबीआई ने यूपीआई के जरिये आईपीओ और रिटेल डायरेक्ट स्कीम के माध्यम से सरकारी बॉन्ड में निवेश की सीमा भी बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी है। पहले यह सीमा दो लाख रुपये थी।

● प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण को मार्च 2024 तक जारी रखने का निर्णय लिया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के प्रस्ताव के अनुसार इस योजना के तहत 2.95 करोड़ पक्के मकान बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें नवम्बर, 2021 तक 1.65 करोड़ मकान बनाकर दिये जा चुके हैं, शेष 1.55 करोड़ आवासों के निर्माण के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की जायेगी। इन शेष आवासों के निर्माण में लगभग 2,17,257 करोड़ रुपये की राशि खर्च होगी, जिसमें केंद्र का हिस्सा 1,25,106 करोड़ रुपये होगा। वहीं राज्यों को 73,475 करोड़ रुपये वहन करने होंगे।

10 दिसम्बर

अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों पर लगी रोक 31 जनवरी तक बढ़ी

● नागर एवं विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कोरोना महामारी के संकट को देखते हुये कमर्शियल अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की आवाजाही पर लगी रोक 31 जनवरी तक बढ़ा दी है। डीजीसीए ने इस संबंध में नया आदेश जारी किया है। इस आदेश में कहा गया है कि सभी शेड्यूल्ड अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों पर रोक जारी रहेगी, लेकिन कार्गो उड़ानों और वंदे भारत मिशन के तहत आने वाली विशेष उड़ानों पर यह रोक लागू नहीं होगी। उल्लेखनीय है कि डीजीसीए पहले 15 दिसम्बर से अंतर्राष्ट्रीय उड़ाने संचालित करने की योजना बना रहा था, लेकिन कोरोना वायरस के नये वैरिएंट ओमीक्रॉन के सामने आने के बाद डीजीसीए को निर्णय बदलना पड़ा।

● भारत वर्ष 2023 में अपना पहला मानव अंतरिक्ष यान 'गगनयान' लॉन्च करेगा। इससे पहले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) वर्ष 2022 में दो मानवरहित मिशन लॉन्च करेगा। यह जानकारी केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने राज्यसभा में दी। श्री सिंह ने बताया कि मानव अंतरिक्ष मिशन लॉन्च करने वाला भारत विश्व का चौथा देश होगा। उन्होंने बताया कि गगनयान का पहला बिना चालक वाला मिशन जुलाई 2022 में निर्धारित है, जबकि इसरो द्वारा विकसित अंतरिक्ष यात्री मानव-रोबोट 'व्योमित्र' वर्ष 2022 के अंत में भेजा जायेगा। वहीं वर्ष 2023 के अंत में पहला गगनयान मिशन पूरा किया जायेगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

टीकाकरण महाअभियान में जनभागीदारी ने फिर दिया नया मुकाम - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश की जागरूक जनता के सहयोग से टीकाकरण महाअभियान में रिकॉर्ड वैक्सीनेशन के लिये प्रदेश की जनता को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शत-प्रतिशत टीकाकरण के लिये निरंतर चलाये जा रहे महाअभियानों से हम शीघ्र ही शत-प्रतिशत पात्र लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज लगाना सुनिश्चित कर लेंगे। इस महत्वपूर्ण कार्य में जनता का सहयोग भी जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 8 दिसम्बर को चलाये गये टीकाकरण महाअभियान में रात्रि 9 बजे तक 12 लाख 58 हजार 125 नागरिकों को वैक्सीन की डोज लगाई जा चुकी है। प्रदेश को मिली इस उपलब्धि में मध्यप्रदेश का जनभागीदारी मॉडल अहम रहा है।

प्रदेश में 8 दिसम्बर को 11 हजार से अधिक टीकाकरण केंद्रों पर वैक्सीन लगाने की सभी व्यवस्थाएं की गई थीं। केंद्रों पर सुबह 9 बजे से टीका लगवाने के लिये लोगों का आना शुरू हुआ, जो दिन भर चलता रहा। जनसमुदाय की भागीदारी से टीकाकरण महाअभियान को व्यापक सफलता मिली। अब तक प्रदेश में 5 करोड़ 15 लाख 21 हजार 933 नागरिकों को वैक्सीन की प्रथम डोज और 4 करोड़ 7 लाख 92 हजार 205 नागरिकों को वैक्सीन की दोनों डोज लगाई जा चुकी हैं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारा लक्ष्य दिसम्बर माह अंत तक मध्यप्रदेश के सभी नागरिकों को कोविड वैक्सीन की दोनों डोज लगाना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये आगामी 16 और 22 दिसम्बर को पुनः टीकाकरण महाअभियान संचालित किया जायेगा। इसमें मंत्री से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक के जनप्रतिनिधि सहित सामाजिक संस्थाएं, स्वयंसेवी संस्था, कोरोना वॉलेंटियर्स के साथ धर्म गुरुओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने टीकाकरण महाअभियान को सफल बनाने के लिये जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों, जनअभियान परिषद के कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-02, डी-16, कचनार सिटी, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) 482002

ई-मेल : mpphcjabalpur2@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.-02 के अंतर्गत निविदा क्रमांक 23/2021-22 अपूर्ण निर्माण कार्य ट्राफिक थाना भवन डिण्डौरी, जिला-डिण्डौरी हेतु (ऑनलाइन निविदा क्र. 2021_MPPHC_172249) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 17.12.2021 तक** खरीद कर सायं 18:00 बजे तक सब्मिट किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/102927/46323/2021 परियोजना यंत्री

खेल चर्चा

अंजू को एथेलेटिक्स में मिला वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला अवॉर्ड

मोनाको, भारत की पूर्व महिला एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज को एथेलेटिक्स की सर्वोच्च संस्था वर्ल्ड एथेलेटिक्स ने वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला अवॉर्ड से सम्मानित किया है। वर्ल्ड एथेलेटिक्स ने कहा कि अंजू को यह अवॉर्ड भारत में खेल को आगे बढ़ाने के प्रयासों के साथ महिलाओं को प्रेरित करने के लिये दिया गया है। अवॉर्ड मिलने के बाद अंजू ने कहा कि वर्ल्ड एथेलेटिक्स द्वारा मिले अवॉर्ड से सम्मानित महसूस कर रही हूं। मेरे प्रयासों को पहचानने के लिये धन्यवाद। उल्लेखनीय है कि अंजू बॉबी जॉर्ज ने वर्ष 2003 में पेरिस में आयोजित विश्व एथेलेटिक्स चैंपियनशिप में लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

यंग ने जीता बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स खिताब

बाली, दक्षिण कोरिया की युवा शटलर आन से यंग ने वीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स का खिताब अपने नाम किया है। यंग ने टूर्नामेंट के फाइनल में भारतीय शटलर पी.वी. सिंधु को 21-16, 21-12 से हराया। सिंधु ने वर्ष 2018 में यह खिताब अपने नाम किया था। उन्होंने टोक्यो ओलिंपिक में कांस्य पदक जीता है, लेकिन इसके बाद से सिंधु के प्रदर्शन में गिरावट आ रही है। आन से यंग ने सिंधु को फाइनल में महज 39 मिनट में हरा दिया। टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग का खिताब डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन ने जीता। एक्सेलसेन ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में थाइलैंड के कुनलावुत वितिदसरन को 21-12, 21-8 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज से जीती टेस्ट सीरीज

गॉल, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई दो मैचों की टेस्ट सीरीज को श्रीलंका ने 2-0 से अपने नाम किया है। श्रीलंका ने गॉल में खेले गये सीरीज के दूसरे मैच में वेस्टइंडीज को 164 रनों से हराया। मैच में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 204 रन बनाये, इसके जवाब में वेस्टइंडीज ने 253 रन बनाये और 49 रनों की बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में धनंजय डिसिल्वा (155) की शानदार शतकीय पारी और पथुम निशांका (66) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत श्रीलंका ने 345 रन बनाये और वेस्टइंडीज के सामने 297 रनों का लक्ष्य रखा। वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में 132 रन ही बना सकी।

अमेरिका ने किया

शीतकालीन ओलिंपिक का राजनयिक बहिष्कार

वॉशिंगटन, चीन की राजधानी बीजिंग में अगले वर्ष आयोजित होने वाले शीतकालीन ओलिंपिक खेलों का अमेरिका ने राजनयिक बहिष्कार करने का ऐलान किया है। अमेरिकी सरकार ने कहा कि बीजिंग शीतकालीन ओलिंपिक में अमेरिकी अधिकारी हिस्सा नहीं लेंगे। अमेरिका के इस ऐलान से उसके खिलाड़ियों के इन खेलों में हिस्सा लेने पर रोक नहीं रहेगी, सिर्फ अधिकारी ही बहिष्कार करेंगे। अमेरिका ने कहा कि चीन द्वारा शिनजियांग प्रांत और देश के अन्य हिस्सों में मानवाधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। अमेरिका के इस फैसले पर चीन ने कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि अमेरिका की यह कार्रवाई खेल के राजनीतिकरण की कोशिश है। इस राजनयिक बहिष्कार के खिलाफ वह जवाबी कार्रवाई करेगा।

भारत-न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज

भारत ने न्यूजीलैंड पर दर्ज की अपनी सबसे बड़ी जीत

मुंबई, भारतीय क्रिकेट टीम ने मुंबई टेस्ट में न्यूजीलैंड को हराकर अपने टेस्ट इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। भारत ने न्यूजीलैंड को दूसरे टेस्ट मैच में 372 रनों से हराकर टेस्ट सीरीज 1-0 से जीती है। ये टेस्ट क्रिकेट में भारत की सबसे बड़ी जीत है।

मयंक की शानदार पारी

मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। भारत के लिये सलामी बल्लेबाजी मयंक अग्रवाल ने 150 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। मयंक ने शुभमन गिल (44) के साथ मिलकर पहले विकेट के लिये 80 रनों की साझेदारी की। इसके बाद मयंक ने श्रेयस अय्यर (18), रिद्धिमान साहा (27) और अक्षर पटेल (52) के साथ भी महत्वपूर्ण साझेदारियां कीं। भारतीय टीम ने पहली पारी में 325 रन बनाये।

गेंदबाजों ने उड़ाये न्यूजीलैंड के विकेट

स्पिन के लिये मुफीद पिच पर बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद गेंदबाजों का भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने 17 रन पर न्यूजीलैंड के तीन विकेट गिराकर भारत को फ्रंटफुट पर ला दिया। इसके बाद भारतीय स्पिनरों ने शानदार गेंदबाजी कर न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को टिकने नहीं दिया। न्यूजीलैंड की पारी 28.1 ओवरों में 62 रन पर सिमट गई।

- **इस जीत के साथ भारत ने आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया है।**
- **न्यूजीलैंड के एजाज पटेल 10 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने।**
- **रविचंद्रन अश्विन ने मैच के दौरान भारत में 300 टेस्ट विकेट पूरे किये।**
- **अश्विन से पहले अनिल कुंबले भारत में टेस्ट क्रिकेट में 300 से अधिक विकेट ले चुके हैं।**
- **अश्विन को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। अश्विन टेस्ट क्रिकेट में नौ बार मैन ऑफ द सीरीज बन चुके हैं।**

दूसरी पारी में मयंक अग्रवाल और चेतेश्वर पुजारा ने 107 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। मयंक ने सर्वाधिक 62 और पुजारा ने 47 रन बनाये। इनके अलावा शुभमन गिल ने 47, विराट कोहली ने 36 और अक्षर पटेल ने 41 रन बनाये। भारत ने 7 विकेट पर 276 रन बनाकर पारी घोषित की। जीत के लिये मिले 540 रनों के लक्ष्य के सामने न्यूजीलैंड की टीम दबाव में नजर आई। टीम के तीन विकेट महज 55 रन पर गिर गये। इसके बाद डेरिल मिशेल (60) और हेनरी निकोल्स (44) ने पारी को संभाला। इस जोड़ी के टूटते ही न्यूजीलैंड की पारी बिखर गई। न्यूजीलैंड की टीम 167 रन बनाकर आउट हो गई।

परफेक्ट-10 क्लब में शामिल हुये एजाज

न्यूजीलैंड के स्पिनर एजाज पटेल ने मुंबई टेस्ट में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। एजाज ने भारत की पहली पारी में सभी 10 विकेट लिये। इसके साथ ही एजाज परफेक्ट-10 क्लब में शामिल हो गये। टेस्ट क्रिकेट में एक पारी में सभी 10 विकेट लेने वाले एजाज विश्व के तीसरे गेंदबाज हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि इंग्लैंड के जिम लेकर और भारत के अनिल कुंबले ने हासिल की है।

रोनाल्डो 800 गोल करने वाले पहले फुटबॉलर बने

मैनचेस्टर, पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फुटबॉल में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। रोनाल्डो फुटबॉल में 800 गोल करने वाले विश्व के पहले खिलाड़ी बन गये हैं। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि इंग्लिश प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिये खेलते हुये आर्सेनल के खिलाफ मैच में हासिल की। मैच में रोनाल्डो ने दो गोल (52वें और 70वें मिनट) में किये। रोनाल्डो के इस प्रदर्शन की बदौलत मैनचेस्टर यूनाइटेड ने 3-2 से जीत दर्ज की। रोनाल्डो के अब 801 गोल हो गये हैं। रोनाल्डो ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में पुर्तगाल के लिये खेलते हुये 115 गोल किये हैं। इसके अलावा उन्होंने स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड के लिये 450, इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिये 130 और इटैलियन क्लब जुवेंटस के लिये 101 गोल भी किये हैं। रोनाल्डो से पहले सबसे अधिक गोल करने का रिकॉर्ड पेले (767) के नाम दर्ज था।

डब्ल्यूटीए ने चीन में सस्पेंड किये सभी टूर्नामेंट

फ्लोरिडा, महिला टेनिस संघ (डब्ल्यूटीए) ने चीन और हांगकांग में आयोजित होने वाले सभी टेनिस टूर्नामेंट्स को सस्पेंड कर दिया है। डब्ल्यूटीए के चेयरमैन स्टीव साइमन ने कहा कि यह फैसला चीन की महिला टेनिस खिलाड़ी पेंग शुआई की सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवालों के मद्देनजर लिया गया है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूटीए को पेंग शुआई से खुलकर बात नहीं करने दी जा रही है। मुझे नहीं लगता है कि हमारे एथलीट वहां खुलकर खेल पायेंगे, इसीलिये हम चीन में कोई टूर्नामेंट आयोजित नहीं करेंगे।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिये भारतीय टेस्ट टीम घोषित

नई दिल्ली, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिये भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम की घोषणा की है। बीसीसीआई ने बड़ा फैसला लेते हुये विराट कोहली की जगह रोहित शर्मा को वन-डे टीम की कमान सौंपी है। अब कोहली सिर्फ टेस्ट टीम की कप्तानी करते हुये नजर आयेंगे।

विराट कोहली ने आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप के बाद भारत की ट्वेंटी-20 टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। इसी के बाद से कयास लगाये जा रहे थे कि कोहली वन-डे टीम की कप्तानी से भी हट सकते हैं। बीसीसीआई ने कोहली की जगह रोहित को ट्वेंटी-20 टीम की कमान सौंपी थी। बीसीसीआई ने कहा कि अभी सिर्फ टेस्ट टीम की घोषणा की गई है। वन-डे टीम की घोषणा बाद में की जायेगी।

टेस्ट टीम में विराट कोहली, रोहित शर्मा, के.एल. राहुल, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, ऋषभ पंत, रिद्धिमान साहा, रविचंद्रन अश्विन, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी, उमेश यादव, जसप्रीत बुमराह, शार्दुल ठाकुर और मोहम्मद सिराज को जगह मिली है।

भारत का दक्षिण अफ्रीका दौरा हुआ पुनर्निर्धारित

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय क्रिकेट टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे का नया कार्यक्रम घोषित किया है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना महामारी के नये वैरिएंट ओमीक्रॉन के सामने आने के बाद यह दौरा पुनर्निर्धारित किया गया है। नये कार्यक्रम के तहत अब सिर्फ 3 टेस्ट और 3 वन-डे मैच खेले जायेंगे। चार मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज बाद में आयोजित की जायेगी। नये कार्यक्रम के तहत पहला टेस्ट मैच 26 दिसम्बर से, दूसरा टेस्ट 3 जनवरी से और तीसरा टेस्ट 11 जनवरी से खेला जायेगा।

रूस ने 15 वर्ष बाद जीता डेविस कप का खिताब

मैड्रिड, रूस ने टेनिस का विश्वकप कहा जाने वाला टूर्नामेंट डेविस कप का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के फाइनल में रूस ने क्रोएशिया को 2-0 से हराया। रूस ने 15 वर्ष बाद यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता है।

मेदवेदेव ने किया शानदार प्रदर्शन

डेविस कप में रूस की जीत के नायक दिग्गज खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव रहे। मेदवेदेव ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और सभी मैच जीते हैं। फाइनल में एकल वर्ग में मेदवेदेव की भिड़ंत क्रोएशियाई दिग्गज मारिन सिलिक से हुई। मैच का पहला सेट बेहद रोमांचक रहा और टाईब्रेकर में गया। टाईब्रेकर में मेदवेदेव ने 7-6 से जीत दर्ज की। दूसरे सेट में मेदवेदेव पूरी तरह मारिन सिलिक पर हावी रहे। मेदवेदेव ने 6-2 से सेट जीत मैच अपने नाम किया।

फाइनल के दूसरे एकल मुकाबले में रूस के आंद्रे रूबलेव ने बोर्ना गोजो को

हराया। पहले सेट में रूबलेव ने 6-4 से आसान जीत दर्ज की, लेकिन दूसरे सेट में गोजो ने बेहतर खेल दिखाया, हालांकि रूबलेव ने यह सेट 7-6 से अपने नाम किया।

फाइनल में रूस की बढ़त 2-0 होने के बाद युगल वर्ग के मुकाबले की जरूरत ही नहीं पड़ी।

- **रूस ने वर्ष 2002 और 2006 में भी जीता है डेविस कप।**
- **क्रोएशिया ने वर्ष 2005 और 2018 में जीता है टूर्नामेंट।**

जूनियर हॉकी विश्वकप

अर्जेंटीना ने जर्मनी को हराकर जीता खिताब

भुवनेश्वर, अर्जेंटीना की युवा पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच जूनियर हॉकी विश्वकप का खिताब अपने नाम किया है। अर्जेंटीना ने भुवनेश्वर में खेले गये टूर्नामेंट के फाइनल में जर्मनी को 4-2 से हराया। अर्जेंटीना ने दूसरी बार यह टूर्नामेंट जीता है। टूर्नामेंट में भारतीय हॉकी टीम ने भी टॉप-4 में जगह बनायी थी। लेकिन टीम के तीसरे स्थान के लिये हुये मैच में फ्रांस के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

अर्जेंटीना के लिये फाइनल मुकाबले में लॉतेरो डोमेने ने तीन तथा फ्रैंको ऑगस्तीनी ने एक गोल किया, वहीं जर्मनी के लिये जूलियस हैनेट तथा मेसी फंडित ने एक-एक गोल किया। फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना की टीम ने जर्मनी के खिलाफ शुरुआत से बेहतर खेल दिखाया। अर्जेंटीना को मैच के पहले हॉफ में ही बढ़त मिल गई। डोमेने ने मैच के 10वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अर्जेंटीना को बढ़त दिलाई। इसके बाद मैच के 25वें मिनट में डोमेने ने एक बार फिर पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर जर्मनी को दबाव में ला दिया।

दो क्वार्टर तक 2-0 से पिछड़ने के बाद जर्मनी की टीम ने आक्रामक रणनीति के साथ पलटवार किया। मैच के 36वें मिनट में जर्मनी के जूलियस हैनेट ने शानदार गोल किया। इसके बाद चौथे क्वार्टर की शुरुआत (47वें मिनट) में मेसी फंडित ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर जर्मनी को मैच में बराबरी पर ला दिया।

इसके तीन मिनट बाद 50वें मिनट में डोमेने ने एक बार फिर पेनाल्टी कॉर्नर का फायदा उठाते हुये गोल कर टीम को 3-2 से आगे कर दिया। रही सही कसर फैंको ऑगस्तीनी ने मैच के आखिरी मिनट में गोल करके पूरी कर दी और अर्जेंटीना 4-2 से मैच जीत गया।

- **अर्जेंटीना ने वर्ष 2005 में भी जीता है जूनियर हॉकी विश्वकप।**
- **जर्मनी ने सर्वाधिक छह बार वर्ष 1982, 1985, 1989, 1993, 2009 और 2013 में जीता है खिताब।**

लुईस हैमिल्टन बने सऊदी अरब ग्रांप्री के विजेता

जेद्दा, सात बार के फॉर्मूला-वन चैंपियन लुईस हैमिल्टन ने इस वर्ष फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप में शानदार वापसी करते हुये खिताब की दौड़ को रोमांचक बना दिया है। हैमिल्टन ने सऊदी अरब ग्रांप्री में जीत दर्ज की है। ये इस वर्ष हैमिल्टन की आठवीं जीत है। हैमिल्टन ने सऊदी अरब ग्रांप्री रेस को 2 घंटे 6 मिनट 15.118 सेकेंड में पूरी की। रेस में मैक्स वर्स्टापेन दूसरे, वाल्टेरी बोटास तीसरे, एस्टाबेन ओकेन चौथे तथा डेनियल रिकियार्डो पांचवें स्थान पर रहे। हैमिल्टन ने पिछली तीन रेस जीती हैं। इस वर्ष फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप में लुईस हैमिल्टन और मैक्स वर्स्टापेन दोनों 369.5-369.5 अंकों के साथ शीर्ष पर चल रहे हैं। चैंपियनशिप में अब सिर्फ एक रेस बची है, जिसमें विजेता का फैसला होगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

देश के पहले सीडीएस बिपिन रावत का निधन

देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत का कुन्नूर के पास हुई हवाई दुर्घटना में निधन हो गया।

उनके साथ उनकी पत्नी मधुलिका रावत सहित 11 और सैन्य अफसरों का भी इस दुर्घटना में निधन हो गया है। उनके निधन पर राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सीडीएस बिपिन रावत का जन्म 16 मार्च 1958 को उत्तराखंड के पौड़ी जिले में हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा देहरादून में हुई, फिर शिमला और उसके बाद राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़गवासला से जुड़े। वे ऊंचाई पर जंग लड़ने के विशेषज्ञ थे। उन्हें काउंटर-इन्सर्जेंसी ऑपरेशन यानी जवाबी कार्रवाई का विशेषज्ञ माना जाता था।

21वां भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन

राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को रूस आने का दिया निमंत्रण

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 21वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत का दौरा किया। राष्ट्रपति पुतिन के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच द्विपक्षीय वार्ता सौहार्द्रपूर्ण और मैत्रीपूर्ण माहौल में हुई। दोनों नेताओं ने कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद दोनों देशों के बीच 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' में निरंतर प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने विदेश और रक्षा मंत्रियों की 2+2 वार्ता की पहली बैठक और सैन्य एवं सैन्य तकनीकी सहयोग पर अंतर-सरकारी आयोग की बैठक का स्वागत किया। वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया और इस संदर्भ में, दीर्घकालिक पूर्वानुमान योग्य और सतत् आर्थिक सहयोग के लिए विकास के नए कारकों पर जोर दिया। उन्होंने परस्पर निवेश की सफलता की कहानी की सराहना की और अधिक से अधिक निवेश की उम्मीद जताई। दोनों नेताओं के बीच इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) और प्रस्तावित चेन्नई-

व्लादिवोस्तोक ईस्टर्न मैरीटाइम कॉरिडोर के माध्यम से कनेक्टिविटी की भूमिका पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने भारत के राज्यों के साथ रूस के विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से रूसी सुदूर-पूर्व के साथ पहले से अधिक अंतर-क्षेत्रीय सहयोग की उम्मीद जताई। उन्होंने कोविड महामारी के खिलाफ संघर्ष में चल रहे द्विपक्षीय सहयोग की सराहना की। इसमें दोनों देशों द्वारा जरूरत के इस संकटकाल में एक दूसरे को मानवीय सहायता प्रदान करना भी शामिल है। दोनों नेताओं ने कोविड महामारी के बाद वैश्विक आर्थिक सुधार और अफगानिस्तान की स्थिति सहित क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर चर्चा की। वे इस बात पर सहमत हुए कि अफगानिस्तान को लेकर दोनों देशों के समान दृष्टिकोण और चिंताएं हैं और अफगानिस्तान पर परामर्श और सहयोग के लिए एनएसए स्तर पर तैयार किए गए द्विपक्षीय रोडमैप की दोनों सराहना करते हैं। उन्होंने इस बात पर गौर किया कि दोनों पक्षों ने कई अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर समान दृष्टिकोण साझा किए हैं और वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को और मजबूत करने पर सहमत हुए। राष्ट्रपति पुतिन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की चल रही अस्थायी सदस्यता और 2021 में ब्रिक्स की सफल अध्यक्षता के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने भी आर्कटिक परिषद की वर्तमान अध्यक्षता के लिए रूस को बधाई दी। भारत-रूस शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए साझेदारी शीर्षक वाले संयुक्त वक्तव्य में राज्य और द्विपक्षीय संबंधों की संभावनाओं को उपयुक्त रूप से शामिल किया गया है। इस यात्रा के साथ-साथ व्यापार, ऊर्जा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, बौद्धिक संपदा, बाहरी अंतरिक्ष, भूगर्भीय खोज, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, शिक्षा इत्यादि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में दोनों सरकारों के बीच कई समझौतों और ज्ञापनों के साथ-साथ दोनों देशों के वाणिज्यिक और अन्य संगठनों के बीच भी समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। राष्ट्रपति पुतिन ने 2022 में 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी को रूस आने का निमंत्रण दिया।

जर्मनी में शुल्ज बने चांसलर मर्केल युग हुआ समाप्त

जर्मनी में एंजेला मर्केल का युग खत्म हो गया है और चांसलर (शासनाध्यक्ष) के रूप में ओलफ शुल्ज (63) ने कार्यभार

संभाल लिया है। इससे पहले सांसदों ने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के शुल्ज को चांसलर चुना। इसी के साथ मर्केल का 16 वर्षों का अनवरत शासनकाल पूरा हुआ। मर्केल की गठबंधन सरकार में शुल्ज वाइस चांसलर और वित्त मंत्री के रूप में कार्य कर रहे थे। जर्मनी की संसद के निचले सदन बंडेसटैग के अध्यक्ष बेरबेल वास के अनुसार कुल 395 सदस्यों ने शुल्ज के समर्थन में मत दिए। सांसदों की यह संख्या सदन का बहुमत है।

म्यांमार कोर्ट ने आंग सान सू की को सजा सुनाई

नोबेल पुरस्कार विजेता आंग सान सू की को म्यांमार के कोर्ट ने चार साल की सजा सुनाई थी, जिसे अब आधी कर दी गई है। उन पर सेना के खिलाफ असंतोष भड़काने और कोविड नियमों के उल्लंघन के आरोप लगे थे। म्यांमार की सरकारी मीडिया के मुताबिक सत्ताधारी सरकार ने कहा कि अपदस्थ नेता आंग सान सू की को अशांति फैलाने और महामारी संबंधी प्रतिबंधों का उल्लंघन करने के लिए चार की बजाय दो साल की जेल होगी। पूर्व राष्ट्रपति विन मिंट को भी इसी आरोप के तहत सजा सुनाई गई थी और अब उन्हें दो साल की जेल का सामना करना पड़ेगा। कोर्ट ने मूल रूप से सू की और विन को चार साल की सजा सुनाई थी, लेकिन बाद में कम सजा की घोषणा की गई। राज्य मीडिया ने इसे सेना प्रमुख मिन आंग हलिंग की ओर से आंशिक क्षमा के रूप में बताया है।

म्यांमार के जुंटा के प्रवक्ता जॉ मिन

टुन ने कहा, "उन जगहों पर अन्य आरोपों का सामना करना पड़ेगा जहां वे अभी रह रहे हैं" यह फैसला पिछले सप्ताह दिया जाना था, लेकिन इसे टाल दिया गया। इसी साल। फरवरी को सैन्य तख्तापलट के बाद सू की के निष्कासन और गिरफ्तारी के बाद यह पहला फैसला है। नोबेल पुरस्कार विजेता को कई अन्य आरोपों का भी सामना करना पड़ सकता है। सभी मामलों में दोषी ठहराए जाने पर उन्हें पूरा जीवन जेल में बिताना पड़ सकता है।

ज्ञात रहे कि सू की के खिलाफ भ्रष्टाचार और आपराधिक मामलों की भी सुनवाई चल रही है। सू की को अगले हफ्ते की शुरुआत में कई और आरोपों में सजा का सामना करना पड़ सकता है। अगर वह सभी मामलों में दोषी पाई जाती हैं तो उन्हें सौ वर्ष से ज्यादा की सजा हो सकती है। इस फैसले की दुनियाभर में व्यापक निंदा हुई है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने एक बयान में कहा, "इन फर्जी आरोपों पर आंग सान सू की को दी गई कठोर सजा म्यांमार में सभी विरोधों को खत्म करने और स्वतंत्रता का दम घोंटने के लिए सेना के दृढ़ संकल्प का ताजा उदाहरण है" यूरोपीय संघ के विदेश नीति के प्रमुख जोसेप बोरेल ने इस फैसले को 'राजनीति से प्रेरित' बताया है। उन्होंने कहा, "यूरोपीय संघ सभी राजनीतिक कैदियों के साथ-साथ तख्तापलट के बाद से मनमाने ढंग से हिरासत में लिए गए लोगों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की अपनी मांग को दोहराता है।

● गांबिया ●

लोगों ने राष्ट्रपति चुनाव में किया मतदान

गांबिया के लोगों ने राजधानी में दशकों बाद पहली बार ऐसे राष्ट्रपति चुनाव में मतदान किया जिसमें पूर्व तानाशाह

याहया जामेह उम्मीदवार नहीं हैं।

काफी संख्या में लोगों ने मतदान किया, राजधानी के इंडिपेंडेंस स्टेडियम के बाहर सूर्योदय से पहले लोग कतारों में खड़े दिखे। करीब दस लाख लोगों के मतदान करने की उम्मीद जताई गई है। उम्मीदवारों में निवर्तमान राष्ट्रपति अडामा बैरो भी शामिल हैं जिन्होंने 2016 में जामेह को पराजित किया था।

= अमेरिकी हथियारों के साथ =

सेना दिवस पर यूक्रेन ने किया शक्ति प्रदर्शन

यूक्रेन ने सेना दिवस के अवसर पर अमेरिकी हथियारों को दिखाकर शक्ति प्रदर्शन किया। इस अवसर पर यूक्रेनी

- **यूक्रेन ने अमेरिकी हथियारों को दिखाकर सेना दिवस मनाया।**
- **यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा हमारी सेना रूस के हमलों को रोकने में सक्षम।**
- **यूक्रेन सीमा पर हजारों रूसी सैनिक भारी हथियारों के साथ तैनात।**

राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के सशस्त्र बल रूस के किसी भी हमले से लड़ने में सक्षम हैं। इन दिनों यूक्रेनी सीमा पर रूस ने लगभग एक लाख सैनिकों को भारी हथियारों के साथ तैनात कर रखा है। यूक्रेन ने रूस पर आरोप लगाया है कि वह संभावित हमले के लिए अपनी सीमा पर हजारों सैनिकों को इकट्ठा कर रहा है। इसके बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच खुले युद्ध की संभावना बढ़ गई है। 2014 में भी रूस ने यूक्रेन पर हमला कर क्रीमिया पर कब्जा जमा लिया था। इस इलाके में रूस समर्थित उग्रवादी संगठन सक्रिय हैं, जो

यूक्रेनी सेना पर अक्सर हमले करते रहते हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के सशस्त्र बलों के सैनिक रूसी हमले से देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा करना जारी रखे हुए हैं। यूक्रेनी सेना अपनी ताकत में विश्वास रखती है और दुश्मन की किसी भी विजय योजना को विफल करने में सक्षम है। वहीं रूस ने यूक्रेन पर एक नए हमले की बात को झूठा और भड़काऊ बताते हुए खारिज कर दिया है। रूस से जारी तनाव के बीच राष्ट्रपति जेलेंस्की जल्द ही यूक्रेनी हथियारों के निर्माण के लिए प्रसिद्ध शहर खार्किव की यात्रा करेंगे। इस दौरान वे यूक्रेनी सेना को यहां बने टैंकों, बख्तरबंद गाड़ियों को सौंपेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में बनेगा धरती का 'ब्लैक बॉक्स'

विमानों के ब्लैक बॉक्स के बाद अब धरती का भी ब्लैक बॉक्स बनने जा रहा है। धरती का यह ब्लैक बॉक्स जलवायु

- **धरती का यह ब्लैक बॉक्स जलवायु परिवर्तन और अन्य मानव निर्मित खतरों को रिकॉर्ड करेगा।**
- **ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया में बनाया जा रहा ब्लैक बॉक्स मानव सभ्यता के पतन की कहानी बताएगा।**
- **धरती का यह ब्लैक बॉक्स करीब 32 फुट लंबा होगा और कभी न टूटने वाली स्टील से बनाया जाएगा।**

परिवर्तन और अन्य मानव निर्मित खतरों को रिकॉर्ड करेगा। साथ ही मानव सभ्यता के पतन की कहानी को भी दर्ज करेगा। यह ब्लैक बॉक्स करीब 32 फुट लंबा होगा और कभी न टूटने वाली स्टील से बनाया जाएगा। इसे ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया में बनाया जाएगा।

स्टील के इस ब्लैक बॉक्स को हार्ड ड्राइव से भरा जाएगा जिसमें धरती के

विनाश के बारे में 'बिना किसी पक्षपात के' पूरा विवरण दर्ज किया जाएगा। यह ब्लैक बॉक्स जलवायु से तापमान, समुद्र जलस्तर, जलवायु में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा और कई अन्य आंकड़े लेगा, ताकि इस बात का दस्तावेजीकरण किया जा सके कि कैसे इंसानियत जलवायु आपदा को रोकने में फेल रही। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह विमानों में लगाए जाने वाले ब्लैक बॉक्स की तरह होगा। जो विमानों की स्थिति को रिकॉर्ड करता है और दुर्घटना होने की सूरत में जरूरी सूचनाएं मुहैया कराता है।

ब्लैक बॉक्स का निर्माण साल 2022 के मध्य में शुरू होने जा रहा है। कहा जा रहा है कि यह कुछ उसी तरह का होगा जैसाकि साल 1968 में आई फिल्म '2001 : ए स्पेस ओडिसी' में ब्लैक मोनोलिथ को दिखाया गया है। इस प्रोजेक्ट को मार्केटिंग कंपनी क्लेमेंगर बीवीडीओ यूनिवर्सिटी ऑफ तस्मानिया की मदद से बना रही है।

ब्लैक बॉक्स को माल्टा, नॉर्वे और कतर में भी लगाने चर्चा हुई थी, लेकिन तस्मानिया की भूराजनीतिक और भूगर्भीय स्थिरता ज्यादा अच्छी पायी गई। बताया जा रहा है कि जब तस्मानिया में सूरज निकलेगा सोलर ऊर्जा की मदद से वैज्ञानिक आंकड़े दर्ज हो जाएंगे। इसमें समुद्री जलस्तर, तापमान, समुद्र में अम्लीकरण, कार्बन डाइऑक्साइड, जीवों का खात्मा, विश्व के विभिन्न स्थानों पर जमीन के इस्तेमाल में बदलाव आदि शामिल हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।